THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 4 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.3 2083 रविवार, 5 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

पतंजलि® PATANJALI®

ONE OF INDIA'S LARGEST in FMCG RANGE

पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन (PRF) विश्व की श्रेष्ठतम रिसर्च संस्थान है, जहाँ 2500 साइंटिस्ट एवं डॉक्टर सेवारत हैं। 7000 से अधिक रिसर्च प्रोटोकॉल फॉलो करके 500 से अधिक रिसर्च पेपर इंटरनेशनल जर्नल्स में हमने पब्लिश किये हैं और विश्व की चिकित्सा व्यवस्था को नई दिशा दी है।

1000+ Research & Evidence Based Product Range
5000+ SKUs | Ayurvedic Medicines

अर्थ से परमार्थ
PROSPERITY FOR CHARITY

पतंजलि में हम उपचार व उपकार की भावना से देश को परिवार मानकर, कमाई के लिए नहीं, भलाई के लिए प्रोडक्ट्स बनाते हैं। **अपने प्रॉफिट को 100% चैरिटी में लगाते हैं। यह अर्थ से परमार्थ का संस्थान है, देश का स्वाभिमान है।** शिक्षा व चिकित्सा की गुलामी, आर्थिक व वैचारिक गुलामी आदि से मुक्त स्वस्थ, समृद्ध, परम वैभवशाली भारत बनाने के लिए हमने लाखों-करोड़ रुपए भारत माता की सेवा कार्यों में लगाये हैं।

देश का सर्वश्रेष्ठ पतंजलि गाय का शुद्ध देशी घी

झूठपेस्ट से बचें, सच्चा ट्रूथपेस्ट दन्त कान्ति ही अपनाएं। पायरिया, दांतों का पीलापन, दुर्गन्ध, दर्द आदि से मुक्ति पाएं

पिम्पल-रिंकल मिटाएं, प्राकृतिक सौन्दर्य पाएं, पतंजलि एलोवेरा जैल अपनाएं

100 से अधिक पैरामीटर्स पर खरा सर्वश्रेष्ठ पतंजलि हनी

हानिकारक रिफाइंड ऑयल छोड़कर सर्वोत्तम पतंजलि कच्ची घानी सरसों तेल व पतंजलि के नैचुरल एवं फिजिकली रिफाइंड ऑयल ही घर लायें। अपने परिवार को मिलावट के ज़हर से बचायें

बालों का झड़ना, टूटना एवं असमय सफेद होना रोके पतंजलि केश कान्ति एडवांस हेयर ऑयल व शैम्पू की रेंज

52% प्रोटीन के साथ न्यूट्रेला सोया चंक्स

500 से अधिक औषधीय तत्वों के साथ पतंजलि च्यवनप्राश

0% मैदा, 0% कोलेस्ट्रॉल, पौष्टिक तत्वों से भरपूर पतंजलि बिस्किट्स

राख, निंबू की शक्ति के साथ पतंजलि डिशवॉश नीम के गुण के साथ पतंजलि डिटर्जेन्ट व पवित्र गोमुत्र से निर्मित गोनाइल

27 ग्राम प्रोटीन (प्रति स्कूप), पूरे दिन का प्राकृतिक पोषण

अरहर से लेकर सभी प्रकार की नेचुरल दालें

बन्धानी हींग व 100% शुद्ध पतंजलि मसाले

एलोवेरा, नीम, तुलसी जैसे प्राकृतिक गुणों वाला पतंजलि फेशवॉस

हल्दी, चन्दन, एलोवेरा, नीम, केसर जैसे प्राकृतिक गुणों के साथ

गैस, कब्ज़, पाचन, त्वचा व बालों के लिए लाभदायक

100% स्वदेशी, शुद्ध व सेहतमन्द पतंजलि शर्बत व फ्रूट ड्रिंक्स

अपनी मासूम त्वचा को सिंथेटिक ब्यूटी प्रोडक्ट्स की क्रूरता से बचायें, पतंजलि से नेचुरल ब्यूटी पायें

स्वच्छता भी व सौम्यता भी

म्यांमार सीमा के पास चार उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। मणिपुर के तेंगनुपाल जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास चार आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तारियां मोरेह पुलिस थाना क्षेत्र के यांगौबुंग गांव से की गईं। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के कीशम सुमंत मैतेई (25), एनआरएफएम के अंगोम सोमोरजीत सिंह (32), और कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (एमएफएल) के युमनाम नाओबा सिंह (26) और खुंद्रकपम श्यामसन मैतेई (25) के रूप में की गई।

पुलिस ने बताया कि राज्य में जबरन वसूली और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए खुफिया जानकारी के आधार पर व्यापक स्तर पर तलाशी अभियान, घेराबंदी और खोज अभियान चलाए जा रहे हैं।

दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे के उद्घाटन 14 अप्रैल को होगा

पीएम मोदी आम जनता के लिए खोलेंगे

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन की तारीख आ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को इसका उद्घाटन करेंगे। इसे लेकर तैयारियां पूरी हो गई हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक दिन पहले ही इस एक्सप्रेस-वे का एक वीडियो शेयर किया था।

अब 14 अप्रैल यानी आंबेडकर जयंती के दिन इस एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन कर आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इस एक्सप्रेस-वे के खुलने से दिल्ली से देहरादून तक का सफर सिर्फ ढाई घंटे में पूरा हो जाएगा। दूरी घटकर 213 किलोमीटर की रह जाएगी। अभी दिल्ली से देहरादून पहुंचने में 5-6 घंटे लगते हैं।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे का कुछ हिस्सा पहले ही आम जनता के लिए खुल चुका है। अक्षरधाम से बागपत तक का 18 किलोमीटर का स्ट्रेच आम जनता के लिए खोला जा चुका है। अब 14 अप्रैल को इस पूरे एक्सप्रेस-वे को खोल दिया जाएगा।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से दूरी 235 किलोमीटर से घटकर 213 किलोमीटर हो जाएगी। यह एक्सप्रेस-वे लगभग 13,000 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। यह एक्सप्रेस-वे उत्तर-पूर्वी दिल्ली से शुरू होगा और बागपत, शामली, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर से होते हुए देहरादून तक जाएगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे का आखिरी 20 किलोमीटर का हिस्सा राजाजी नेशनल पार्क के इको-सेंसिटिव जोन से होकर गुजरता है।

इसे ध्यान में रखते हुए, एशिया का सबसे लंबा एलिवेटेड वाइल्डलाइफ कॉरिडोर (12 किमी) बनाया जा रहा है, जिसमें 340 मीटर लंबी सुरंग भी शामिल है। देहरादून में डाट काली मंदिर के पास बनी 340 मीटर लंबी सुरंग वन्यजीवों पर पड़ने वाले असर को कम करने में मदद करेगी। इसके अलावा, गणेशपुर-देहरादून सेक्शन में जानवरों और वाहनों की टक्कर से बचने के लिए कई 'एनिमल पैसेज' भी बनाए गए हैं।

केंद्र शासित प्रदेश दादरा नगर हवेली के सिलवासा में नाइट्रोजन गोदाम में विस्फोट, 4 की मौत, 6 घायल

दादरा, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र शासित प्रदेश दादरा नगर हवेली के सिलवासा में एक नाइट्रोजन गोदाम में जोरदार विस्फोट हुआ। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं, छह घायल हैं। घटना देमनी स्कूल फलिया क्षेत्र की है। यहां शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे के करीब जोरदार धमाका हुआ, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाका इतना तेज था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। यह गोदाम एक व्यस्त सड़क पर एक चाल के पास स्थित था और स्कूल से महज करीब 30 मीटर की दूरी पर था, जिससे सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह गोदाम बिना अनुमति के संचालित हो रहा था। ताजा जानकारी के अनुसार कुल 6 घायलों को सिलवासा के नमो अस्पताल में लाया गया है , जिनमें से 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि अन्य का उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। एहतियात के तौर पर पूरे क्षेत्र को घेर लिया गया है। विस्फोट के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

शुरुआती तौर पर तकनीकी खराबी या लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार नाइट्रोजन गैस सिलेंडर रिफिलिंग के दौरान सिलेंडर में अचानक विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना तेज था कि गोदाम के मलबे सड़क पर बिखर गए, आसपास भूकंप जैसा झटका महसूस हुआ और इलाके में दहशत फैल गई। पास में एक स्कूल के बच्चों में भी अफरा-तफरी मच गई। घटना की निष्पक्ष जांच शुरू कर दी गई है।

बारामती उपचुनाव को लेकर सुनेत्रा पवार ने उद्धव ठाकरे से की बात

निर्विरोध जीत की कोशिश तेज

बारामती, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की बारामती विधानसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर अब राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार इस चुनाव के लिए उपमुख्यमंत्री और एनसीपी अध्यक्ष सुनेत्रा पवार सोमवार (6 अप्रैल) को अपना नामांकन दाखिल करेंगी। वहीं निर्विरोध चुनाव को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि उपचुनाव के लिए उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने उद्धव ठाकरे को फोन किया है। साथ ही उनकी तरफ से बारामती विधानसभा उपचुनाव में समर्थन देने का अनुरोध किया गया है। बताया जा रहा है इस सीट को निर्विरोध जीतने के लिए उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार द्वारा कांग्रेस के नेताओं से भी समर्थन की मांग की जाएगी। ऐसी जानकारी सामने निकलकर आ रही है। बता दें कि उपचुनाव को निर्विरोध कराने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रयास जारी हैं। सुनेत्रा पवार सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगी, इस दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता और मंत्री मौजूद रहेंगे। नामांकन प्रक्रिया के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी उपस्थित रहेंगे। यह उपचुनाव पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद कराया जा रहा है।

महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री और दिवंगत नेता अजित पवार बारामती सीट से विधायक थे। प्लेन हादसे में मारे जाने के बाद यह सीट खाली हो गई है। उनकी जगह अब उनकी पत्नी राज्य की उपमुख्यमंत्री बन गई हैं। वहीं वह बारामती सीट से उनकी जगह चुनाव लड़ने को तैयार हैं। अजित पवार का बारामती सीट पर लंबे समय तक दबदबा रहा और वे यहां से आठ बार विधायक चुने गए थे, जिससे यह सीट राजनीतिक रूप से बेहद अहम मानी जाती है। इस उपचुनाव को लेकर दिलचस्प बात यह है कि शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) ने इस सीट पर अपना उम्मीदवार न उतारने का फैसला किया है। हालांकि, उसकी सहयोगी कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि वह चुनाव को एकतरफा नहीं होने देगी।

सीआरपीएफ जवान की निर्मम हत्या, नाबालिक बेटी के प्रेमी ने उतारा मौत के घाट

नागपुर, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। नागपुर में नाबालिग बेटी को परेशान करने से मना करने पर सीआरपीएफ जवान पंकज रणजीत सिंह ठाकुर की हत्या कर दी गई है। वारदात में हवलदार का साला भी जख्मी हो गया है, यह वारदात नागपुर के एमआईडीसी के मातोश्री नगर में हुई है, बीच बचाव करने आए पंकज का साला अर्पित गंभीर रूप से घायल हो गया है, उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

पुलिस ने हत्या समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर मुख्य आरोपी समेत तीन अन्य को अरेस्ट कर लिया है। आरोपियों का नाम आकाश मंडल, उसका भाई हर्षद मंडल और मां पुष्पा मंडल शामिल है। जवान और उसके साले पर पांच लोगों ने घातक हमला कर दिया, जिससे जवान की मौत हो गई है। घटना बेटी के छेड़छाड़ करने से आरोपी को फटकार लगाने के कारण हुई है। प्रकरण दर्ज कर एमआईडीसी पुलिस ने अब तक 3 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

अभिषेक बनर्जी का भाजपा पर तंज

संस्थाओं का दुरुपयोग और वोटों का ध्रुवीकरण ही इनका डबल इंजन

कोलकाता, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने आगामी बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में भाजपा के 'डबल इंजन' के नारे पर सवाल उठाते हुए इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरा बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा का असली 'डबल इंजन' दो अलग-अलग तरीकों से काम करता है। पहला इंजन लोकतांत्रिक संस्थाओं के दुरुपयोग पर आधारित है।

बनर्जी के मुताबिक, इसमें चुनाव आयोग का इस्तेमाल एक हथियार के रूप में किया जाता है, जिसके जरिए असली मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने, ईमानदार अधिकारियों के तबादले करने और प्रशासनिक ढांचे को कमजोर करने की कोशिश की जाती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुनावी सूचियों में हेरफेर करने के लिए बाहरी लोगों को अवैध रूप से शामिल किया जाता है। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भाजपा का दूसरा इंजन विभिन्न स्थानीय दलों और संगठनों को अपने हित में इस्तेमाल करने पर केंद्रित है। उन्होंने एआईएमआईएम, इंडियन सेक्युलर फ्रंट और आम जनता उन्नयन पार्टी का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि इन संगठनों के माध्यम से सांप्रदायिक तनाव फैलाने, अशांति पैदा करने और वोटों के ध्रुवीकरण की कोशिश की जाती है, जिससे अंततः भाजपा को राजनीतिक लाभ मिलता है।

तृणमूल नेता ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल की जनता इस रणनीति को समझ चुकी है और इसका जवाब चुनाव में देगी। उन्होंने जयपुर, सोनामुखी, इंदास और खानाकुल क्षेत्रों में पार्टी को मिल रहे समर्थन का हवाला देते हुए कहा कि उनके उम्मीदवार अर्जुन महतो, डॉ। कल्लोल साहा, श्यामली रॉय बागदी और पलाश कुमार रॉय की जीत लगभग तय है।

हिंदुस्तान के सबसे बड़े आर्म्स डीलर पर यूएपीए

बांग्लादेश में छिपा शाहबाज अंसारी, पूरा कांड क्या?

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने देश के कुख्यात आर्म्स डीलर शाहबाज अंसारी पर यूएपीए लगा दिया है। शाहबाज अंसारी फिलहाल बांग्लादेश में छिपा हुआ है और भारतीय एजेंसियां उसकी तलाश में जुटी हुई हैं। 25 मार्च को दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच ने ब्राजील, जर्मनी और टर्की से आए हथियारों की एक बड़ी खेप बरामद की थी। इस खेप में एके-47, पिस्तौल, कारतूस और अन्य घातक हथियार शामिल थे। इस मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि हथियारों की ये खेप बांग्लादेश में बैठे शाहबाज अंसारी ने ही भारत भिजवाई थी। अब क्राइम ब्रांच ने शाहबाज अंसारी समेत सभी आरोपियों पर यूएपीए की धाराएं जोड़ दी हैं। शाहबाज अंसारी उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले का रहने वाला है। उसके पूरे खानदान को हथियारों की तस्करी से जुड़ा माना जाता है। पुलिस और जांच एजेंसियों के अनुसार शाहबाज अंसारी हिंदुस्तान का सबसे बड़ा और सबसे खतरनाक आर्म्स डीलर बन चुका है। वह पाकिस्तान से विदेशी हथियार मंगवाकर भारत में अलग-अलग गैंगस्टरों और आपराधिक गिरोहों को सप्लाई करता है। एके-47 से लेकर पिस्तौल, राइफल और अन्य घातक हथियारों की तस्करी में उसका नाम सबसे ऊपर आता है।

शाहबाज अंसारी का नाम सबसे पहले पंजाब के प्रसिद्ध गायक सिद्धू मुसेवाला की हत्या के मामले में सामने आया था। एनआईए ने जांच में पाया किमुसेवाला हत्याकांड में इस्तेमाल किए गए हथियार शाहबाज अंसारी ने ही शूटरों को सप्लाई किए थे। एनआईए ने उसे इस मामले में गिरफ्तार भी किया था। जेल में बंद शाहबाज अंसारी ने अपनी पत्नी की बीमारी का बहाना बनाकर अदालत से जमानत ली। जमानत मिलने के बाद वह पेरोल का फायदा उठाकर फरार हो गया और तब से लगातार पुलिस की गिरफ्त से बचता हुआ बांग्लादेश में छिपा बैठा है।

सरकारी इमारतों में अब भी चीनी सीसीटीवी कैमरे क्यों?

बैन के बाद राहुल गांधी का सरकार से सवाल

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर केंद्र सरकार को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं, उन्होंने कहा कि भले ही सरकार ने आम लोगों के लिए चीनी सीसीटीवी कैमरों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है, लेकिन सरकारी इमारतों में अभी भी ऐसे कैमरे लगे हुए हैं। उन्होंने कहा, "विदेशी एआई प्लेटफॉर्म संवेदनशील डेटा को प्रोसेस कर रहे हैं और सरकार के पास इस बारे में कहने के लिए कुछ भी नहीं है। मैंने संसद में इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय से सवाल पूछे थे। जवाब में बहुत कुछ कहा गया, लेकिन जो पूछा गया था, उसका कोई जवाब नहीं दिया गया..." राहुल गांधी ने बताया कि उन्होंने सरकार से पूछा था कि हमारे कैमरे किन देशों से आए? उनमें से कितने सुरक्षा की दृष्टि से प्रमाणित हैं?

कौन से विदेशी एआई प्लेटफॉर्म सरकारी डेटा प्रोसेस कर रहे हैं? कौन से प्रतिबंधित ऐप्स बदले नामों के साथ अब भी चल रहे हैं? राहुल ने कहा कि मंत्रालय के जवाब में न कोई संख्या, न कोई जवाब, एक भी प्लेटफार्म का नाम तक नहीं। राहुल गांधी ने सरकार के जवाब का पत्र सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा, "पांच साल पहले यह मानने के बाद कि सरकार द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे 10 लाख चीनी कैमरे डेटा ट्रांसफर के जोखिम पैदा करते हैं, आज भी सरकार ने ये नहीं बताया कि आज जो कैमरे हम पर नजर रख रहे हैं, वे सुरक्षित हैं या नहीं। यह जानबूझकर भारत को अंधेरे में रखने की साजिश है।

मोदी सरकार अपनी नाकामी पर पर्दा डाल विदेशी निगरानी की सच्चाई छिपा कर हर नागरिक की सुरक्षा को जोखिम में डाल रही है।" दिल्ली के सीसीटीवी सर्विलांस नेटवर्क का आधे से ज़्यादा हिस्सा चीन में बने कैमरों का है, जिसके चलते राज्य सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं को देखते हुए इन्हें चरणबद्ध तरीके से बदलने का काम शुरू कर दिया है। लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि चीनी कंपनी हिकविजन से लिए गए कैमरों को पूरे शहर से धीरे-धीरे हटाया जाएगा और उनकी जगह दूसरे कैमरे लगाए जाएंगे। दिल्ली में लोक निर्माण विभाग ने 2.7 लाख से ज़्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं।

इनमें से पहले चरण (सितंबर 2020 से नवंबर 2022) के दौरान लगाए गए लगभग 1.4 लाख कैमरे चीन में बने हैं, जबकि दूसरे चरण (जून 2025 से मार्च 2026) में लगाए जाने वाले बाकी कैमरे चीन के अलावा दूसरे देशों से लिए जाएंगे। लेकिन सरकारी इमारतों के अंदर चीनी कैमरों को लेकर सरकार ने कोई एक्शन नहीं लिया है, जिसपर सवाल खड़े हो रहे हैं।

'जब अन्याय कानून बन जाए तो विरोध ही आखिरी रास्ता'

मालदा घेराव मामले पर माकपा ने किया बचाव

कोलकाता, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में न्यायिक अधिकारियों के घेराव और हिंसा को लेकर सियासत तेज हो गई है। माकपा के वरिष्ठ नेता मोहम्मद सलीम ने इस घटना का बचाव करते हुए कहा कि जब अन्याय कानून बन जाता है, तो विरोध ही एकमात्र रास्ता बचता है। सलीम ने कहा कि यह घटना केंद्र और राज्य सरकार की विफलताओं का परिणाम है, खासकर मतदाता सूची से नाम हटाने के विवाद को लेकर लोगों में भारी नाराजगी है। उनके मुताबिक, जब लोगों के नागरिक और वोटिंग अधिकार प्रभावित होते हैं,

तो ऐसे आंदोलन स्वाभाविक हो जाते हैं। मालदा के मोथाबाड़ी इलाके में बुधवार को हालात उस समय बिगड़ गए जब प्रदर्शनकारी भीड़ ने सड़क जाम, तोड़फोड़ और पुलिस पर हमला किया। इस दौरान सात न्यायिक अधिकारियों को बीडीओ कार्यालय में बंधक बना लिया गया, जबकि एक अधिकारी को वाहन में करीब नौ घंटे तक रोके रखा गया। इस मामले में अब तक 35 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच की जिम्मेदारी सीआईडी के साथ-साथ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को भी सौंपी गई है, जो सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सक्रिय हुई है। सलीम ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक तंत्र और चुनाव आयोग जनता को न्याय देने में विफल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जब लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर पड़ती हैं, तो शासन पुलिस राज्य की तरह व्यवहार करने लगता है, जिससे जनता का विरोध बढ़ना तय है। उन्होंने यह भी दावा किया कि विवादित मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया (एसआई) गरीब, अल्पसंख्यक और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के खिलाफ एक तरह का अभियान है। सलीम के अनुसार, बिना स्पष्ट कारणों के लोगों के नाम हटाए गए, जिससे समाज के कई वर्ग प्रभावित हुए।

मुस्लिम परिवार ने किया हिंदू बेटी का कन्यादान 12 साल से अपनी बच्चे की तरह पाला था

राजगढ़, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। कहा जाता है कि प्रेम और मानवता का कोई धर्म नहीं होता, और इसी बात को सच कर दिखाया है मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के एक मुस्लिम परिवार ने। यहां एक मुस्लिम पिता अपनी हिंदू बेटी का कन्यादान हिंदू रीति-रिवाजों के साथ करने जा रहे हैं। नफरत के दौर में सामाजिक सौहार्द की यह अनूठी मिसाल पूरे देश के लिए एक नजीर बन गई है। राजगढ़ जिले में इन दिनों एक शादी का कार्ड लोगों के बीच कौतूहल और एक शादी का कार्ड लोगों के बीच यह कार्ड नंदिनी परमार और अंश परमार की शादी का है, लेकिन इस कार्ड की खास बात इसके निवेदक हैं। कार्ड पर निवेदक की जगह एक मुस्लिम परिवार का नाम लिखा है, जो इस बेटी का कन्यादान करने जा रहा है। करीब 12 साल पहले सड़क हादसे और बीमारी में अपने माता-पिता को खोने वाली नंदिनी को अब्दुल्ला खान के परिवार ने न सिर्फ अपनाया, बल्कि उसे अपनी बेटी की तरह पाला-पोसा। खान परिवार ने नंदिनी को अपनी परंपराओं और धर्म को मानने की पूरी आजादी दी और उसे ग्रेजुएट भी कराया। अब्दुल्ला खान के परिवार ने नंदिनी को कभी धर्म बदलने के लिए मजबूर नहीं किया, बल्कि उसे पूरी स्वतंत्रता के साथ हिंदू परंपराओं के बीच पाला।

इस परिवार ने नंदिनी को ग्रेजुएट भी कराया। पढ़ाई के दौरान ही नंदिनी की मुलाकात ग्वालियर निवासी अंश परमार से हुई, जिसके बाद दोनों परिवारों की सहमति से रिश्ता तय हुआ। 4 अप्रैल को राजगढ़ में होने वाला यह विवाह पूरी तरह से हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार हुआ। शहर के ओल्ड कलेक्ट्रेट रोड स्थित परिवार के निवास पर शाम 7 बजे से कार्यक्रम शुरू हुआ। यहां मुस्लिम परिवार की मौजूदगी में पंडित मंत्रोच्चार किया और पारंपरिक विधि-विधान से शादी की सभी रस्में निभाई गई। तो वहीं यह मुस्लिम परिवार के सदस्य भी महीनों से इस शादी की तैयारियों में जुटे हैं, ताकि अपनी लाडली को एक यादगार विदाई दे सकें। जाहिर सी बात है मजहब और दीवारों से परे, यह कहानी हमें याद दिलाती है कि इंसानियत का रिश्ता सबसे बड़ा होता है। राजगढ़ का यह परिवार आज देश के सामने 'सर्वधर्म समभाव' की एक अद्भुत मिसाल पेश कर रहा है।

बहरामपुर में चुनाव प्रचार के दौरान अधीर रंजन चौधरी पर हमला

कांग्रेस ने टीएमसी पर लगाए गंभीर आरोप

बहरामपुर, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर हमला करने का आरोप लगाया। मुर्शिदाबाद जिले की बहरामपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार चौधरी ने दावा किया कि चुनाव प्रचार के दौरान उन पर हमला किया गया। इस घटना ने पश्चिम बंगाल में चल रहे चुनावी माहौल में तनाव को और बढ़ा दिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक कांग्रेस नेता के साथ यह घटना तब हुई, जब अधीर रंजन चौधरी बहरामपुर विधानसभा क्षेत्र में एक जनसंपर्क अभियान में भाग ले रहे थे। आरोप है कि टीएमसी के कुछ कार्यकर्ताओं ने अचानक अभियान में बाधा डाली और चौधरी समेत उनके समर्थकों पर हमला किया। इस दौरान कुछ वाहनों को भी नुकसान पहुंचने की बात सामने आई है। कांग्रेस ने इस घटना के लिए सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि यह हमला सुनियोजित था और टीएमसी अपने कार्यकर्ताओं के जरिए विपक्षी आवाजों को दबाने की कोशिश कर रही है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दौरान इस तरह की घटनाएं राजनीतिक सरगर्मी को बढ़ा देती हैं। दोनों प्रमुख दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं, जिससे चुनावी माहौल में तनाव का स्तर बढ़ रहा है।

यह घटना आगामी दिनों में होने वाले प्रचार अभियानों को भी प्रभावित कर सकती है। अगर यह मामला बढ़ता है तो चुनाव आयोग इसे लेकर दोनों पक्षों से रिपोर्ट तलब कर सकता है। अगर जरूरी हुआ तो चुनाव आयोग आगे की जांच के निर्देश दे सकता है। क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी चिंता जताई जा रही है, ताकि चुनावी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। इसे लेकर चुनाव आयोग ने शनिवार को बंगाल प्रशासन को निर्देश दिए हैं।

शादी पर खराब फोटो से

फोटोग्राफर पर भड़क गए जज साहब, लगाया लाखों का जुर्माना

कोट्टायम, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के कोट्टायम जिला शादी सिर्फ एक रस्म नहीं होती, बल्कि जिंदगी का वो दिन होता है जिसे लोग सालों तक याद रखना चाहते हैं। हर मुस्कान, हर रस्म और हर पल को कैमरे में कैद करने के लिए लोग लाखों रुपए खर्च करते हैं। लेकिन सोचिए अगर वही यादें खराब तस्वीरों, अधूरी वीडियो और मिसिंग मोमेंट्स में बदल जाएं तो क्या होगा? यही दर्द एक कपल ने झेला और मामला कोर्ट तक पहुंच गया।

केरल के कोट्टायम जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए साफ कहा कि शादी की यादों से समझौता किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार यह मामला सिर्फ एक कपल की शिकायत नहीं है, बल्कि उन हजारों लोगों के लिए एक मिसाल बन गया है, जो अपनी शादी के लिए फोटोग्राफर्स पर भरोसा करते हैं। कोर्ट ने माना कि खराब सर्विस सिर्फ तकनीकी गलती नहीं, बल्कि मानसिक पीड़ा का कारण भी बनती है। इसी आधार पर फोटोग्राफी कंपनी पर लाखों रुपए का जुर्माना लगाया गया। यह मामला केरल के कोट्टायम का है, जहां एक डॉक्टर कपल ने अपनी शादी के लिए पिकोलो वेडिंग्स नाम की कंपनी को हायर किया था। करीब 95 हजार रुपए के पैकेज में कैंडिड फोटो, सिनेमैटिक वीडियो, हेलीकैम शूट और शादी के कई खास वीडियो शामिल थे।

कपल ने 80 हजार रुपए का भुगतान भी कर दिया था। लेकिन शादी के बाद जो मिला, वह उम्मीदों के बिल्कुल उलट था। हेलीकैम सर्विस दी ही नहीं गई। कई अहम रस्मों की वीडियो रिकॉर्डिंग गायब थी। फोटो और वीडियो की क्वालिटी भी खराब बताई गई। यहां तक कि कई जरूरी पल कैमरे में कैद ही नहीं हुए। कपल ने आरोप लगाया कि वीडियो देर से दिया गया और उसमें भी कई खामियां थीं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 4 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.3 2083 रविवार, 5 अप्रैल-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

पाक हैंडलर्स के इशारे पर साजिश रचने वाला गिरोह बेनकाब

लखनऊ, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश एटीएस ने एक ऐसे गिरोह का खुलासा किया है, जो पाकिस्तानी हैंडलर्स के इशारे पर भारत में दहशत और आतंक फैलाने की साजिश रच रहा था। इस गिरोह का मुख्य उद्देश्य देश के महत्वपूर्ण संस्थानों, रेलवे संपत्तियों और राजनीतिक व्यक्तियों को निशाना बनाकर नुकसान पहुंचाना था। एटीएस ने इस मामले में मेरठ निवासी सरगना शाकिब समेत विकास गहलावत, लोकेश और अरबाब को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि यह गिरोह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे टेलीग्राम, सिग्नल और इंस्टाग्राम के माध्यम से पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में था। शाकिब पेशे से नाई है, इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए न केवल पाकिस्तान बल्कि अफगानिस्तान के कुछ संदिग्ध नंबरों और कट्टरपंथी समूहों से भी जुड़ा हुआ था।

> पीएम मोदी ने केरल में भरी सियासी हुंकार

केरलम की जनता बदलाव चाहती है

> चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार के लिए वोट की अपील

> बुनियादी सुविधाओं पर भी बोले पीएम मोदी

तिरुवल्ला (केरल), 4 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केरल में भाजपा की चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, हमारे केरलम को ईश्वर ने अपार संसाधन और संभावनाएं दी हैं। यहां समंदर में ब्लू इकोनॉमी के असीम अवसर हैं। यहां उद्योगों के लिए संभावनाएं हैं। पर्यटन के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं, लेकिन केरल बाकी राज्यों से लगातार पीछे होता जा रहा है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि राज्य में इस बार माहौल बदल चुका है और जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि 9 अप्रैल को मतदान के बाद 4 मई को एनडीए सरकार बनने जा रही है। उन्होंने महिलाओं के समर्थन को अपनी ताकत बताते हुए कहा कि राज्यभर में एनडीए के पक्ष में माहौल दिख रहा है।

उन्होंने उम्मीदवार अनुप को समर्पित और मेहनती बताते हुए जनता से समर्थन की अपील की। रैली के दौरान उन्होंने सबरीमाला और भगवान अयप्पा का भी उल्लेख किया गया और इसे सांस्कृतिक जुड़ाव से जोड़ा।

मेरा बूथ सबसे मजबूत

प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने हाल ही में मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान के तहत केरल के भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत की थी। इस दौरान 5000 शक्ति केंद्रों से 1.25 लाख से ज्यादा कार्यकर्ता जुड़े। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं का एक ही संदेश था कि केरल की जनता अब एलडीएफ सरकार को हटाने का मन बना चुकी है।

कहा कि रैली में आने के दौरान पूरे रास्ते लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। वाम दल जहां मानव श्रृंखला की बात करते हैं, वहीं केरल की जनता ने एनडीए के समर्थन में मानव दीवार खड़ी कर दी है। प्रधानमंत्री ने एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि इन सरकारों ने इस क्षेत्र की लंबे समय तक अनदेखी की है। उन्होंने कहा कि यहां की सड़कें खराब हालत में हैं, वर्षों से नए पुल नहीं बने हैं और मेडिकल कॉलेज की स्थिति भी चिंताजनक है। बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण लोगों की जीवन गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ा है।

23 साल बाद दुश्मन ने गिराया अमेरिकी फाइटर के दो जेट

> ट्रम्प का ईरानी आसमान पर कब्जे का दावा गलत

> अब तक अमेरिका के 7 विमान तबाह

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका का ईरान के आसमान पर कब्जा हो चुका है। उनके विमान तेहरान के ऊपर उड़ रहे हैं और ईरान कुछ नहीं कर पा रहा है।

विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी ऐसे ही दावे किए। लेकिन हालात अब अलग कहानी बता रहे हैं। पिछले 24 घंटों में अमेरिका के दो सैन्य विमान और सर्च ऑपरेशन में लगे दो ब्लैकहॉक हेलीकॉप्टर ईरान के हमले का शिकार हुए। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, 23 साल में पहली बार अमेरिकी लड़ाकू विमान दुश्मन की गोलीबारी में गिराए गए। इससे पहले 2003 में इराक युद्ध के दौरान ऐसा हुआ था। 28 फरवरी को शुरू हुए ईरान जंग में अब तक 7 अमेरिकी विमान नष्ट हो चुके हैं। ईरानी मीडिया के मुताबिक सबसे पहले अमेरिकी एफ-15ई फाइटर जेट को मार गिराया गया। यह ईरान के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में उड़ान भर रहा था। एफ-15ई फाइटर जेट के क्रू को ढूंढने के लिए अमेरिकी विमान ए-10 अटैक एयरक्राफ्ट पहुंचा तो उस पर भी हमला हुआ।

ए-10 हमले के बाद कुवैत के हवाई क्षेत्र तक पहुंच गया, जहां पायलट ने सुरक्षित तरीके से इजेक्ट किया। पायलट सुरक्षित है, हालांकि विमान कुवैत में क्रैश हो गया। सीबीएस के अनुसार, एफ-15ई में दो क्रू मेंबर थे। इनमें से एक को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि दूसरा लापता है। ईरानी सरकारी मीडिया का कहना है कि पैराशूट के जरिए बाहर निकला यह क्रू सदस्य देश के दक्षिणी हिस्से में उतरने का अनुमान है। वहीं, एफ-15ई फाइटर जेट के रेस्क्यू के लिए 2 ब्लैकहॉक हेलीकॉप्टर भेजे गए थे। उन पर भी हमला हुआ। हालांकि, इन पर मौजूद सभी अमेरिकी सैनिक सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

घायल हूं इसलिए घातक हूं : राघव चड्ढा

चंडीगढ़, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने खुद पर लगाए आरोपों पर सफाई दी है। फेसबुक पर लाइव होकर चड्ढा ने कहा कि मेरे खिलाफ एक अभियान चलाया जा रहा है। एक जैसी भाषा और एक जैसे आरोप। पहले मुझे लगा कि इसका जवाब नहीं देना चाहिए लेकिन फिर लगा कि एक झूठ को सौ बार बोला जाए तो वो सच लगने लगता है।

आरोपों पर दी सफाई : आम आदमी पार्टी की तरफ से मुझ पर तीन बड़े आरोप लगाए गए हैं। पहला आरोप है कि जब विपक्ष सदन से वॉकआउट करता है तो राघव चड्ढा वहीं बैठे रहते हैं। ये सरासर झूठ है। एक दिन ऐसा बताया जाए जब विपक्ष ने वॉकआउट किया हो और मैंने उनका साथ न दिया हो। संसद में हर जगह सीसीटीवी कैमरा है, आप उसकी फुटेज निकालकर दिखा दीजिए। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। राघव ने कहा कि दूसरा आरोप मुझ पर लगाया गया कि मैंने चीफ इलेक्शन कमिश्नर को हटाने वाली याचिका पर साइन नहीं किए। ये भी सफेद झूठ है। मुझे आप के किसी नेता ने इस याचिका पर साइन करने के लिए नहीं कहा। साथ ही राज्यसभा में पार्टी के दस सांसद हैं, जिनमें से छह या सात सांसदों ने खुद ही इस याचिका पर साइन नहीं किया। अब इसमें मेरी क्या गलती है।

हिंसा करने वाले नक्सलियों के दिन लद गए : अमित शाह

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में देश को वामपंथी उग्रवाद से मुक्त करने के प्रयासों पर चल रही चर्चा के दौरान सरकार का पक्ष रखा।

लोकसभा में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई पर बोलते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज मैं इस मंच से देश की जनता को बताने आया हूं कि माओवादी हिंसा करने वालों और नक्सली हिंसा करने वालों के अब दिन लद गए हैं। उन्होंने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की पीड़ा का उदाहरण देते हुए बताया कि नक्सलवाद ने बच्चों और परिवारों का जीवन बुरी तरह प्रभावित किया है। इस दौरान अमित शाह ने नक्सली हिंसा में प्रभावित हुए एक लड़की के बारे में बताते हुए कहा,

जब बच्ची को नेल पॉलिश दी जाती है, तो वह लगाते-लगाते रो उठती है। जब उससे सवाल पूछा गया कि वह क्यों रो रही है तो, उसने बताया कि 7 साल की उम्र में उसे नक्सली उठा ले गए थे। तब से मैं पैंट-शर्ट में घूम रही हूं, मैंने जीवन को कभी देखा नहीं है। शाह ने कहा, बस्तर में साप्ताहिक बाजार लगते हैं, कुछ लोग वहां पर बच्चों के सामने मां-बाप को पीटने लगते हैं। उन्होंने कहा, 25-30 साल तक बच्चे जंगल में भटकते रहे। विपक्ष से अमित शाह ने कहा, आप लोगों से निवेदन है कि नक्सलवाद के कैंप में जाकर देखिए, वहां आपको पता चल रहा जाएगा कि नक्सलवादियों ने क्या किया है। लोक सभा में नियम 193 के तहत वामपंथी उग्रवाद के खात्मे से जुड़ी चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि 1947 से पहले इस देश के ट्राइबल्स बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, रानी दुर्गावती, और मुर्मु बंधुओं को अपना आदर्श मानते थे। वहीं, आदिवासी 1970 आते-आते माओ को अपना हीरो मानने लगे। ये परिवर्तन क्यों हुआ? उन्होंने कहा कि ये परिवर्तन विकास की कमी या अन्याय के कारण नहीं हुआ। कठिन भूगोल और स्टेट की अनुपस्थिति के कारण अपनी विचारधारा को फैलाने के लिए वामपंथियों ने इसी क्षेत्र को चुना, भोले-भाले आदिवासियों को बरगलाया।

सुप्रीम कोर्ट ने एक साथ कर दिया 61 मुकदमों का निपटारा

> 32 साल बाद पति-पत्नी को मिला तलाक

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। देश की सर्वोच्च अदालत ने एक ऐसे तलाक की मंजूरी दे दी जो कि 32 साल पुराना केस था। इस मामले में कुल 61 जगहों पर मामले दर्ज किए गए थे। 1994 से चल रहे तलाक के मुकदमे की जस्टिस बीवी नागरत्ना और उज्ज्वल भुयान की बेंच ने सुनवाई की। इस मामले में संविधान के अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल करते हुए लंबे समय से अलग रह रहे पति-पत्नी के तलाक को मंजूरी दे दी। यह केस अवमानना के रूप में सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। हालांकि, इसी साल जनवरी-फरवरी में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद इसे जल्द निपटारा करने का भरोसा दे दिया था। यह मामला अवमानना कार्यवाही के रूप में सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा था, लेकिन इस वर्ष जनवरी और फरवरी में हुई सुनवाई के दौरान, न्यायालय ने समाधान की संभावना तलाशने के लिए दोनों पक्षों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की।

चीन की ओर नहीं मुड़ा ईरान से आ रहा कोई जहाज

> सरकार ने खबरों को बताया बेबुनियाद, सप्लाई पूरी तरह सुरक्षित

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ईरानी कच्चे तेल की खेप को लेकर फैल रही खबरों और सोशल मीडिया पोस्ट्स को सिरे से खारिज किया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह दावा तथ्यात्मक रूप से गलत है कि भुगतान संबंधी दिक्कतों के कारण गुजरात के वडीनार से ईरान का कच्चा तेल चीन की ओर मोड़ा गया।

भारत की कच्चे तेल की आवश्यकता पूरी तरह सुरक्षित है

मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि पश्चिम एशिया में सप्लाई से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद भारतीय रिफाइनरियों ने अपनी कच्चे तेल की जरूरतों को सुरक्षित कर लिया है, जिसमें ईरान से आयात भी शामिल है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि ईरानी कच्चे तेल के भुगतान को लेकर किसी तरह की कोई बाधा नहीं है, जैसा कि कुछ अफवाहों में दावा किया जा रहा है। सरकार ने दोहराया कि आने वाले महीनों के लिए भारत की कच्चे तेल की आवश्यकताएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और सप्लाई को लेकर कोई चिंता की बात नहीं है।

क्या था मामला :

दरअसल, तेल बाजार पर नजर रखने वाली एजेंसी केप्लर ने दावा किया था कि ईरान से लगभग 6 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर भारत आ रहा एक जहाज अचानक अपना मार्ग बदलकर चीन की दिशा में बढ़ गया। यह जहाज, जिसका नाम 'पिंग शुन' है, गुरुवार रात तक अरब सागर में भारत के रास्ते पर था और इसके गुजरात के वाडिनार बंदरगाह पहुंचने की संभावना जताई जा रही थी। केप्लर में रिफाइनरी और ऑयल मार्केट मॉडलिंग के मैनेजर सुमित रितोलिया ने बताया था कि यह जहाज पिछले तीन दिनों से वाडिनार की ओर बढ़ रहा था, लेकिन मंजिल के करीब पहुंचने से ठीक पहले इसने अपनी दिशा बदल दी। उन्होंने कहा था कि जहाज ने अब अपने घोषित गंतव्य भारत से बदलकर चीन की ओर संकेत देना शुरू कर दिया है, जिससे इस अचानक बदलाव को लेकर सवाल खड़े हो गए थे।

गुनहगारों को छोड़ बेकसूरों को निशाना बना रही एनआईए : ममता बनर्जी

कोलकाता, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मालदा जिले के मोथाबाड़ी में हुई हिंसा को लेकर केंद्र सरकार और एनआईए पर निशाना साधा है। बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि मोथाबाड़ी में न्यायिक अधिकारियों का घेराव करने वाले असली गुनहगार तो भाग निकले हैं, लेकिन एनआईए अब बेकसूर स्थानीय लोगों को पकड़कर उन्हें परेशान कर रही है। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने कहा कि दो सांप्रदायिक पार्टियों ने न्यायिक अधिकारियों का घेराव किया और वहां से फरार हो गईं। अब एनआईए जांच के नाम पर हमारे स्थानीय युवाओं को प्रताड़ित कर रही है। इस एजेंसी ने जांच के बहाने करीब 50 मासूम लोगों को उठा लिया है। दावा किया जा रहा है कि ममता बनर्जी का इशारा कथित तौर पर आईएसएफ और एआईएमआईएम की तरफ था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनावी रैली में मौजूद भीड़ से यह भी पूछा कि कितने लोगों के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं?

विधानसभा चुनाव के बीच सीआरपीएफ जवानों की छुट्टियां रद्द

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ' में जवानों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। बल मुख्यालय से जारी आदेश में कहा गया है कि यह निर्णय इसलिए लिया गया है ताकि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में निर्धारित संख्या में केंद्रीय बलों की तैनाती की जा सके। छुट्टी पर गए जवानों से कहा गया है कि वे फौरन अपनी ड्यूटी पर वापस लौटें।

उन्हें अपनी बटालियन या पूर्व तैनाती वाली जगह पर नहीं, बल्कि सीधे वहां रिपोर्ट करना है, जहां उनकी कंपनी को चुनाव में भेजा गया है। इस पहले चुनावी ड्यूटी के कारण, 'समर चेन ट्रांसफर' पर भी रोक लगाई गई थी। सीआरपीएफ महानिदेशालय द्वारा दो अप्रैल को जारी आदेशों में कहा गया है कि छुट्टी से वापस लौटने का आदेश (कोबरा को छोड़कर) बल के सभी सेक्टरों के लिए जारी हुआ है। सभी जोन और फोरमेशन (महानिदेशालय को छोड़कर) भी उक्त आदेश के दायरे में आएंगे।

भारत वैश्विक संकट के बीच मजबूती से उभरा और इसका डटकर मुकाबला किया : जयशंकर

रायपुर, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेश मंत्री जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत वैश्विक संकट के बीच मजबूती से उभरा और इसका डटकर मुकाबला किया। हमने घरेलू और बाहरी दोनों तरह की चुनौतियों का काफी हद तक सफलतापूर्वक सामना किया। वैश्विक व्यवस्था बदल रही है और देशों की ताकत व प्रभाव में साफ तौर पर बदलाव नजर आ रहा है।

जयशंकर के भाषण की बड़ी बातें...

> विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि संघर्षों का असर दूर-दराज के समाजों पर भी गहराई से पड़ा है, जो वैश्विकरण की व्यापकता को दर्शाता है।

जयशंकर ने कहा, इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि हाल के समय में कई वैश्विक संकटों ने हमारी सहनशीलता की परीक्षा ली है और भारत उनसे मजबूती के साथ उभरा है।

> उन्होंने कहा कि फरवरी में अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमले के बाद पश्चिम एशिया में शुरू हुए संकट ने वैश्विक ईंधन आपूर्ति को प्रभावित किया है और हाइड्रोकार्बन की कमी पैदा की है।

> विदेश मंत्री ने कहा कि मजबूत राष्ट्रीय क्षमताओं का निर्माण अब अनिवार्य हो गया है, जोखिम कम करने और वैश्विक स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने का यह सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यवस्था बदल रही है और देशों की ताकत व प्रभाव में साफ तौर पर बदलाव नजर आ रहा है।

> जयशंकर ने कहा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, सैन्य क्षमता, संपर्क और संसाधनों में हो रहे नए विकास ने बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच जोखिम लेने की प्रवृत्ति को बढ़ाया है। आज हर चीज का इस्तेमाल अपने हित में किया जा रहा है, कई बार उसे हथियार की तरह भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

> उन्होंने कहा कि दुनिया एक ऐसे दौर का सामना कर रही है, जहां माहौल अधिक अस्थिर और अप्रत्याशित होता जा रहा है तथा ऐसे में खुद को सुरक्षित रखना बड़ी चुनौती बन गया है। विदेश मंत्री ने कहा, इस स्थिति ने जोखिम कम करने और विविधीकरण की दिशा में अधिक झुकाव पैदा किया है, चाहे वह व्यापारिक निर्णय हों या विदेश नीति का हिस्सा।

ईरान के बुशहर न्यूक्लियर प्लांट के पास हमला, एक की मौत

* इजराइल ने पेट्रोकेमिकल जोन पर एयरस्ट्राइक की, 3 कंपनियां तबाह

तेल अवीव/तेहरान, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान के बुशहर में शनिवार को न्यूक्लियर पावर प्लांट के पास हमला हुआ है। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। रिपोट्र्स के मुताबिक, प्लांट के पास एक प्रोजेक्टाइल गिरा, जिससे एक सुरक्षा कर्मी की जान चली गई। वहीं इजराइल ने ईरान के दक्षिणी खुजेस्तान प्रांत में महशहर पेट्रोकेमिकल स्पेशल इकोनॉमिक जोन पर हमला किया है। फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, इस इलाके में कई विस्फोट हुए, जिसके बाद घटनास्थल से धुआं उठता हुआ देखा गया।

इजराइल के सुरक्षा सूत्रों ने भी पुष्टि की है कि ये हमले उसकी वायुसेना ने किए हैं। इस हमले में तीन कंपनियों को निशाना बनाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, हमलों में पांच लोग घायल हुए हैं। ट्रम्प ने कहा है कि ईरान में अमेरिकी फाइटर जेट गिराए जाने की घटना से दोनों देशों के बीच बातचीत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ट्रम्प ने कहा, 'हम युद्ध में हैं।'

उन्होंने यह बात अमेरिकी मीडिया से एक फोन इंटरव्यू में कही। ईरान ने अमेरिकी फाइटर जेट के पायलट को पकड़ने पर 10 बिलियन ईरानी तोमान (लगभग 55 लाख रुपए) के इनाम का ऐलान किया है। ईरान के सरकारी मीडिया आईआरआईबी के एक एंकर ने नागरिकों से अपील की है कि वे अमेरिकी पायलट को जिंदा पकड़कर सरकारी अधिकारी या सेना को सौंपे।

ब्लैक मनी एक्ट के तहत दर्ज 167 केस

* एक तिहाई से ज्यादा पनामा पेपर्स से जुड़े

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत सरकार ने 31 दिसंबर 2025 तक 41,257 करोड़ रुपये का टैक्स और जुर्माना वसूली की है। ब्लैक मनी (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) तथा कर अधिरोपण अधिनियम के तहत सरकार ने यह राशि वसूली है। बड़ी बात यह है कि सरकार की इस कार्रवाई में 33 प्रतिशत मामले तो अकेले पनामा पेपर्स की जांच से जुड़े हुए हैं।

पनामा पेपर्स की बात करें तो साल 2016 में 100 से ज्यादा मीडिया संस्थानों ने मिलकर एक विस्तृत जांच की थी। इस जांच का हिस्सा इंडियन एक्सप्रेस भी था। 370 से ज्यादा पत्रकारों ने तब 1.15 करोड़ गोपनीय दस्तावेज खंगाले थे। जांच में पता चला था कि ये सभी दस्तावेज सीधे-सीधे पनामा की लॉ फर्म मोसैक फोन्सेका से जुड़े हुए थे।

लेफ्ट में कुछ भी लेफ्ट नहीं बचा : राहुल गांधी

भाजपा-आरएसएस से सांठगांठ का दावा

तिरुवनंतपुरम, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल विधानसभा चुनाव 2026 से पहले सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। राहुल गांधी ने अलाप्पुझा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) पर तीखा हमला बोला।

लेफ्ट फ्रंट के भीतर दो तरह के नेता होने का आरोप :

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केरल में अब बीजेपी, आरएसएस और लेफ्ट फ्रंट के बीच संबंध बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि लेफ्ट फ्रंट के भीतर दो तरह के नेता हैं, एक वे जो किसी भी कीमत पर सत्ता में आना चाहते हैं और इसके लिए किसी से भी समझौता कर सकते हैं, और दूसरे वे जो विचारधारा में विश्वास रखते हैं लेकिन खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

नेता सत्ता के लिए अपने विचारधारा से कर रहे समझौता :

कांग्रेस नेता ने कहा कि कई कार्यकर्ता, जिन्होंने वर्षों तक विचारधारा के लिए काम किया, आज खुद को आहत और निराश महसूस कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नेता सत्ता के लिए विचारधारा से समझौता कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि केरल के मुख्यमंत्री के संबंध उन ताकतों से हैं, जो देश के अन्य हिस्सों में अल्पसंख्यकों पर हमले कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार में अब लेफ्ट जैसी कोई बात नहीं बची है।

'वोटिंग और उससे एक दिन पहले बिना अनुमति विज्ञापन नहीं छपवा सकेंगे सियासी दल'

तिरुवनंतपुरम, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल विधानसभा चुनाव में मतदान के दिन और उससे एक दिन पहले यानी आठ और नौ अप्रैल को प्रिंट मीडिया में किसी भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार विज्ञापन नहीं छपवाए जा सकेंगे। चुनाव आयोग ने निर्देश दिए हैं कि बिना मीडिया प्रमाणन और निगरानी समिति से अनुमति मिले कोई भी विज्ञापन प्रकाशित नहीं किया जा सकेगा।

चुनाव आयोग के इस फैसले का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया के अंतिम चरणों में भ्रामक, आपत्तिजनक या भड़काऊ विज्ञापनों के प्रभाव को रोकना है। केरल के मुख्य चुनावी अधिकारी रतन यू केलकर ने शुक्रवार देर रात यह निर्देश जारी किए। निर्देश के अनुसार, चुनाव के महत्वपूर्ण पड़ाव पर ऐसे विज्ञापनों के कारण प्रभावित पक्षों और उम्मीदवारों को आवश्यक स्पष्टीकरण देने का अवसर नहीं मिल पाता है।

5 करोड़ छोटे-मोटे अपराध तो अदालत तक पहुंचने ही नहीं चाहिए थे : गोयल

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत की न्यायिक प्रणाली में लगभग 5 करोड़ छोटे अपराधों से संबंधित लंबित मामलों का अंबार लगा हुआ है, जिनमें से अधिकांश मामले अदालतों तक पहुंचने ही नहीं चाहिए थे। संसद द्वारा जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2026 पारित किए जाने के एक दिन बाद उन्होंने यह बात कही। इस विधेयक में लगभग 1,000 छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और उन्हें तर्कसंगत बनाने का प्रावधान है। गोयल ने कहा कि सरकार केंद्र सरकार स्तर पर कानूनों की समीक्षा के लिए और सुझावों का स्वागत करती है।

पीयूष गोयल ने बयान जारी करते हुए कहा कि हमें उम्मीद है कि अभियोजक अदालतों से नए प्रावधानों के आधार पर इन मामलों को बंद करने का अनुरोध करके इन्हें सुलझा सकते हैं, जिससे लंबित मामलों को बड़ी राहत मिल सकेगी। उन्होंने आगे कहा कि हम अदालतों से अनुरोध करेंगे कि वे इन छोटे अपराधों पर निर्णय लें और इन्हें समाप्त करें। संसद ने गुरुवार को इस विधेयक को पारित कर 79 केंद्रीय कानूनों के 784 प्रावधानों में संशोधन किया, जिसमें लगभग 1,000 छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और उन्हें तर्कसंगत बनाने का प्रावधान है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय चाहता है कि जन विश्वास संशोधन विधेयक के मद्देनजर सभी विभाग छोटे-मोटे अपराधों से जुड़े अदालती मामलों को वापस लेने पर विचार करें, क्योंकि इससे न्यायपालिका पर बोझ काफी कम होगा और जीवनयापन आसान होगा।

देसी शराब पीने के बाद तीन लोगों की मौत

मेरठ, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। मेरठ में तीन लोगों की मौत से हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक, तीनों ने देसी शराब पी थी। शराब पीने के बाद हालत बिगड़ने पर इन्हें मेरठ के एक अस्पताल में भर्ती किया गया। इलाज के दौरान तीनों ने दम तोड़ दिया। मृतक दौराला थाना क्षेत्र स्थित एक ही गांव के रहने वाले थे। मामला सामने आते ही पुलिस एक्शन मोड में आ गई है। एसएसपी ने थाना प्रभारी को मामले की जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मृतकों ने शराब कहां से खरीदी और कौन बेच रहा था।

इसकी जांच हो रही है। मेरठ के एसएसपी अविनाश पांडे ने बताया कि प्रथम दृष्टया मौत के कारणों की जांच की जा रही है। हालांकि, मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। जिस शराब के पीने से मौत बताई जा रही है, पुलिस और आबकारी विभाग की पूछताछ में पाया गया है कि टैटरापैक शराब की कई पेटियां बिकी है, लेकिन कहीं और से अनहोनी की खबर नहीं है। पोस्टमार्टम में बिसरा सुरक्षित रखा जायेगा। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद क्लियर होगा।

काशी में सीएम योगी

बाबा विश्वनाथ और बाबा कालभैरव के किए दर्शन

काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

वाराणसी, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार की सुबह काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन किए। इसके बाद बाबा कालभैरव मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। दर्शन पूजन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश भर में काशी से स्कूल चलो अभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने पांच निपुण बच्चों को बैग और किताबें देकर सम्मानित किया। कंपोजिट विद्यालय शिवपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बच्चों संग काफी खुश नजर आए।

उन्होंने खुद बच्चों के कंधे पर स्कूल बैग पहनाया और किताबें दी। उनसे हालचाल पूछा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 से पहले सरकार के एजेंडे में शिक्षा नहीं थी। गरीब बच्चों के बारे में किसी को कोई चिंता नहीं थी। उनके लोग नकल कराते थे। आज ऐसा नहीं है। आज परिवेश और पद्धति दोनों में बदलाव आया है। अब बच्चों को पारंपरिक के साथ तकनीकी शिक्षा भी दी जा रही है, जिससे उन्हें रोजगार भी मिले। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर में बच्चों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी देखी और उनसे प्रोजेक्ट के बारे में पूछा। मुख्यमंत्री 9.15 बजे सुबह कार्यक्रम स्थल पहुंचे और 10.50 बजे स्थल से रवाना हुए। इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी। कार्यक्रम स्थल पर पुलिस द्वारा प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों, शिक्षकों और मीडियाकर्मियों को भी प्रवेश नहीं दिया गया। स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने कहा कि शिक्षा सिर्फ डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं है, मनुष्य को मनुष्य बनाने का सशक्त माध्यम है। इस माध्यम को सफल बनाने की जिम्मेदारी शिक्षकों पर है, वे यदि परिश्रम करें अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन करें तो सफलता निश्चित मिलेगा। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश में सभी शिक्षकों ने मेहनत किया और ऑपरेशन कायाकल्प को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। हर घर से सभी बच्चों को स्कूल तक पहुंचाने का काम किया।

'बुर्के से नहीं मुस्लिम महिलाओं से खौफ'

नवनीत राणा के बयान पर बोले मौलाना शहाबुद्दीन रजवी

अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी

लखनऊ, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी नेता और पूर्व सांसद नवनीत राणा ने हुमायूं कबीर पर निशाना साधते हुए मुस्लिम महिलाओं को लेकर जो टिप्पणी की उस पर सियासत गर्मा गई है। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने उनके बयान पर पलटवार किया और कहा कि नवनीत राणा को बुर्के से नहीं मुस्लिम महिलाओं से परेशानी है। वो खुद एक महिला हैं और उन्हें किसी भी संप्रदाय की महिला के खिलाफ ऐसा नहीं बोलना चाहिए।

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा हुमायूं कबीर के बयान पर बीजेपी की पूर्व सांसद नवनीत राणा जो कह रही है कि बुर्के वाली ना मुख्यमंत्री बन सकती और ना मेयर बन सकती है, दरअसल उनको डर और खौफ मुस्लिम महिलाओं से है। चूंकि मुस्लिम महिलाएं बंगाल में टैक्टिस के अपनाते हुए वोट करती हैं, तो नवनीत राणा को डर उन बुर्कापोश महिलाओं से है। मौलाना ने कहा कि नवनीत राणा ख़ुद एक महिला हैं और उन्हें किसी भी संप्रदाय की महिला हो उनके बारे में ऐसा नहीं बोलना चाहिए, उनको इतिहास देखना चाहिए, ना जाने कितनी ऐसी महिलाएं आज भी हैं जो मेयर हैं।। उदाहरण के तौर पर मालेगांव की मैं बात करूं, वो उनके ही राज्य में ये शहर आता है, वो जाकर देख लें। और इसके अलावा खुद असम में फातिमा नाम की महिला वहां की मुख्यमंत्री बन चुकी हैं। इसके और भी बहुत सारी मिसालें दी जा सकती हैं जो मुस्लिम महिला, एमपी भी रही, मुख्यमंत्री भी रहीं और आज भी बड़े-बड़े पदों पर वो बैठी हुई हैं।

रेड लाइट एरिया में पुलिस का छापा

अररिया, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। फारबिसगंज रेड लाइट एरिया में पुलिस ने गहन छापेमारी अभियान चलाते हुए तीन दर्जन से अधिक युवक एवं युवतियों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई एसपी जितेंद्र कुमार के निर्देश पर गठित विशेष टीम के द्वारा की गई। इस दौरान पूरे रेड लाइट एरिया में हड़कंप मचा रहा। छापामारी के दौरान बाल मित्र संस्था पटना की बबीता कुमारी भी पुलिस के सहयोग के लिए मौजूद थी। छापेमारी दल में यातायात डीएसपी फखरे आलम, साइबर डीएसपी रजिया सुल्ताना, फारबिसगंज के अपर थानाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी व जवान शामिल थे। पुलिस ने पहले पूरे क्षेत्र की घेराबंदी की और उसके बाद महिला व पुरुष सिपाहियों के साथ घर-घर जाकर तलाशी अभियान चलाया। जहां तीन दर्जन से अधिक महिला एवं पुरुषों को हिरासत में लिया गया।

अखिलेश यादव ने दी 'पीडीए' फॉर्मूले को धार

युवाओं का आह्वान कर दिया बड़ा संदेश, सियासी हलचल बढ़ी

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव

लखनऊ, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को अभी से धार देना शुरू कर दिया है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि पीडीए के उत्थान के लिए हमें ख़ुद आगे आना होगा और अपना वक्त बदलना होगा। अखिलेश यादव ने 'पीडीए को जिताएंगे, संविधान को बचाएंगे' का नारा दिया।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लंबी पोस्ट लिखी और पीडीए को लेकर अहम संदेश दिया। उन्होंने लिखा- 'प्रिय पीडीए युवक-युवतियों।हर 'पीडीए' को जोड़े है, पीड़ा की एक डोर।। चलो चलें 'अनुशासन से शासन' की ओर! पीडीए के संकल्पबद्ध युवाओं को हर बूथ को मजबूत करने का जो निर्देश दिया गया है, उसको लेकर उनका अभूतपूर्व उत्साह दिखाई दिया। इस बार बड़े-बुज़ुर्गों का आशीर्वाद और युवाओं का प्रयास मिलकर अपनी 'पीडीए सरकार बनाने' और 'संविधान बचाने' के लिए कटिबद्ध-प्रतिबद्ध है। सच तो यही है कि जब पीडीए सरकार बनेगी, तभी संविधान बचेगा, जब संविधान बचेगा तभी अधिकार और आरक्षण बचेगा, तभी युवाओं को भेदभाव के बिना काम-कारोबार-रोज़गार के बराबर मौके मिलेंगे, नौकरी मिलेगी। वो अपने घर-परिवार के सपने पूरे कर पाएंगे और सम्मान से जीवन जी पाएंगे। इसीलिए आज से पीडीए के युवाओं का यही नया नारा है- पीडीए को जिताएंगे, संविधान को बचाएंगे!

'सामाजिक न्याय का राज' लाने के महा-लक्ष्य की असीम ऊर्जा से भरे उप्र के युवा इस बार भाजपा का कोई भी चुनावी घपला, चालबाज़ी, जालसाज़ी और घोटाला नहीं चलने देंगे। पीडीए प्रभारी हर भाजपाई और उनके संगी-साथियों पर पैनी नज़र रखेंगे और बाहर के राज्यों से आए नक़ली वोट डालनेवाले 'चुनावी घुसपैठियों' को खदेड़कर, पकड़कर, वीडियो के सबूत सहित पुलिस के हवाले करेंगे और उन्हें क़ानून से सज़ा दिलाकर ही मानेंगे। भाजपा को 2027 में देश के सबसे कठिन चुनाव का सामना करना होगा। जहाँ सतर्क, सचेत, सावधान पीडीए युवा चौकन्ने रहकर हर एक वोट पर सख़्त निगाह रखेंगे।

याद रहे भाजपाई और उनके संगी-साथी आप सब युवाओं को उकसाएंगे, प्रतिक्रिया और प्रतिरोध करने के बाध्य करेंगे लेकिन आपको उनके झाँसे में नहीं आना है, अपना आपा, संतुलन और आत्म-नियंत्रण नहीं खोना है। हमें सोच-समझकर, सधकर, शांत होकर चलना है और अपनी युवा ऊर्जा, शक्ति और जोश को सकारात्मक रूप से हर पीड़ित से मिलकर बने 'पीडीए समाज' को हमेशा के लिए पीड़ा, दुख और अपमान से मुक्ति दिलाने के लिए लगा देना है।

रूसी सेना में तैनात रामपुर के युवक की मौत

मृतक शावेद

रामपुर, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के एक युवक शावेद की रूस में दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक रूस की सेना में तैनात था और युद्ध के दौरान उसे गोली लग गई, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों में भी इस खबर से शोक की लहर दौड़ गई है।बता दें कि शावेद का शव सुबह दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचेगा। जिसे लेने के लिए परिजन दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, युवक का पार्थिव शरीर शनिवार को करीब सवा तीन बजे परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा। इसके बाद उसके शव को रामपुर लाया जाएगा। जिसके बाद पेतृक गांव स्वार के मसवासी क्षेत्र के मझरा फतेहगंज में पहुंचेगा। प्रशासनिक स्तर पर भी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं ताकि अंतिम संस्कार सम्मानपूर्वक किया जा सके। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

मृतक रामपुर के स्वार इलाके का रहने वाला था। इस घटना से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। बता दें कि शावेद की उम्र 22 साल है। आज से 9 महीने पहले शावेद स्टील फर्नीचर का काम बताकर नौकरी करने के लिए रूस निकल गया था। परिजनों के मुताबिक करीब दो महीने उसने फर्नीचर का काम किया, लेकिन उसके बाद वह रूसी सेना में भर्ती हो गया।

अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़

मुजफ्फरनगर, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की मुजफ्फरनगर पुलिस ने अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने ईख के खेत में चल रही अवैध हथियार फैक्ट्री पर छापा मारकर भारी मात्रा में हथियार और उपकरण बरामद किए हैं, साथ ही एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, यह मामला बुढाना कोतवाली क्षेत्र का है, जहां पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मंदवाड़ा मार्ग के पास एक ईख के खेत में अवैध हथियार बनाने का काम चल रहा है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान साबिर नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया, जो मौके पर ही हथियार बनाता हुआ पकड़ा गया।

पुलिस ने 6 बंदूक, 3 पौनिया, 3 तमंचे, कई अधबने हथियार, हथियार बनाने के उपकरण और कारतूस बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ है कि आरोपी लंबे समय से अवैध हथियार बनाने के कारोबार में लिप्त है और अब तक 5 बार इसी मामले में जेल जा चुका है। बताया जा रहा है कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर प्रधानी चुनाव के लिए हथियारों की खेप तैयार कर रहा था। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि यह एक अंतरराज्यीय गैंग है, जो दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में हथियार सप्लाई करता था।

यह गिरोह हथियारों को उनकी क्वालिटी के हिसाब से 5 हजार से 50 हजार रुपये तक में बेचता था। पुलिस के अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी लंबा है और वह कई बार पहले भी अवैध हथियार फैक्ट्री चलाते हुए पकड़ा जा चुका है। गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

एसएसपी मुजफ्फरनगर संजय कुमार वर्मा के मुताबिक, साबिर नाम का बदमाश जोकि सरधना मेरठ का रहने वाला है। वह गन्ने के खेत में अस्थाई रूप से निवास बना कर। उसमें हथियार बनाने का काम करता है। आरोपी हथियार को मनचाहे दामों पर बेचता था। पुलिस के मुताबिक, आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

एम्स को लेकर छिड़ा सियासी संग्राम

रामपुर सांसद के दावे को रुचि वीरा ने बताया 'ओछी राजनीति'

सांसद रुचि वीरा और सांसद मौलाना नदवी

मुरादाबाद, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की सियासत में उस समय एक नया विवाद खड़ा हो गया, जब मुरादाबाद की समाजवादी पार्टी सांसद कुंवरानी रुचि वीरा ने रामपुर सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी के उस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें रामपुर सांसद मौलाना मोहिब उला नदवी ने एम्स की स्थापना को लेकर रुचि वीरा की सहमति होने की बात कही थी। हाल ही में संसद सत्र के दौरान रामपुर सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने मांग रखी थी कि रामपुर में एम्स की स्थापना की जाए। इस दौरान रामपुर सांसद ने सदन में यह दावा भी किया कि इस प्रस्ताव पर मुरादाबाद सांसद रुचि वीरा और संभल सांसद जियाउर्रहमान वर्क की पूर्ण सहमति है। जैसे ही यह खबर स्थानीय समाचार पत्रों और सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक हुई तो मुरादाबाद सांसद ने तत्काल प्रभाव से एक आधिकारिक पत्र जारी कर इस दावे की धज्जियां उड़ा दी हैं।

रुचि वीरा ने दो टूक शब्दों में कहा कि न तो उनसे इस विषय पर कोई चर्चा की गई और न ही उन्होंने ऐसी किसी बात पर अपनी सहमति दी है। मुरादाबाद सांसद ने रामपुर सांसद के इस कृत्य को न केवल भ्रामक बताया, बल्कि इसे 'ओछी राजनीति' का हिस्सा करार देते हुए स्पष्ट किया कि वह अपनी लोकसभा क्षेत्र की जनता के हितों के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेंगी, इस स्पष्टीकरण ने इंडिया गठबंधन के भीतर स्थानीय विकास प्राथमिकताओं को लेकर चल रही खींचतान को भी उजागर कर दिया है, जिससे क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी काफी बढ़ गई है।

रुचि वीरा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स में कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रामपुर सांसद द्वारा उनकी सहमति का जिक्र करना पूरी तरह से गलत और निराधार है। रुचि वीरा ने स्पष्ट किया कि उन्हें इस संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं दी गई थी। सांसद ने इसे जनता को गुमराह करने वाला बयान बताते हुए कहा कि बिना मशविरे के उनके नाम का उपयोग करना मर्यादा के खिलाफ है।

रुचि वीरा ने इस दावे का पूर्ण रूप से खंडन करते हुए इसे भ्रामक करार दिया और कहा कि सार्वजनिक मंचों पर इस तरह के असत्य तथ्यों को पेश करना विकास की राजनीति को कमजोर करता है। सांसद रुचि वीरा ने अपनी प्राथमिकता स्पष्ट करते हुए कहा कि वह मुरादाबाद लोकसभा क्षेत्र में ही एम्स स्थापित कराने के लिए संसद में पहले भी आवाज उठा चुकी हैं और इसके लिए निरंतर गंभीर प्रयास कर रही हैं। रुचि वीरा का तर्क है कि मुरादाबाद एक बड़ा केंद्र है और यहां बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की सख्त जरूरत है।

यूपी का 'शातिर' अफसर

4.50 करोड़ की संपत्ति कुर्क करने पहुंची पुलिस के उड़े होश

शाहजहांपुर, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। 2.52 करोड़ रुपये के वृद्धावस्था पेंशन घोटाले में बर्खास्त समाज कल्याण अधिकारी राजेश कुमार शातिर निकला। कुर्की के आदेश से पहले ही उसने सीतापुर में अपनी अचल संपत्ति बेच दी। लखनऊ में जो भवन कुर्क होने थे उनकी पुलिस जानकारी नहीं जुटा सकी है। वाहनों की कुर्की के लिए परिवहन विभाग के अधिकारी पत्र लिखने तक सीमित रहे। समाज कल्याण विभाग में वर्ष 2022 में वृद्धावस्था पेंशन घोटाला हुआ था। उस समय यहां तैनात रहे मऊ निवासी समाज कल्याण अधिकारी राजेश कुमार ने गिरोह बनाकर आपरेटरों की मदद से लाभार्थियों के खाते बदल दिए थे। इसके बाद इन खातों में पेंशन का रुपया ट्रांसफर करके हड़प लिया था। राजेश सहित नौ आरोपितों को जेल भेजा गया था।

इसके बाद वह हाईकोर्ट से जमानत पर बाहर तो आ गया, लेकिन शासन की जांच में दोषी पाए जाने पर नवंबर 2025 में उसे बर्खास्त कर दिया गया था। राजेश पर गैंगस्टर लगाने के साथ ही फरवरी में जिला मजिस्ट्रेट धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने उसकी सीतापुर व लखनऊ में 4.50 करोड़ की चल और अचल संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश दिया था। प्रक्रिया के लिए दोनों जिलों के जिला मजिस्ट्रेट को पत्र भी लिखा था। रामचंद्र मिशन पुलिस ने आदेश की प्रति तो दोनों जनपदों में भिजवा दी, लेकिन उसके बाद ध्यान नहीं दिया। मुख्य आरोपित के हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की चर्चाएं तेज हुईं तो सीतापुर व लखनऊ में टीमें भेजी गईं। इसमें पता चला कि राजेश ने सीतापुर के अटरिया में 31 लाख 40 हजार व 20 लाख 18 हजार मूल्य के दो खेत गत वर्ष नवंबर में ही बेच दिए थे। उसने यह बिक्री कुर्की के आदेश से पहले की थी, इसलिए संबंधित खरीदार पर भी कोई कार्रवाई होना मुश्किल है।

भ्रष्ट एसडीपीओ की नौकरानी भी निकली करोड़पति

संपत्ति और लग्जरी लाइफस्टाइल देख अधिकारियों के भी उड़े होश

नौकरानी भी निकली करोड़पति

पटना, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। निगरानी, ईओयू लगातार भ्रष्ट अधिकारियों पर शिकंजा कस रही है। इसी बीच आर्थिक अपराध इकाई ने किशनगंज में तैनात रहे एसडीपीओ गौतम कुमार के आवास पर भी छापेमारी की थी। हाल ही में हुई रेड में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए। एक के बाद एक एसडीओ के काली कमाई सामने आ रही है। इसी बीच अब सामने आया है कि एसडीओ की नौकरी भी करोड़पति है।

नौकरी की संपत्ति और लग्जरी लाइफस्टाइल देख अधिकारी भी हैरान रह गए। ज्ञात हो कि, किशनगंज में तैनात रहे एसडीपीओ गौतम कुमार पर आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की कार्रवाई के बाद 80 करोड़ से अधिक की बेनामी संपत्ति का खुलासा हुआ था, वहीं अब इस मामले में उनकी नौकरानी पारो की संपत्ति और लग्जरी जीवनशैली ने जांच को और गहरा कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, पारो किशनगंज के धरमगंज स्थित किला बागान की रहने वाली है। उसने पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में करीब एक करोड़ रुपये की लागत से मकान बनवाया है।

इसके अलावा उसे एसडीपीओ द्वारा बुलेट बाइक भी गिफ्ट में दी गई थी, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और तस्वीरों में पारो के पास बड़ी मात्रा में नकदी और महंगे सामान भी दिखाई दे रहे हैं। एक वीडियो में उसके हाथ में करीब डेढ़ लाख रुपये कैश नजर आ रहा है।

जांच में यह भी सामने आया है कि पारो को लाने-ले जाने के लिए करीब 35 लाख रुपये कीमत की लग्जरी कार का इस्तेमाल किया जाता था। कई बार सरकारी या निजी वाहन विशेष रूप से उसके लिए भेजे जाते थे।

स्थानीय लोगों के अनुसार, उसके पास करीब 6 लाख रुपये का सोने का हार भी था। इन खुलासों के बाद पारो अपने पूरे परिवार के साथ फरार हो गई है। इस घटना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और स्थानीय लोग भी हैरान हैं।

ईओयू की जांच में गौतम कुमार पर 32 साल की नौकरी के दौरान करीब 80 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। पूर्णिया में उनका 2.5 करोड़ रुपये का आलीशान बंगला और 1 करोड़ रुपये से अधिक की फर्निशिंग सामने आई है।

हैवान पिता! 9 महीने के बेटे को कुल्हाड़ी से काटकर मार डाला, देखकर बेसुध हुई मां

सुलतानपुर, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी के सुलतानपुर जिले से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां पर एक कलयुगी पिता हैवान बन गया। उसने अपने ही मासूम बेटे को मौत के घाट उतार दिया। बता दें कि कुड़वार थाना क्षेत्र के मडहा गांव में कथित तौर पर एक विक्षिप्त व्यक्ति ने अपने नौ माह के बेटे की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी। इस हत्या के बाद मां का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस के अनुसार मडहा गांव निवासी शंभूदयाल कोरी का अपनी पत्नी रंजू से विवाद हो गया और विवाद बढ़ने पर उसने पत्नी के साथ मारपीट की।

इसी दौरान उसने अपने नौ माह के बेटे शिवांश पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही कुड़वार थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधीक्षक और अपर पुलिस अधीक्षक ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। कुड़वार थानाध्यक्ष तरुण पटेल ने बताया कि पुलिस बल के साथ मौके का जायजा लिया गया और साक्ष्य जुटाए।

मंत्री जी के नाम के आगे 'माननीय' नहीं लिखा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस को फटकारा

प्रयागराज, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मथुरा थाने में दर्ज आपराधिक धमकी और धोखाधड़ी के एक मामले में एफआईआर रद्द करने की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान पुलिस की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जाहिर की। कोर्ट ने एफआईआर में एक केंद्रीय मंत्री के नाम के आगे 'माननीय' और 'श्री ' शब्द का प्रयोग न किए जाने पर कड़ी टिप्पणी की। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि भले ही लिखित शिकायत में शिकायतकर्ता द्वारा केंद्रीय मंत्री को गलत तरीके से बताया गया हो, फिर भी एफआईआर दर्ज करते समय पुलिस की जिम्मेदारी थी कि वह प्रोटोकॉल का पालन करती और सम्मानजनक शब्दों का प्रयोग करती, चाहे वह कोष्ठक में ही क्यों न हो। डिवीजन बेंच ने यूपी सरकार के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह) को आदेश दिया है कि वे एफिडेविट के जरिए से यह स्पष्ट करें कि एफआईआर में संबंधित केंद्रीय मंत्री के नाम के आगे आम तौर पर प्रयुक्त 'माननीय' शब्द क्यों नहीं जोड़ा गया और एक स्थान पर केवल नाम का ही जिक्र क्यों किया गया।

कोर्ट ने निर्देश दिया है कि इस आदेश की प्रति रजिस्ट्रार (कम्प्लायंस) द्वारा 48 घंटे के भीतर एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह) और मथुरा के सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस को चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट, मथुरा के माध्यम से भेजी जाए। अब अगली सुनवाई छह अप्रैल को होगी। यह आदेश जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की डिवीजन बेंच ने पारित किया है। इस मामले में याचिकाकर्ता हर्षित शर्मा और दो अन्य ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिट याचिका दाखिल कर अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने और एफआईआर रद्द करने की मांग की है।

मामले के अनुसार, मथुरा के हाईवे थाने में 21 दिसंबर 2025 को याचिकाकर्ताओं के खिलाफ बीएनएस की धारा 351(2) (आपराधिक धमकी) और धारा 316(2) (धोखाधड़ी) के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता खजान सिंह ने एफआईआर दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि याचिकाकर्ता हर्षित शर्मा उसके पास आता-जाता था और धीरे-धीरे भरोसा जीतकर लेनदेन शुरू किया। हर्षित शर्मा ने एक केंद्रीय मंत्री से व्यक्तिगत संबंध होने का दावा करते हुए उनके मंत्रालय में नौकरी लगवाने का झांसा दिया। मामले में की गई एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि इस भरोसे के आधार पर शिकायतकर्ता, उसके मित्रों और सगे संबंधियों से करीब 80 लाख रुपये हड़प लिए गए। शिकायतकर्ता ने कई बार पैसे वापस मांगे, लेकिन रकम नहीं लौटाई गई। एफआईआर के अनुसार, याचिकाकर्ता हर्षित शर्मा ने अपनी फॉर्च्यूनर गाड़ी शिकायतकर्ता को गिरवी रखने के उद्देश्य से दी थी और उसे शिकायतकर्ता के नाम कराने तथा पैसे लौटाने का भरोसा दिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
रविवार, 5 अप्रैल, 2026 5

सु वि चा र
आनंद वहा नहीं है
जहा धन मिले,
आनंद तो वहा है
जहा मन मिले!

वैज्ञानिक फसल योजना के लिए सैटेलाइट मैपिंग को बढ़ावा : मंत्री तुम्मला

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने शनिवार को राज्य में कृषि को आधुनिक बनाने के लिए सैटेलाइट इमेजिंग का उपयोग 'कम्पास' के रूप में करने पर जोर दिया।

मंत्री ने प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना स्टेट एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में बताया कि सैटेलाइट डेटा का इस्तेमाल मांग पूर्वानुमान, आपूर्ति श्रृंखलाओं, फसल बीमा और आपदा प्रबंधन में सुधार लाने के लिए किया जा सकता है। अधिकारियों ने कहा कि खरीफ मौसम की सैटेलाइट आधारित

फसल मैपिंग का यासंगी मौसम के दौरान ग्राउंड सर्वे के साथ सत्यापन किया जा रहा है और अगले वर्ष इसे व्यापक रूप से लागू किया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि सटीक और वास्तविक समय डेटा किसानों को बेहतर निर्णय लेने, अति-उत्पादन रोकने और बाजार मूल्य सुनिश्चित करने में मदद करेगा। उन्होंने कृषि, राजस्व और वनों के विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने के निर्देश दिए ताकि डेटा अंतर को पूरा किया जा सके और तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाकर उत्पादन और पारदर्शिता को सुधारा जा सके। सैटेलाइट डेटा के आधार पर मिट्टी की स्थिति, जल उपलब्धता और फसल स्वास्थ्य का विश्लेषण कर किसानों को व्यापक मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान किया जा सकता है। बैठक में कृषि विभाग के सचिव सुरेंद्र मोहन, वरिष्ठ अधिकारी और कृषि विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बीआरएस ने तेलंगाना सीईओ को बीएलए नियुक्ति के लिए हस्ताक्षर सौंपे

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) की नियुक्ति के लिए अपने अधिकृत निर्वाचन प्रभारियों के नमूना हस्ताक्षर तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंप दिए हैं।

बीआरएस महासचिव सोमा भरत कुमार ने पत्र में कहा कि नामित प्रभारियों को मतदाता सूचियों के आगामी विशेष गहन संशोधन के लिए बीएलए नियुक्त करने का अधिकार दिया गया है। सीईओ से अनुरोध किया गया कि यदि आवश्यक हो, तो यह जानकारी निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के साथ साझा करें, ताकि बीएलए-1 फॉर्म में हस्ताक्षरों के सत्यापन की प्रक्रिया सुचारू हो सके।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केसीआर के कैंप ऑफिस को नुकसान पहुंचाया

कांग्रेस का किसी प्रकार का हमला करने से इंकार

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले गजवेल निर्वाचन क्षेत्र में राजनीतिक तनाव चरम पर पहुंच गया है। शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गजवेल विधायक के कैंप ऑफिस (केसीआर कैंप ऑफिस) में हंगामा किया। डीसीसी अध्यक्ष तुमकुंटा आकांक्षा रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की तस्वीर लेकर कैंप ऑफिस में घुसे और उसे वहां स्थापित किया। इसके बाद उन्होंने कार्यालय के अंदर से "जय कांग्रेस" के नारे लगाए। इस दौरान कुछ व्यक्तियों ने कैंप ऑफिस पर हमला किया और एमएलए कैंप ऑफिस के फर्नीचर तथा खिड़कियों को क्षतिग्रस्त कर दिया। बीआरएस का आरोप है कि इस हमले के पीछे कांग्रेस कार्यकर्ता ही जिम्मेदार थे और उन्होंने हिंसा का सहारा लिया। वहीं, कांग्रेस नेताओं का कहना है कि उन्होंने केवल मुख्यमंत्री की तस्वीर लगाई थी और किसी प्रकार का हमला नहीं किया। घटना के बाद गजवेल में अचानक तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके चलते विधायक के कैंप ऑफिस के आसपास भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वर्तमान में क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

चेन्नूर में हिंसा भड़काने पर सख्त कार्रवाई : मंत्री विवेक

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम और खनन मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी ने चेतावनी दी है कि चेन्नूर विधानसभा क्षेत्र में अगर किसी ने भी हिंसा भड़काने का प्रयास किया, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यह बयान उन्होंने क्यातनपल्ली नगरपालिका के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव के अवसर पर चेन्नूर कैंप ऑफिस में मीडिया से बातचीत के दौरान दिया। मंत्री ने बल्का सुमन के व्यवहार की निंदा करते हुए कहा कि उनका रवैया अब भी नहीं बदला है, इसलिए जनता ने उन्हें पहले भी सबक सिखाया था।

उन्होंने चेताया कि यदि ऐसा व्यवहार जारी रहा, तो जनता फिर से उसी प्रकार प्रतिक्रिया देगी। मंत्री ने याद दिलाया कि जनता ने उन्हें पिछले चुनावों में अनुचित टिप्पणियों के कारण खारिज कर दिया था।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है, और क्यतनपल्ली नगरपालिका के शांतिपूर्ण और सुचारू चुनाव इसका प्रमाण हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत से ही पूर्ण सहयोग दिया, जबकि बीआरएस नेताओं ने राजनीतिक लाभ के लिए पार्टी को बदनाम करने का प्रयास किया और उनके काफिले पर हमला भी किया।

मंत्री ने कहा कि बीआरएस शासन के दौरान सर्वसम्मति चुनाव और मतदान रोकने के लिए धमकियों का इतिहास रहा है। इसके विपरीत, वर्तमान चुनाव लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखते हुए आयोजित किए गए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस धमकियों या दंगा राजनीति में शामिल नहीं होती और न ही इसे समर्थन देती है, क्योंकि ऐसे कृत्य लोकतंत्र को कमजोर करते हैं। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि क्यतनपल्ली नगरपालिका और चेन्नूर क्षेत्र का समग्र विकास किया जाएगा और नए निर्वाचित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को हार्दिक बधाई दी।

ड्राइविंग के दौरान मोबाइल उपयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई

सैफाबाद ट्रैफिक पुलिस ने एम्बेडकर स्क्वायर और नेकलेस रोटरी के पास मोबाइल फोन हुए ड्राइविंग के खिलाफ विशेष अभियान चलाया

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सैफाबाद ट्रैफिक पुलिस ने एम्बेडकर स्टैच्यू और नेकलेस रोटरी के पास मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया।

इस अभियान की निगरानी एसीपी ट्रैफिक खैरताबाद ज़ोन एस. मोहन कुमार ने की। अभियान के दौरान इंस्पेक्टर आर. मधुसूदन और अन्य पुलिस अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अभियान के

परिणामस्वरूप 30 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए, जिन्होंने मोबाइल का उपयोग करते हुए वाहन चलाया था। सभी को खैरताबाद एसीपी मोहन कुमार द्वारा सावधानी और नियमों का पालन करने के लिए परामर्श दिया गया।

डॉ. बाबू जगजीवन राम देश के लिए आदर्श : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व उप-प्रधानमंत्री डॉ. बाबू जगजीवन राम की 119वीं जयंती पर उन्हें याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबूजी ने दलितों के अधिकारों के लिए जीवनभर संघर्ष किया। गरीबी में जन्म लेने के बावजूद उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति उन्हें उच्च पदों तक ले गई।

उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया और पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में सेवा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि बाबूजी ने वंचित वर्गों और श्रमिकों के कल्याण के लिए अथक प्रयास किए और जातिगत भेदभाव व सामाजिक अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि बाबूजी के आदर्शों के आधार पर ही तेलंगाना में जनकल्याणकारी शासन चल रहा है और राज्य सरकार सामाजिक न्याय एवं आरक्षण नीतियों पर लगातार काम कर रही है।

चिंतन शिविर में फार्मा निर्यात को बढ़ावा देने का समर्थन

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार ने वाणिज्य विभाग और फार्मेक्सिल द्वारा आयोजित उच्च स्तरीय चिंतन शिविर में फार्मास्यूटिकल क्षेत्र के लिए मजबूत समर्थन की पुनः पुष्टि की। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता राजेश अग्रवाल, सचिव, वाणिज्य विभाग ने की। इस अवसर पर फार्मेक्सिल के अध्यक्ष और फार्मास्यूटिकल्स विभाग के संयुक्त सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। वाणिज्य सचिव ने अपने संबोधन में भारत की फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री की मजबूत विकास गति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत, जिसकी जनसंख्या लगभग 18-19 प्रतिशत है, स्वयं एक बड़ा और बढ़ता हुआ बाजार है, जहां बढ़ती आय स्वास्थ्य सेवाओं की मांग को और बढ़ाएगी। उन्होंने बताया कि इस उद्योग का वर्तमान मूल्य लगभग 60 अरब अमेरिकी डॉलर है, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत योगदान निर्यात से आता है। भारत अपनी पैमाने, लागत प्रतिस्पर्धा और जेनेरिक दवाओं में वैश्विक नेतृत्व के कारण 'दुनिया की फार्मेसी' बन गया है। उन्होंने आत्मनिर्भरता, गुणवत्ता और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं पर जोर दिया। उन्होंने उत्पादन (वॉल्यूम) से मूल्य (वैल्यू) आधारित विकास की ओर बदलाव, नवाचार, बायोलॉजिक्स और बायोसिमिलर्स पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को वैश्विक स्वास्थ्य नवाचार केंद्र बनाने के दृष्टिकोण के अनुरूप था। चर्चाओं में निर्यात विस्तार, नियामक चुनौतियां और एआई-समर्थित दक्षताओं पर विचार किया गया।

पटेनचेरू में पति ने पत्नी की चाकू से हत्या की

संगारेड्डी, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पटेनचेरू स्थित एपीआर लक्सुरिया गेटेड कम्युनिटी में शनिवार को एक व्यक्ति ने चाकू से हमला कर अपनी पत्नी की हत्या कर दी, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी अंबाटी परमेश्वर राव (70) ने अपनी पत्नी लीलावती (60) पर उस समय हमला किया जब परिवार के अन्य सदस्य घर पर नहीं थे। लीलावती की चीखें सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे, जहां वह खून से लथपथ हालत में मिलीं। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। इस घटना से पूरी गेटेड कम्युनिटी में भय और सदमे का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश के साथ आगे की जांच जारी है।

जीएचएमसी ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज की

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महानगरपालिका जीएचएमसी ने शहर में सुचारू ट्रैफिक और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शनिवार को विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने जामबाग, गोशामहल, अत्तापुर और रीकबगंज क्षेत्रों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को अभियान को प्रभावी और व्यवस्थित रूप से चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी अतिक्रमण-मुक्त सड़कों और सभी नागरिकों के लिए बेहतर शहरी गतिशीलता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

बीआरएस नेता हरीश राव ने शिविर कार्यालय पर हमले की निंदा की

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के नेता टी. हरीश राव ने शनिवार को विपक्ष के नेता और गजवेल विधायक के. चंद्रशेखर राव के शिविर कार्यालय पर हुए हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह हमला मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के इशारे पर किया गया और इसे लोकतंत्र के खिलाफ साजिश बताया। हरीश राव ने कहा कि राज्य में दिनदहाड़े इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, जिससे कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचित प्रतिनिधियों, नागरिक संगठनों और मीडिया पर हमले आम हो गए हैं।

उन्होंने पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाली एजेंसियां इन घटनाओं को रोकने में विफल क्यों हो रही हैं। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। हरीश राव ने कहा कि एक ओर सरकार कानून के नाम पर विपक्ष को दबाने की कोशिश कर रही है, वहीं दूसरी ओर हमलों को रोकने में असफल है। उन्होंने सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि मुख्यमंत्री और मंत्री अन्य राज्यों में व्यस्त हैं, तो राज्य का प्रशासन कौन संभाल रहा है। उन्होंने डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी से हमले में शामिल लोगों की पहचान कर उन्हें तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि ऐसे हमलों पर रोक नहीं लगी, तो जनता को लोकतंत्र की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरना पड़ सकता है।

शिविर कार्यालय पर हमले की पूर्व सांसद ने की निंदा

खम्मम, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद नामा नागेश्वर राव ने गजवेल में विधायक के. चंद्रशेखर राव के शिविर कार्यालय पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। शनिवार को जारी बयान में उन्होंने कहा कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के कार्यालयों पर इस तरह के हमले लोकतंत्र पर कलंक हैं और राजनीतिक मतभेदों को हिंसा में बदलना अस्वीकार्य है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकारी संपत्तियां भी सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी। उन्होंने सरकार से

मांग की कि हमले के दोषियों की तुरंत पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। वहीं, कोत्तागुडेम बीआरएस जिला अध्यक्ष रेगा कंथा राव ने भी इस घटना की निंदा करते हुए इसे जघन्य कृत्य बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस हमले के दौरान मूकदर्शक बनी रही और पूर्व मुख्यमंत्री के शिविर कार्यालय को पर्याप्त सुरक्षा नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि पुलिस को अब मामले दर्ज कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह अपने वादों को पूरा करने में असफल रही है और विपक्ष पर हमले करवा रही है।

विवाद के चलते खानपुर नगरपालिका चुनाव फिर स्थगित

निर्मल, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। खानपुर नगरपालिका के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों के चुनाव शनिवार को प्रक्रिया को लेकर हुए विवाद के बाद एक बार फिर स्थगित कर दिए गए। अब चुनाव रविवार को कराए जाएंगे।

बताया गया है कि 12 सदस्यीय नगरपालिका में चुनाव प्रक्रिया के दौरान पदेन सदस्य के रूप में शामिल विधायक वेदमा बोज्जू ने भाजपा उम्मीदवार अंकेम मौनिका से वर्णमाला क्रम के आधार पर समर्थन दिखाने के निर्देश पर आपत्ति जताई। उन्होंने कांग्रेस पार्षद से बहुमत साबित कराने की मांग की, जिससे विवाद बढ़ गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में विधायक को नियमों का उल्लंघन करते हुए अधिकारियों के पोडियम तक जाते देखा गया। हंगामे के बीच अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया स्थगित करनी पड़ी।

भाजपा और बीआरएस पार्षदों ने दावा किया कि उनके पास बहुमत है और अधिकारियों से मौनिका को अध्यक्ष तथा मोहम्मद शोएब को उपाध्यक्ष घोषित करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव स्थगित करने का फैसला सत्ताधारी दल के दबाव में लिया गया। नगरपालिका में भाजपा और बीआरएस के चार-चार पार्षद हैं, जबकि कांग्रेस के तीन और एक निर्दलीय सदस्य है, जिससे गठबंधन की स्थिति बनी हुई है।

उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद राज्य चुनाव आयोग ने चुनाव कराने का आदेश दिया था, लेकिन इससे पहले भी कोरम की कमी और विवाद के कारण प्रक्रिया कई बार टल चुकी है।

क्याथनपल्ली जीत को बीआरएस ने सत्ता वापसी का संकेत बताया

मंचेरियाल, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर के विधायक गंगुला कमलाकर ने कहा कि क्याथनपल्ली नगरपालिका में बीआरएस-सीपीआई गठबंधन की जीत पार्टी की भविष्य में सत्ता में वापसी का संकेत है। शनिवार को चुनाव परिणाम आने के बाद उन्होंने बीआरएस नेताओं के साथ मीडिया से बातचीत में कहा कि गठबंधन की एकजुटता और प्रतिबद्धता ने यह जीत दिलाई है, जो आने वाले चुनावों में पार्टी की सफलता का आधार बनेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सत्ता हासिल करने के लिए अवैध और गैरकानूनी तरीके अपनाने की कोशिश की, लेकिन जनता ने उसे नकार दिया। उन्होंने कहा कि इस जीत का श्रेय जिला अध्यक्ष बल्का सुमन को जाता है।

आसिफाबाद विधायक कोवा लक्ष्मी ने भी कहा कि कांग्रेस ने गठबंधन को रोकने के लिए कई बाधाएं खड़ी कीं, लेकिन अंततः जनता का समर्थन बीआरएस को मिला। बल्का सुमन ने कहा कि इस जीत के जरिए लोकतंत्र की रक्षा की गई है और पार्टी ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद संघर्ष जारी रखा। उन्होंने कहा कि हालिया चुनाव परिणाम कांग्रेस सरकार के खिलाफ बढ़ते असंतोष को दर्शाते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि कांग्रेस बदले की भावना से काम नहीं करेगी और नगरपालिका के विकास के लिए सभी मिलकर कार्य करेंगे। इस अवसर पर कई पार्टी नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

127 लाभार्थियों को सीएमआरएफ के 33.49 लाख रुपये के चेक वितरित

संगारेड्डी, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी के विधायक चिन्ता प्रभाकर ने शनिवार को अपने कैंप कार्यालय में संगारेड्डी, कंडी और कोंडापुर मंडलों के 127 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) के तहत 33.49 लाख रुपये के चेक वितरित किए। इस अवसर पर विधायक ने लाभार्थियों से अपील की कि वे प्राप्त चेक को तुरंत अपने बैंक खातों में जमा करें, ताकि उन्हें समय पर लाभ मिल सके। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से कहा कि वे सीएमआरएफ के लिए आवेदन करने हेतु कभी भी उनके कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं और किसी भी बिचौलिए पर निर्भर न रहें। कार्यक्रम में बीआरएस नेता कसाला बुची रेड्डी, ममिला राजेंद्र समेत अन्य लोग भी मौजूद रहे।

विश्व शांति के लिए 'रन फॉर जीसस' रैली का आयोजन

खम्मम, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम में यूनाइटेड क्रिश्चियन एसोसिएशंस के तत्वावधान में शनिवार को विश्व शांति के लिए 'रन फॉर जीसस' रैली का आयोजन किया गया। यह रैली पैवेलियन ग्राउंड्स से शुरू होकर मयूरी सेंटर, ओल्ड बस स्टैंड रोड, वायरा रोड, जेडपी सेंटर और येल्लंदू क्रॉसरोड्स से होते हुए गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज ग्राउंड्स पर समाप्त हुई। इसमें करीब एक हजार ईसाई श्रद्धालुओं ने भाग लिया। रैली में पूर्व कैथोलिक बिशप डॉ. सगीली प्रकाश ने भाग लेते हुए विश्व में शांति की कामना की और कहा कि वर्तमान वैश्विक

संघर्ष शांति और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता में बाधा बन रहे हैं।

उन्होंने सभी से शांति, सद्भाव, करुणा और परोपकार के मूल्यों को अपनाने की अपील की। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के कार्यालय प्रभारी तुम्बुरी दयाकर रेड्डी ने कहा कि समाज में शांति बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है और इस प्रकार के आयोजन सराहनीय हैं। कार्यक्रम में विभिन्न ईसाई संप्रदायों के धार्मिक नेताओं और प्रतिनिधियों ने भाग लेकर एकता का संदेश दिया।

बासर मंदिर विकास का मास्टर प्लान मुख्यमंत्री को प्रस्तुत

सीएम ने अधिकारियों को दिए महत्वपूर्ण निर्देश

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के प्रसिद्ध बासर मंदिर के विकास से संबंधित मास्टर प्लान को अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित योजना पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि मंदिर का विकास भव्य और उत्कृष्ट ढंग से किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि विकास कार्य करते समय भक्तों की आस्था का पूर्ण सम्मान किया जाए तथा सभी कार्य शास्त्रों के अनुसार ही किए जाएं। उन्होंने भविष्य की आवश्यकताओं और बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए चौड़ी और सुव्यवस्थित सड़कों का निर्माण करने के निर्देश दिए। साथ ही मंदिर परिसर में केवल इलेक्ट्रिक (ईवी) वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। मुख्यमंत्री ने मंदिर की पवित्रता बनाए रखने के लिए नियमों को और सख्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि तिरुमला की तर्ज पर मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए स्पष्ट नियम बनाए जाएं। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस महीने की 6 तारीख को बासर मंदिर विकास कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा। लगभग 225 करोड़ रुपये की लागत से इन विकास कार्यों की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य योजनाबद्ध, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं, ताकि बासर मंदिर को एक प्रमुख आध्यात्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके।

गुरुकुल में फूड पॉइजनिंग मामले का मानवाधिकार आयोग ने लिया स्वतः संज्ञान

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. न्यायमूर्ति शमीम अख्तर के नेतृत्व में तेलंगाना मानवाधिकार आयोग ने ''एल्लरु गुरुकुल में फूड पॉइजनिंग'' संबंधी समाचार का स्वतः संज्ञान लिया है। कुमारम भीम आसिफाबाद जिले के पेंचिकलपेट मंडल के एल्लरु गांव स्थित ट्राइबल आश्रम हाई स्कूल में संग्रहित भोजन का सेवन करने से छह छात्र एवं एक शिक्षक अस्वस्थ हो गए, जिन्हें कागजनगर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। आयोग ने प्रारंभिक रूप से यह माना है कि इस घटना में भोजन की गुणवत्ता और रख-रखाव में लापरवाही की आशंका है। आयोग के अनुसार, यह मामला भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत प्रदत्त जीवन, स्वास्थ्य एवं गरिमा के अधिकार का उल्लंघन हो सकता है। इस संदर्भ में आयोग ने कुमारम भीम आसिफाबाद जिले के जिलाधिकारी से 27 अप्रैल तक विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

छात्रों को उत्कृष्ट संस्थानों के साथ जोड़ने का अवसर : राज्यपाल

तेलंगाना में पहली बार लॉन्च हुआ एटीएल सारथी

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पहले एटीएल सारथी और मेंटर इंडिया अकादमी का शुभारंभ शनिवार को वर्धमान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में किया गया। यह पहल एनआईटीआई आयोग के अटल इनोवेशन मिशन के तहत स्कूल से स्टार्टअप नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इस अवसर पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, वहीं केंद्रीय कोयला और खनिज मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। राज्यपाल ने कहा कि यह पहल स्कूलों में नवाचार की नींव को मजबूत करेगी और छात्रों को उत्कृष्ट संस्थानों के साथ जोड़ने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने कहा, एटीएल सारथी और मेंटर इंडिया अकादमी छात्रों को रचनात्मक सोच, वास्तविक समस्याओं के समाधान और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए सशक्त बनाएगी। ऐसे कार्यक्रम भविष्य की पीढ़ी को आत्मविश्वासी, सक्षम और भविष्य-तैयार बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इस कार्यक्रम के तहत तेलंगाना के 379 अटल टिंकरिंग लैब्स (एटीएल) को क्लस्टर्स में बांटा जाएगा, प्रत्येक क्लस्टर को एक नोडल संस्था द्वारा समर्थन दिया जाएगा। वर्धमान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग को राज्य के लिए नोडल संस्था के रूप में नामित किया गया है, जो तकनीकी मार्गदर्शन, मेंटरशिप, शिक्षक प्रशिक्षण और उद्यमिता व इनक्यूबेशन का समर्थन प्रदान करेगी। राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव एम. दाना किशोर ने कहा कि भारत के नवाचार में वैश्विक नेतृत्व की क्षमता युवा पीढ़ी की प्रतिभा को सही दिशा में प्रेरित करने पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, अटल इनोवेशन मिशन के माध्यम से देशभर के छात्र मेंटरशिप प्राप्त कर सकते हैं, व्यावहारिक कौशल विकसित कर सकते हैं और अपने विचारों को प्रभावशाली समाधान में बदल सकते हैं। यह कार्यक्रम स्कूल शिक्षा से उद्यमिता तक का निरंतरता स्थापित करता है और भारत की विकास कहानी में समावेशी भागीदारी सुनिश्चित करता है। अटल इनोवेशन मिशन के मिशन निदेशक दीपक बागला ने कहा कि यह पहल नवाचार की संस्कृति को प्रारंभिक स्तर पर बढ़ावा देने और निरंतर पोषण देने के लिए बनाई गई है। उनका कहना था, हमारा फोकस हर युवा नवप्रवर्तक को विचार से प्रभाव तक ले जाने में सक्षम बनाना है। स्कूलों, संस्थानों और व्यापक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के बीच मजबूत कड़ियों के माध्यम से हम ऐसे प्रतिभाओं की पाइपलाइन तैयार कर रहे हैं, जो भारत की वृद्धि, प्रतिस्पर्धात्मकता और आत्मनिर्भरता में योगदान देंगी। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को उभरती तकनीकों के प्रति जागरूक करना, संरचित समस्या-समाधान कौशल प्रदान करना और उनके नवाचार को बड़े स्तर पर लागू करने के अवसर देना है। साथ ही यह शिक्षक क्षमता को मजबूत करने और स्कूलों में दीर्घकालिक संस्थागत समर्थन सुनिश्चित करने की दिशा में भी काम करेगा। तेलंगाना में एटीएल सारथी की शुरुआत अटल इनोवेशन मिशन के व्यापक राष्ट्रीय कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसके तहत पूरे देश में 15,000 से अधिक एटीएल स्थापित किए जा चुके हैं। सरकार, शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग के बीच साझेदारी के माध्यम से इस पहल का उद्देश्य क्षेत्रीय नवाचार केंद्रों का निर्माण करना और नवप्रवर्तकों व उद्यमियों की नई पीढ़ी तैयार करना है।

वैश्विक महिला प्रतिनिधिनियों ने टूरिज्म वॉक में भाग लिया

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के पर्यटन विभाग ने शनिवार को यहां चारमीनार से चौमहल्ला पैलेस तक एक खास हेरिटेज वॉक का आयोजन किया, जिसमें पूरे भारत और विदेश से ग्लोबल शेपर्स कम्युनिटी की 60 महिला प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। शिकागो, माले, थिम्पू और कैंडी जैसे अंतरराष्ट्रीय केंद्रों के प्रतिभागियों के साथ-साथ भारत के प्रमुख शहरों की प्रतिनिधियों ने भी इस खास वॉक में हिस्सा लिया। इस वॉक का मकसद हैदराबाद की वास्तुकला और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने लाना था। यह पहल राज्य में हर दूसरे शनिवार और रविवार को होने वाली वीकेंड हेरिटेज वॉक का ही एक हिस्सा है। इसका मकसद शहर के समृद्ध इतिहास के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उसे संरक्षित करना है। प्रतिनिधियों ने इस अनुभव की सराहना की और हैदराबाद की जीवंत विरासत और सांस्कृतिक महत्व को खास तौर पर सराहा। पर्यटन विभाग ने कहा कि इस तरह की पहल हैदराबाद को एक प्रमुख हेरिटेज टूरिज्म डेस्टिनेशन के तौर पर स्थापित करने के लिए बहुत जरूरी हैं।

ट्रांसजेंडरों को सम्मानजनक जीवन के लिए सरकार प्रतिबद्ध : लक्ष्मण कुमार

ट्रांसजेंडर सशक्तिकरण हेतु तीन कौशल विकास कार्यक्रमों का शुभारंभ

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए तेलंगाना सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए तीन महत्वपूर्ण कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्घाटन गाचीबौली स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड होटल मैनेजमेंट में संपन्न हुआ। इन कार्यक्रमों का औपचारिक उद्घाटन अदलुरी लक्ष्मण कुमार, मंत्री, अनुसूचित जाति विकास, जनजातीय कल्याण, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक एवं ट्रांसजेंडर सशक्तिकरण विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में सरकार के गठन के बाद से ही मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रत्येक वर्ग के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय को लंबे समय से सामाजिक एवं आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसे ध्यान में रखते हुए सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उन्हें सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने आगे बताया कि सरकार ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार के अवसरों पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें और समाज में सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकें। इस पहल के अंतर्गत तीन कार ड्राइविंग , होटल मैनेजमेंट, ड्रोन पायलट प्रशिक्षण विशेष कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं। इन तीनों कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 91 ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिसके लिए सरकार द्वारा 17.72 लाख रुपये का विशेष प्रावधान किया गया है। मंत्री ने कहा कि इस प्रकार की पहलों के माध्यम से सरकार का उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को समान अधिकार, रोजगार के अवसर, कौशल विकास एवं आर्थिक स्थिरता प्रदान करना है, ताकि वे आत्मसम्मान एवं गरिमा के साथ जीवन जी सकें। कार्यक्रम में अनीता रामचंद्रन, सचिव, महिला, बाल, दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक विभाग, वी. वेंकटारमणा, निदेशक, एनआईटीएचएम, कैप्टन एस. एन. रेड्डी, सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, तेलंगाना एविएशन अकादमी, बी. शैलजा, आयुक्त, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक एवं ट्रांसजेंडर सशक्तिकरण विभाग प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 80 ट्रांसजेंडरों ने भाग लिया।

दो अलग-अलग झगड़ों में 4 लोग घायल

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार रात दो अलग-अलग जगहों पर हुए झगड़ों में कुल चार लोग घायल हो गए। पहली घटना बोईनपल्ली इलाके की है, जहां बाबूलू और अरमान के नेतृत्व वाले दो गुटों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान लाठियों से हमला किया गया, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भेजा। इस मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। दूसरी घटना फलकनुमा इलाके की है, जहां पैसों के विवाद को लेकर कुछ लोगों ने एक व्यक्ति पर हमला कर दिया। इस हमले में वह व्यक्ति घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रक्षक के रूप में अपने कर्तव्यों को निभाएं चिकित्सक : शुक्ल

'ट्रॉमा और कॉन्फ्लिक्ट मेडिसिन' राष्ट्रीय सम्मेलन में राज्यपाल ने दी अहम सलाह

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने बढ़ते हादसों और आपात स्थितियों के मद्देनजर ट्रॉमा मेडिसिन के महत्व पर जोर दिया। वे ब्लू प्लैनेट ऑडिटोरियम, गच्चीबावली में सोसाइटी ऑफ एक्यूट केयर, ट्रॉमा एंड इमरजेंसी मेडिसिन फाउंडेशन और मेडिकोवर हॉस्पिटल्स के सहयोग से आयोजित 'ट्रॉमा और कॉन्फ्लिक्ट मेडिसिन' राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। राज्यपाल ने कहा कि जीवन संकट के समय डॉक्टरों के त्वरित निर्णय और तकनीकी कौशल ही जीवन बचाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे केवल चिकित्सक न बनकर समाज के रक्षक के रूप में भी अपने कर्तव्यों को निभाएं। उन्होंने कहा, संवेदनशीलता और सेवा भाव स्वास्थ्य प्रणाली की सच्ची ताकत हैं। सम्मेलन में भारत और विदेशों से विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिससे जटिल आपात स्थितियों में चिकित्सकों को प्रशिक्षित करने और नवाचार को बढ़ावा देने का अवसर मिला। उन्होंने मेडिकोवर हॉस्पिटल्स की टीम की सराहना की और भरोसा व्यक्त किया कि यह सम्मेलन चिकित्सा क्षेत्र को नई दिशा और गति देगा।

मूसी परियोजना के खिलाफ बीआरएस छात्र संगठन का अभियान शुरू

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के छात्र संगठन ने शनिवार को मूसी नदी पुनर्जीवन परियोजना के खिलाफ विरोध अभियान शुरू किया। इस अभियान को पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने तेलंगाना भवन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अभियान के तहत बीआरएस के छात्र 14 अप्रैल तक मूसी नदी के किनारे बसे बस्तियों और कॉलोनियों का दौरा करेंगे। करीब 50 टीमें विभिन्न क्षेत्रों में जाकर लोगों से संपर्क करेंगी और उन्हें परियोजना से जुड़े मुद्दों की जानकारी देंगी।

इस दौरान तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि बीआरएस परियोजना के खिलाफ नहीं है, लेकिन यदि इसके नाम पर किसी प्रकार की तोड़फोड़ या लोगों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश हुई तो पार्टी चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना की घोषणा के बाद से नदी किनारे रहने वाले लोग डर और चिंता में जी रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार को जनता का भरोसा जीतना चाहिए और मनमाने तरीके से काम नहीं करना चाहिए। साथ ही उन्होंने बताया कि बीआरएस छात्र संगठन लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ सरकार के कथित शोषणकारी इरादों को उजागर करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक सरकार उनकी मांगें नहीं मानती, तब तक विरोध जारी रहेगा और जरूरत पड़ने पर सभी वर्गों को साथ लेकर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

मूसी परियोजना पर याचिका खारिज नहीं केवल निपटाई गई : कार्तिक रेड्डी

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता पी. कार्तिक रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने मूसी नदी पुनर्जीवन परियोजना पर उनकी याचिका को खारिज नहीं किया, बल्कि केवल उसका निपटारा किया है। उन्होंने बताया कि याचिका में आरोप लगाया गया था कि तेलंगाना सरकार ने आवश्यक पर्यावरण मंजूरी लिए बिना परियोजना पर काम शुरू कर दिया। इस पर राज्य सरकार ने न्यायाधिकरण को सूचित किया कि परियोजना अभी आवेदन चरण में है और सभी जरूरी अनुमतियां मिलने के बाद ही आगे काम किया जाएगा। कार्तिक रेड्डी ने कहा कि इस याचिका के कारण सरकार को न्यायाधिकरण के सामने कई प्रतिबद्धताएं दर्ज करनी पड़ीं, जिनमें से कुछ का खुलासा विधानसभा में नहीं किया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार इन आश्वासनों का पालन नहीं करती है तो वे फिर से न्यायालय का रुख करेंगे।

बीआरएस नेता ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि मूसी परियोजना को जनहित के बजाय राजनीतिक लाभ के लिए आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने इसकी तुलना साबरमती नदी तट परियोजना से करते हुए कहा कि यह पहल राजनीतिक उद्देश्य से की जा रही है और यदि यह जनहित में नहीं रही तो पार्टी इसका विरोध करेगी।

शराब जांच से बचने के लिए बनाया व्हाट्सएप ग्रुप

पुलिस ने ऐसे किया खुलासा

पेद्दापल्ली, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गोदावरीखानी में युवाओं ने शराब पीकर गाड़ी चलाने की जांच से बचने के लिए 'पुलिस ममाला स्क्वाड' नाम से एक व्हाट्सएप ग्रुप बना लिया। इस ग्रुप में सदस्य सड़कों पर चल रही चेकिंग की जानकारी एक-दूसरे से साझा करते थे, ताकि वे उन रास्तों से बच सकें। हालांकि, यह तरीका ज्यादा समय तक नहीं चल सका। एक जांच के दौरान पुलिस ने इस गुप्त व्हाट्सएप ग्रुप का पता लगा लिया और एक सदस्य को पकड़ लिया। ग्रुप में साझा किए जा रहे चेतावनी संदेशों को देखकर पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए। इसके बाद स्थानीय सब-इंस्पेक्टर ने खुद को उस ग्रुप में शामिल कराया और एक सेल्फी वीडियो पोस्ट करते हुए बताया कि उन्होंने सभी सदस्यों के नंबर सेव कर लिए हैं और सभी को काउंसलिंग के लिए बुलाया जाएगा। एसआई का वीडियो देखते ही ग्रुप में हड़कंप मच गया और ग्रुप एडमिन सहित लगभग सभी सदस्यों ने तुरंत ग्रुप छोड़ दिया।

मल्काजगिरी सुरक्षा परिषद द्वारा साइबर सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन

छात्रों को सुरक्षित डिजिटल भविष्य के लिए किया गया जागरूक

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी पुलिस आयुक्तालय ने मलकाजगिरी सुरक्षा परिषद (एमकेएससी) के सहयोग से नाचाराम में एक स्थित एक स्कूल में साइबर सुरक्षा कार्यशाला का सफल आयोजन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एस.जी. शिवा शंकर, एसीपी (साइबर क्राइम्स) रहे। यह कार्यक्रम मल्काजगिरी के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिनके नेतृत्व में सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रमों को निरंतर प्रोत्साहन मिल रहा है। इस अवसर पर एम. सवित्री, एसोसिएट डायरेक्टर, मल्काजगिरी सुरक्षा परिषद तथा के. धनंजय, पुलिस निरीक्षक भी उपस्थित रहे। कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ताओं के रूप में शिवा प्रसाद कराडी (जॉइंट सेक्रेटरी, एमकेएससी), शशिधर मट्टा (एग्जीक्यूटिव प्रोटेक्शन स्पेशलिस्ट एवं ट्रेनर) तथा डॉ. अर्पिता वेलांकी (लीडरशिप एवं बिहेवियर ट्रांसफॉर्मेशन विशेषज्ञ) ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस इंटरैक्टिव सत्र में 2000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिससे यह एक अत्यंत प्रभावशाली जागरूकता कार्यक्रम बन गया। कार्यक्रम के दौरान साइबर सुरक्षा के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिनमें साइबर बुलिंग एवं उससे संबंधित कानूनी प्रावधान (प्लेजरिज्म, अनुचित मैसेजिंग, मानहानि), डिजिटल फुटप्रिंट की सुरक्षा, साइबर खतरों की पहचान एवं उनसे बचाव, अनुपयुक्त ऑनलाइन सामग्री से जुड़े जोखिम, ऑनलाइन गेमिंग के दौरान सुरक्षा, डिजिटल शिष्टाचार, डिजिटल डिटॉक्स का महत्व, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं सहायता तंत्र, चैट की एन्क्रिप्शन संबंधी जागरूकता, सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत तस्वीरें साझा करने के दुष्परिणाम तथा हैकिंग एवं निजता के अधिकार से जुड़े खतरे शामिल हैं। छात्रों ने इस सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया और डिजिटल दुनिया में सुरक्षित एवं जिम्मेदार व्यवहार के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।

इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2026 में तेलंगाना को स्वर्ण पदक

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2026 के लॉजिस्टिक्स विभाग में तेलंगाना की मेहरुनिशा बेगम ने स्वर्ण पदक हासिल कर राज्य का गौरव बढ़ाया है। यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता भारत सरकार के राष्ट्रीय स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के तत्वावधान में नोएडा में आयोजित की गई। मेहरुनिशा बेगम ने प्रतिष्ठित ''इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2026'' के लॉजिस्टिक्स एवं फ्रेट फॉरवर्डिंग श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। बेगमपेट डिग्री कॉलेज की पूर्व छात्रा और वर्तमान में कार्गोमेन लॉजिस्टिक्स में कार्यरत मेहरुनिशा बेगम ने जिला, राज्य और क्षेत्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त करते हुए राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचकर यह उपलब्धि हासिल की है। इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता देश में व्यावहारिक कौशल और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप दक्षताओं को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। यह प्रतियोगिता 22 वर्ष से कम आयु के युवाओं के लिए आयोजित की जाती है। इसमें विजेताओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की वर्ल्ड स्किल्स प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर भी मिलता है।

खानपुर नगरपालिका चुनाव में विधायक के व्यवहार पर उठे सवाल

निर्मल, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। खानपुर नगरपालिका के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों के चुनाव के दौरान विधायक वेदमा बोज्जू के व्यवहार को लेकर विवाद खड़ा हो गया। शनिवार को चुनाव प्रक्रिया के दौरान उनके अत्यधिक हस्तक्षेप और अधिकारियों से बहस करने पर उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा। बताया गया कि पदेन सदस्य के रूप में शामिल विधायक ने भाजपा पार्षद अंकम मौनिका को बहुमत साबित करने के लिए बुलाए जाने पर आपत्ति जताई और कांग्रेस पार्षद से बहुमत साबित कराने की मांग की। इस दौरान उन्हें नियमों का उल्लंघन करते हुए अधिकारियों के पोडियम तक जाते भी देखा गया।

विधायक के इस रवैये को लेकर भाजपा और बीआरएस कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर नाराजगी जताई और आरोप लगाया कि वे अधिकारियों पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे थे। नगरपालिका में भाजपा और बीआरएस को चार-चार पार्षदों का समर्थन मिला, जबकि कांग्रेस के पास तीन पार्षद हैं और एक निर्दलीय सदस्य भी है, जिससे गठबंधन की स्थिति बनी। इस बीच एक बीआरएस पार्षद के कथित अपहरण की भी चर्चा रही। अध्यक्ष पद को लेकर विवाद के कारण चुनाव प्रक्रिया कुछ समय के लिए रोक दी गई और अधिकारियों ने उच्च स्तर पर सलाह-मशविरा किया। बाद में बहुमत के आधार पर भाजपा-बीआरएस गठबंधन ने अंकम मौनिका को अध्यक्ष घोषित करने की मांग की।

बालाजी मंदिर में बिना तेल-घी के जलता रहता है दिया, प्रतिमा को आता है पसीना

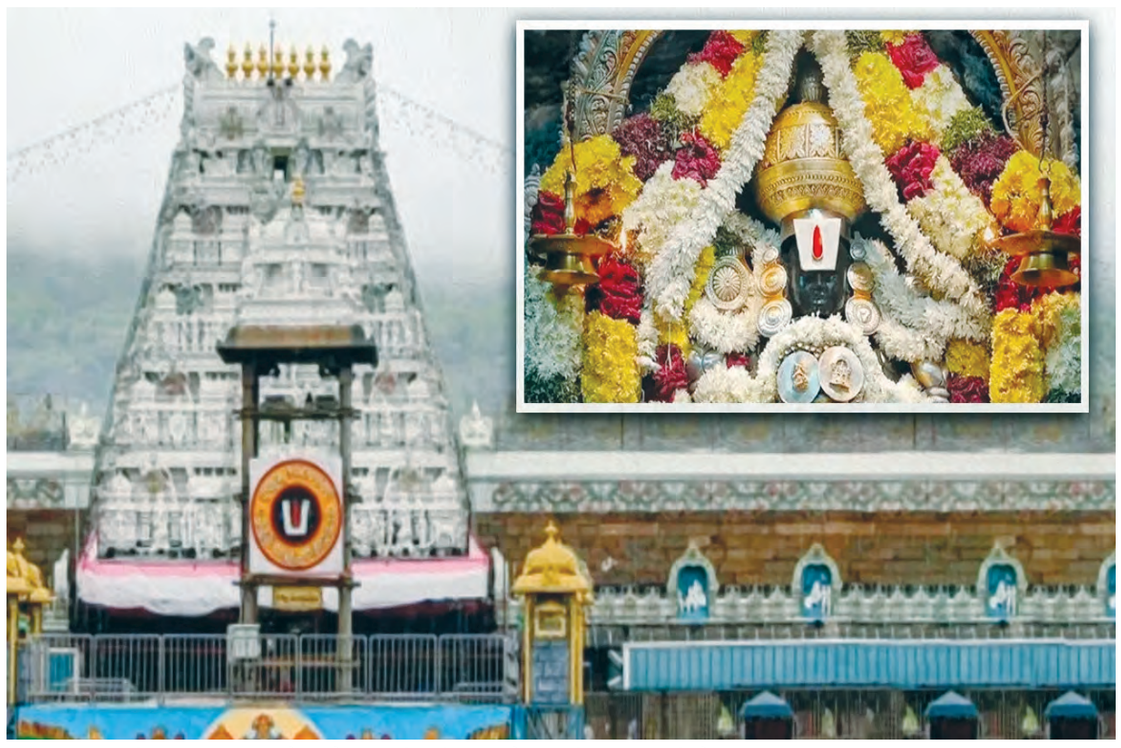

तिरुपति बालाजी मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में तिरुमला पर्वत पर स्थित है। ये मंदिर भारत के मुख्य तीर्थ स्थलों में से एक माना जाता है। यहां भगवान की मूर्ति से जुड़े हैरान कर देने वाले रहस्य हैं। आइए जानते हैं।

भारत मंदिरों का देश कहा जाता है। यहां कई प्राचीन और रहस्यमयी मंदिर हैं, जो अपने चमत्कार के प्रसिद्ध हैं। आज हम एक ऐसे ही मंदिर के बारे में आपको बताने जा रहे हैं। इस मंदिर में भगवान की जो प्रतीमा है उसको पसीना आता है। भगवान की प्रतिमा को स्पर्श करने पर वैसा ही लगता है, जैसाइंसान के शरीर में ताप होता है। यही नहीं मंदिर में एक दीपक बिना घी-तेल के जल रहा है।

हम जिस मंदिर की बात कर रहे हैं, उसका नाम है तिरुपति बालाजी मंदिर। ये मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में तिरुमला पर्वत पर स्थित है। ये मंदिर भारत के मुख्य तीर्थ स्थलों में से एक माना जाता है। यहां भगवान विष्णु श्री वेंकटेश्वर स्वामी के रूप में विराजमान हैं। उनके साथ उनकी पत्नी पद्मावती भी हैं, जो देवी लक्ष्मी का रूप मानी जाती हैं। ये मंदिर अपनी अमीरी के लिए के लिए भी प्रसिद्ध है।

भगवान की मूर्ति से जुड़े हैरान कर देने वाले रहस्य

यहां भगवान की मूर्ति से जुड़े हैरान कर देने वाले रहस्य हैं। इस मंदिर में भगवान बालाजी की मूर्ति पर जो बाल लगे हैं वो असली हैं। ये न कभी उलझते हैं और न रूखे होते हैं। हमेशा मुलायम रहते हैं। इतना ही नहीं भगवान की मूर्ति से पसीना आता है, जिसे मंदिर के पुजारी पोंछते हैं। माना जाता है कि भगवान यहां स्वयं विराजमान हैं, क्योंकि उनकी यह मूर्ति वैसे ही गरम रहती है जैसे इंसान का शरीर।

सैकड़ों साल से जल रहा है दीपक

मूर्ति पर कान लगाकर सुनने से समुद्र की लहरों की आवाज आती है। भगवान को हर गुरुवार को चंदन का लेप लगया जाता है। ऐसा उनको शितलता देने के लिए किया जाता है। लेप जब सूखता है, तो माता लक्ष्मी की आकृति दिखती है। इस मंदिर में एक खास दीपक भी है। कहते हैं कि ये दीपक सैकड़ों साल से बिना घी और तेल के जल रहा है।

इस बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं है कि इस दीपक को किसने जलाया। इस एक खास दीपक को देखने बड़ी संख्या में लोग यहां आते हैं।

दरवाजे पर लगा जूते-चप्पलों का ढेर बनता है गरीबी का कारण

हिंदू परंपरा में वास्तु शास्त्र को घर की सुख-शांति और समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि अगर घर की बनावट और व्यवस्था सही दिशा और नियमों के अनुसार हो, तो जीवन में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। लेकिन कई बार हम अनजाने में ऐसी छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं, जो धीरे-धीरे आर्थिक परेशानियों और रुकावटों का कारण बन सकती हैं। पानी का रिसाव, दरवाजे पर जूते-चप्पलों का ढेर, टूटी चीजें जैसे आम वास्तु दोष आपके घर की तरक्की रोक सकते हैं। समय रहते इन्हें सुधारना जरूरी है।

घर में पानी का रिसाव

अगर आपके घर में नल टपक रहा है, पाइप लीक कर रहा है या दीवारों में सीलन बनी रहती है, तो इसे नजर अंदाज न करें। वास्तु के अनुसार, यह लगातार धन हानि का संकेत होता है। जितनी जल्दी हो सके इन समस्याओं को ठीक करवाना जरूरी है।

मुख्य दरवाजे पर जूते-चप्पल का ढेर

घर का मुख्य दरवाजा सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार माना जाता है। अगर यहां जूते-चप्पलों का ढेर या बेकार सामान रखा हो, तो यह ऊर्जा के प्रवाह को रोक देता है। इसलिए इस जगह को हमेशा साफ और व्यवस्थित रखना चाहिए, ताकि घर में नए अवसर और खुशहाली आ सके।

टूटी-फूटी चीजें रखना

घर में खराब फर्नीचर, टूटे इलेक्ट्रॉनिक्स या टूटे सजावटी सामान रखना नकारात्मकता को बढ़ाता है। वास्तु के अनुसार ऐसी चीजें जीवन में रुकावट और तनाव का कारण बन सकती हैं। बेहतर है कि इन्हें घर से बाहर कर दिया जाए।

आईने की दिशा

आईना सिर्फ सजावट नहीं, बल्कि ऊर्जा को प्रभावित करने वाला तत्व भी माना जाता है। बेडरूम में या गलत दिशा में रखा आईना मानसिक तनाव और असंतुलन पैदा कर सकता है। इसलिए आईने की सही दिशा का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

किचन और टॉयलेट की दिशा

वास्तु में उत्तर-पूर्व दिशा को बहुत पवित्र माना गया है। अगर इस दिशा में किचन या शौचालय हो, तो यह घर की सकारात्मक ऊर्जा को प्रभावित कर सकता है। इससे आर्थिक समस्याएं और अनचाहे खर्च बढ़ सकते हैं।

नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के उपाय

घर में सेंधा नमक या समुद्री नमक रखने से नकारात्मकता कम होती है। उत्तर दिशा में मनी प्लांट या छोटा फव्वारा रखना भी शुभ माना जाता है। इसके अलावा समय-समय पर कपूर जलाने से वातावरण शुद्ध होता है और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

जीवन में खुशी आए तो कोशिश करें अकेलापन न बढ़ जाए

उत्साह और उदासी दोनों संक्रामक हैं। किसी प्रसन्नचित व्यक्ति के पास बैठें तो अपने आप अच्छा लगने लगता है। जिसका मूड खराब हो, उसकी संगत मिले तो परेशानी हो सकती है। ये सब मनोरोग हैं और अब मनोरोग कई रूप में सामने आ रहा है। मेरा तो हर विषय परिवार पर केंद्रित रहता है।

पिछले दिनों विदेश यात्रा में फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी में टेक इंडस्ट्री में बड़े पद पर काम कर रहीं दो महिलाओं से मिलना हुआ। उनका कहना था हम भारतीय इस देश में खुश हैं, क्योंकि दुनिया में खुशहाल होने के मामले में फिनलैंड सबसे ऊपर है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अब यहां अकेलेपन की बीमारी बढ़ रही है।

सोचने वाली बात है- खुशी अलग है, अकेलापन अलग है। चूंकि हमने अपनी खुशियों को सुविधाओं से, उपभोग से जोड़ लिया है तो उसकी तो कोई कमी है नहीं। लेकिन अकेलापन लंबे समय टिक जाए तो उदासी में बदलता है और उदासी बदल जाती है अवसाद में। तो जब खुशी आए तो कोशिश करें अकेलापन न उतर जाए।

अक्षय तृतीया का हर युग से है गहरा नाता, इस दिन हुईं हैं ये खास घटनाएं

सनातन धर्म में अक्षय तृतीया का दिन बहुत विशेष माना जाता है। हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन अक्षय तृतीया का त्योहार मानाया जाता है। अक्षय तृतीया एक अबूझ मुहूर्त माना जाता है। यानी इस दिन शादी-विवाह समेत अन्य शुभ व मांगलिक काम करने के लिए शुभ मुहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। पुराणों में ये दिन बहुत खास माना गया है।

पुराणों के अनुसार, अक्षय तृतीया के दिन कई विशेष घटनाएं हुईं हैं। अक्षय तृतीया का सतयुग, त्रेतायुग, द्वापर युग समेत लगभग हर युग से गहरा नाता है। आइए जानते हैं कि इस दिन कौन कौन सी शुभ घटनाएं हुई हैं?

अक्षय तृतीया 2026 डेट

पंचांग के अनुसार, इस साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 19 अप्रैल को सुबह 10 बजकर 49 मिनट पर शुरू होगी। इस तिथि का 20 अप्रैल को सुबह 07 बजकर 27 मिनट पर समापन होगा। ऐसे में इस साल अक्षय तृतीया का त्योहार 19 अप्रैल को मनाया जाएगा। इस दिन मां लक्ष्मी के पूजन का विधान है, जिसके लिए शुभ मुहूर्त सुबह 10 बजकर 49 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 20 मिनट तक रहेगा।

अक्षय तृतीया के दिन हुई ये शुभ घटनाएं

माता गंगा का अवतरण: अक्षय तृतीया के दिन माता गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुईं थीं। गंगा के अवतरण से राजा सगर के 60 हजार पुत्रों को मुक्ति प्राप्त हुई थी।

सतयुग और त्रेतायुग की शुरुआत: अक्षय तृतीया के दिन से ही सतयुग और त्रेतायुग शुरू हुआ था। मान्यताओं के अनुसार, अक्षय तृतीया के दिन ही द्वापर युग समाप्त हुआ था

भगवान परशुराम का अवतार: अक्षय तृतीया के दिन ही जगत के पालनहार श्रीहरि विष्णु ने भगवान परशुराम के रूप में अवतार लिया था।

महाभारत का युद्ध खत्म: अक्षय तृतीया के दिन महाभारत का युद्ध खत्म हुआ था। साथ ही महाभारत ग्रंथ लिखने की शुरुआत भी इसी दिन मानी जाती है।

पांडवों को अक्षय पात्र मिला: अक्षय तृतीया के दिन ही भगवान कृष्ण ने पांडवों के 12 वर्ष के वनवास के दौरान अक्षय पात्र दिया था। जो कभी अन्न से खाली नहीं होता था।

नौकरी में बार-बार आ रही हैं बाधाएं? करें विकट संकष्टी चतुर्थी पर ये अचूक उपाय

सनातन धर्म में हर माह की चतुर्थी तिथि का विशेष महत्व है, क्योंकि ये तिथि विघ्नहर्ता और प्रथम पूज्य भगवान गणेष की पूजा और व्रत को समर्पित की गई है। हर माह में कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर विघ्नहर्ता गणेश को समर्पित संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर विकट संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। साथ ही भगवान गणेश की विशेष पूजा की जाती है।

इस साल 05 अप्रैल को विकट संकष्टी चतुर्थी का व्रत रखा जाएगा। इस दिन व्रत और भगवान गणेश का पूजन करने से जीवन के बड़े से बड़े विघ्न दूर होते हैं। जीवन में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। इस दिन कुछ विशेष उपाय भी किए जाते हैं। मान्यता है कि इन उपायों को करने से नौकरी और काम में बार-बार आने वाली बाधाएं दूर होती हैं, तो आइए जानते हैं इन उपायों के बारे में।

विकट संकष्टी चतुर्थी पर करें ये उपाय

विकट संकष्टी चतुर्थी का रखें व्रतः कई बार कुंडली में बने दोष या बाधक योगों से नौकरी और काम में बाधाएं और रुकावट पैदा होती है। मान्यता है कि विकट संकष्टी चतुर्थी का व्रत और पूजा इन नकारात्मक प्रभावों को कम करता है। इससे नौकरी और काम में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं।

चंद्रमा को दें अर्घ्य: चंद्रमा को मन का कारक माना जाता है। संकष्टी चतुर्थी पर चंद्रमा को अर्घ्य देने का विशेष महत्व धर्म शास्त्रों में बताया गया है। इससे मन स्थिर होता है और जब मन में शांति होती है, तो व्यक्ति के फैसलों में स्पष्टता होती है। इससे करियर और जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलते हैं।

गणेश जी की पूजा करेंः कुंडली में बुध के कमजोर होने पर नौकरी और व्यापार में बाधाएं आती हैं। इस दिन गणेश पूजा करने से बुध मजबूत होता है। सोचने-समझने की क्षमता बेहतर होती है, जिससे नौकरी और व्यापार की बाधाएं खत्म होती हैं।

कुल देवी-देवता हैं आपसे नाराज, अगर मिल रहे हैं ये 3 संकेत

कुल देवी-देवता वो होते हैं जिनकी पूजा हमारे पूर्वजों के समय से होती आ रही है। ज्यादातर कुल देवी-देवता वो होते हैं जो एक स्थान विशेष के लोगों के द्वारा पूजे जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कुल देवी-देवता का आशीर्वाद अन्य किसी देवी-देवता के आशीर्वाद से भी अधिक प्रभावी होता है। वहीं इनकी नाराजगी के कारण दिक्कतें भी जीवन में आ सकती हैं। ऐसे में हम आपको उन संकेतों के बारे में बताने वाले हैं जो बताते हैं कि कुल देवी-देवता हमसे नाराज हैं। साथ ही हम बताएंगे कि कुल देवी-देवता को प्रसन्न कैसे कर सकते हैं।

कुल देवी-देवता के नाराज होने का पहला संकेत यह है कि आपके घर में अशांति का माहौल रहता है। छोटी-छोटी बातें भी बड़े विवाद का कारण बन

सकती हैं और आप हमेशा तनाव से घिरे रहते हैं। दूसरा संकेत यह है कि आपको डरावने सपने आते हैं और अनिद्रा की समस्या से आपको जुझना पड़ सकता है। इसके साथ ही सुबह उठकर भी आप खुद को तरोताजा महसूस नहीं करते।

अगर आपके जीवन में हमेशा आर्थिक परेशानियां बनी रहती हैं, बार-बार आपको उधार लेना पड़ता है तो ये भी कुल देवी-देवता की नाराजगी का संकेत है। इसके साथ ही जीवन में असफलता और बीमारियों का कारण भी रूठे हुए कुल देवी देवता हो सकते हैं।

कुल देवी-देवता को प्रसन्न करने के लिए आपको पूर्वजों के स्थान पर जाकर कुल देवी-देवता की पूजा करनी चाहिए। इसके साथ ही घर पर विशेष पूजा का आयोजन करना चाहिए और घर में कुल देवी-देवता की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करनी चाहिए।

सरकारी क्षेत्र में पाएंगे नौकरी अगर हथेली में सूर्य और गुरु पर्वत पर हैं ये निशान

हस्तरेखा शास्त्र में सूर्य और गुरु पर्वत को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इन पर्वतों पर कुछ निशानों का होना सरकारी क्षेत्रों में सफलता का संकेत होता है। आज हम आपको इन्हीं निशानों के बारे में अपने इस लेख में जानकारी देंगे। अगर सूर्य पर्वत पर एक सीधी रेखा हो या रेखाओं से वर्ग का निशान बन रहा हो तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। ऐसा होने पर व्यक्ति को सरकारी क्षेत्र में सफलता प्राप्त हो सकती है और साथ ही ऐसे लोग राजनीति के क्षेत्र में भी ऊंचाइयां छूते हैं।

अगर गुरु पर्वत पर त्रिभुज का निशान है तो यह भी आपको सरकारी क्षेत्रों में सफलता दिलाने वाला साबित हो सकता है। आप सरकार के द्वारा सम्मानित भी किसी सामाजिक कार्य के चलते हो सकते हैं। सूर्य और गुरु दोनों पर्वतों में से किसी पर भी अगर स्वास्तिक का चिह्न बन रहा है तो यह बेहद शुभ संकेत है। ऐसा होने पर सरकारी क्षेत्रों के साथ ही जीवन के प्रत्यके फिल्ड में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। इन चिह्नों के साथ ही अगर सूर्य और गुरु पर्वत उभरे हुए हैं यानि उन्नत हैं तो इसे भी अच्छा संकेत हस्तरेखा शास्त्र में माना जाता है। ऐसा होने पर भी सरकारी क्षेत्रों में व्यक्ति नौकरी पाता है और साथ ही उच्च पदों तक पहुंचता है।

सुरों की मलिका : श्रेया घोषाल

अतुल कुमार

हिंदी फिल्मों में पार्श्व गायकों की महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक महत्ता रही. उनकी लोकप्रियता किसी बडे सितारे से कम नहीं , बल्कि फिल्मी सितारों को अपार ख्याति दिलवाने में जो रोल उनका रहा उसे कोई नकार नहीं सकता . गुज़रे दौर के नायक शम्मी कपूर ,राजेंद्र कुमार और सुनील दत्त आदि को मोहम्मद रफी की आवाज़ ने जो उंचाइयां दीं वह आज भी बरकरार है " तारीफ करूं क्या उसकी जिसने तुम्हें बनाया " (शम्मी कपूर) " बहारों फूल बरसाओ मेरा महबूब आया है " (राजेंद्र कुमार) और " मेरे महबूब तेरे दम से है दुनिया पे बहार वर्ना इस गम से भरी दुनिया में क्या रखा है " (सुनील दत्त) इत्यादि के पर्दे पर गाये वो गाने हैं जिसे भुलाना नामुमकिन है . इन गायकों ने शायरों की गहरे जज़्बातों में डूबी नज़्मों और संगीतकारों ने अपनी यादगार धुनों से इन गानों को सजाया वह दिल के तारों को झनझना देते हैं .

किसी शायर ने खूब लिखा " सुर वो है जो लफ्ज़ों को पंख लगा दे / खामोश दिल को भी मोहब्बत का तराना सुना दे // पुराने गायक मुकेश ,मोहम्मद रफी , किशोर कुमार , मन्ना डे तथा लता मंगेशकर ,आशा भोंसले और सुमन कल्याणपुर आदि ने अपनी मीठी आवाज़ से गीतों में जो जलवे बिखेरे उसकी खनक आज भी वैसी ही बनी हुई है जैसे 60 साल पहले हुआ करती मसलन ' मुझे तुम मिल गये हमदम ,सहारा हो तो ऐसा हो ,जिधर देखूं उधर तुम हो नज़ारा हो तो ऐसा हो " (लव इन टोक्यो) और " नैना बरसे रिमझिम रिम झिम आंखों में है बरसों की प्यास " (वो कौन थी) ऐसे क्लासिकल गीत हैं जो कानों में पडते ही मिसरी घोल देते हैं .इन गानों का स्वर माधुर्य संगीत की धुनो में ऐसा पिरोया हुआ है जिसकी महक फिज़ां को सुगंधित कर देती हैं .

कारण जो हो ,अब ऐसे गीत न बनते हैं न सुनायी देते हैं . फास्ट फूड के इस दौर में गानो ने भी अपना मिज़ाज़ खो दिया है . मज़े की बात है कि यही अमर गीत गायन के भिन्न भिन्न चैनलों पर अक्सर सुनायी देते हैं और युवा गायक – गायिकाएं इन गानों को अपने सुर में गा वाह वाही बटोर रहे हैं .इन्हीं लोकप्रिय गानों की छत्र छाया में आज के कई मशहूर सिंगर्स ने अपने यशस्वी करीयर की शुरुआत की और वो फिल्म गायन की शोहरत की बुलंदियों पर हैं . उनमें एक सुप्रसिद्ध गायिका श्रेया घोषाल हैं .उनका पहला गाना सन 2002 में फिल्मकार संजय लीला भंसाली की प्रदर्शित फिल्म ₹ देवदास ₹ का गीत ₹ बैरी पिया ₹ है जिसे मात्र 16 साल की उम्र में गाया जिसके लिये उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला . इस लोकप्रिय गाने के बाद उन्होंने फिल्मी गीत गायन में अपनी अलग पहचान बनायी ।

श्रेया घोषाल के गायन जीवन की शुरुआत टी वी रियलिटी शो ₹ सा रे गा मा पा ₹ सन 2000 जीतने के बाद हुई. इस शो के चिल्ड्रन स्पेशल एपीसोड में गा श्रोताओं को मोहित किया . 12 साल की उम्र में गायिका ने ₹ वो चुप रहें तो ₹ और ₹ तुम से मिल कर न जानें क्यों ₹ गानों को पेश कर धूम मचायी . 12 मार्च 1984 को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद ज़िले के बहरामपुर में बंगाली भाषी परिवार में जन्मी इस गायिका ने अपने स्वर से गीत गायन की जिस चांदनी को बिखेरा उस पर गाना प्रेमी मुग्ध हैं वर्ष 2025 – 26 में करवाये गये एक सर्वेक्षण के अनुसार गाना प्रेमियों ने उनको सबसे अधिक पसंद किया . उन्हें 4 बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और कई फिल्म फेयर पुरस्कार मिले हैं . वह मैडम तुसाद संग्रहालय में मोम की प्रतिमा पाने वाली पहली भारतीय गायिका हैं .

उनको मधुर बहुमुखी आवाज़ के लिये जाना जाता है ,जो रोमांटिक से ले शास्त्रीय गीतों को गाने में माहिर हैं . हिंदी के अलावा बंगाली ,कन्नड ,तमिल ,तेलुगु और मलयालम भाषाओं के गीतों में भी पहचान बनायी है . छः साल की उम्र में शास्त्रीय गायन और संगीत को सीख कई नये सुरीले प्रयोग किये . एक सूचनानुसार उनके गायन के 7 मिलीयन से अधिक फालोवर्स हैं . पांच बार फोबर्स की भारत के शीर्ष 100 हस्तियों में शामिल किया गया .उनके लोकप्रिय गीतों में " जादू है नशा है , धीरे जलना ,ये इश्क है ,पीयू ओरे पिया ,तुझे भुला दिया , तुम क्या मिले और जुगराफिया इत्यादि गाने हैं . दो दशक से अधिक के कैरीयर में श्रेया ने 20 भाषाओं में अभी तक 3000 से अधिक गाने रिकार्ड किये हैं .

संगीत और गायन में अपार शक्ति होती है एक मधुर गीत पल भर में आपका मूड अच्छा कर सकता है वहीं भाव पूर्ण बोल उदासी के समय आपको हिम्मत दे सकते हैं उम्दा भाव गीत इसकी मिसाल हैं .श्रेया ने हर मूड के गीत गा श्रोताओं का दिल जीता .मशहूर संगीतकार कल्याण जी ने उनकी प्रतिभा को पहचान 18 महीनों तक उनको शास्त्रीय संगीत की शिक्षा दी . 6 साल की उम्र में जीवन के पहले स्टेज शो में एक बंगाली भजन गाया जिसे श्रोताओं ने काफी सराहा . उनकी लोकप्रियता को इसी से समझा जा सकता है कि प्रति वर्ष अमेरिका के ओहियो राज्य में 25 जून को " श्रेया घोषाल डे " के रूप में मनाया जाता है .ओहियो के गवर्नर ट्रेड स्किटलैंड ने सन 2010 में उनके सम्मान में इस दिन की घोषणा की थी .भारतीय गायिका के जीवन की यह गौरवपूर्ण उपलब्धि है .

वह स्वयं को भारतीय संगीत का राजदूत मानती हैं जो उन्हें लगातार गाने के लिये प्रेरित करता है . किसी शायर ने खूब लिखा " आवाज़ वो जिसे सुन बंदिशें टूट जाएं / दिल को सुकून और खुशी मिले उस तान को सुन / हर लफ्ज़ कह उठे यही तो मेरी आवाज़ है जो उदास चेहरों पर मुस्कान बिखेर दे // श्रेया घोषाल ने अपनी जादुई आवाज़ से यही किया ।

काव्य कुंज

दृष्टि दान

कौशल्या गुप्ता,
हैदराबाद

कितने दीपों को बार लिया,
घर,आंगन चौराहों में
कितने दीपों का दान दिया,
देवालय और शिवालय में ।।
पर अंतर्मन के कोने में,
क्यों छाया गहन अंधियारा ?
अब बोलो क्या दान करूं मैं,
जो,मन में भर दे उजियारा ।।
नहीं दधीचि सी महान मैं,
जो निज अस्थि का दान करूं
नहीं₹शिवि₹ सा मनोबल मुझ में ,
जो जीवित अंगों का दान करूं ।।
हां,इस दुनिया से चलती चलती ,
₹दृष्टि - दान₹ तो कर सकती हूं
किसी अंधेरी पलकों के भीतर
बार इन्हें मैं सकती हूं ।।
पा कर इन नैनों की ज्योति,
वे भी सृष्टि को निहारेंगे
ईश्वर की सुंदर रचना के आगे ,
नतमस्तक हो जायेंगे ।।
देखेंगे, पुलकित मन से ,
स्वर्णिम भोर जगत में
चंद्रकिरण भी निरख सकेंगे,
पूनम की रुपहली रातों में ।।
इस निरर्थक देह को ,
कोई तो अर्थ मिलेगा
जब सृष्टि के सब रंगों को ,
वे, भर लेंगे निज पलकों में ।।
नैन- दीप की ज्योति से बढ़ कर, कोई ज्योति नहीं है
दृष्टि दान से बढ़ कर जग में ,कोई भी दान नहीं है ।।

रोते-रोते शैशव हंसता

कमलेश झा
भागलपुर, बिहार

रोते-रोते शैशव हंसता,
जीवन का यह पहला पाठ,
आँसू में भी छुपी हुई है,
मुस्कानों की मीठी बात।
माँ की गोदी में जब आकर,
सिसकी भी थम जाती है,
दूध की खुशबू, ममता की छाया,
नव ऊर्जा भर देती है।
कभी गिरा तो रो पड़ा ,
और फिर उठकर हँस दिया,
नन्हें हाथों की उन लहरों ने, दर्द को भी भूला दिया।
ना कोई छल, ना कोई कपट, मन जैसे निर्मल जलधार,
क्षण में रोना, क्षण में हँसना, यही शैशव का सच्चा संसार।
बड़े हुए तो भूल गए , हँसने का वो सरल विधान,
बात-बात में दिल भर आता, सूख गया आँखों का गान।
सीख लो उस नन्हे मन से, दुख में भी मुस्कान का राज,
रोते-रोते फिर से हँसना, जीवन के उत्सव में आज।
क्योंकि—
रोते-रोते शैशव हंसता, यही प्रकृति का गूढ़ संदेश,
हर पीड़ा के बाद ही खिलता, सुख का उजला, निर्मल केश।

डीजिटल शिक्षा

मोनिका डागा,
चेन्नई

कर रहे हैं दिमाग की बत्ती
अब ये धीरे-धीरे गुल,
नए-नए गैजेट्स और
एडवांस एप्स फूलम फुल,
ए. आई का आया है
अब असाधारण ख़ास ज़माना,
क्यों अपना दिमाग बोलो
ज्यादा खामख्वां खपाना ।
चाहे कोई भी विषय से संबंधित हो अनगिनत सवाल,
बस चैट जी पीटी करो झट मोबाइल में तुम इन्स्टॉल,
पूरी दुनिया का ज्ञान आज उंगलियों पर यूँ मिल जाता,
अपनों से सलाह मशवरा लेने कहाँ अब कोई है जाता ।
डीजिटल शिक्षा का भी चल पड़ा है गरमा-गरम दौर,
मानसिक स्वास्थ्य अनुचित प्रयोग से हो रहा कमजोर,
आगे पीछे इन यंत्रों के अनावश्यक हर कोई रहा डोल,
मूर्खता में मशीनों को ही सौंप दिया स्वयं का कंट्रोल ।
स्वयं की तार्किक क्षमता और मेमोरी हो रही है कम,
बच्चों को मिली सुविधाएं मगर सिर बोझिल एकदम,
शिक्षा ग्रहण का तरीका हो सही संग ₹आनंद' न हो लुप्त,
वरना भुगतेंगे खामियाजा जो स्वचेतना हो गई सुप्त ।

मां की आराधना

डॉ संजुला सिंह
जमशेदपुर

दिखती नहीं तो क्या हुआ
रहती है साथ में ।
मेरी मुश्किलों में थामा
ले हाथ हाथ में ।
दिखती नहीं तो क्या हुआ
रहती है साथ में ।
सब मन के मेरे ज़ख्म को
पल में ही भर भर दिया
ममता लुटाई खूब ही उपकार भी किया ।
विश्वास है वो मेरा मेरी आस भी वही ।
दिखती नहीं तो क्या हुआ रहती है साथ में ।
सबने ही तोड़ा मुझको पर ! रक्खा तूने थाम
तेरी ही रहमतों का मां हरदम पिलाया जाम ।
मेरी जिंदगी भी तू ही मेरी तूही बंदगी ।
दिखती नहीं तो क्या हुआ रहती है साथ में ।
मेरी चमचमाती राहों में सबने बिछाए शूल
पर ! तूने कर मेहरबानी उसको बनाया फूल
तेरी मेहर को कैसे हम भूलेंगे कभी ।
दिखती नहीं तो क्या हुआ रहती है साथ में ।
मैं दिल से करती हूं सदा मां तेरी बंदगी
तेरी असीम कृपा से मेरी चलती जिंदगी
तुमसे मेरी गुजारिश ना छोड़ना कभी ।
दिखती नहीं तो क्या हुआरहती है साथ में ।
मेरी नाव की तू माझी पतवार भी तुम्ही
लगता नहीं जी मेरा तेरे बिना कहीं
तुमसे ही सारी खुशियां अरमान भी तुम्ही ।
दिखती नहीं तो क्या हुआ रहती है साथ में ।
मैं जानू ना किसी को मैया तेरे सिवा
पहचान भी ना मेरी
अम्बे तेरे सिवा
तू ही मेरी डगर है मंजिल भी है तुम्ही ।
दिखती नहीं तो क्या हुआ रहती है साथ में,
मेरी मुश्किलों में थामा ले हाथ- हाथ में ।

ग्रीष्म की अंगड़ाई

रेणुका अग्रवाल
हैदराबाद

ग्रीष्म ने जो ली अंगड़ाई।
अंग अंग पसीने में नहाई।
चमन में भी गर्मी कम नहीं,
ठंड के लिए कहां जाऊं भाई।
गर्मी बड़ी अच्छी लगती है।
शरबत की प्यास लगती है।
कैरी का पन्ना पीते हैं,
संग में मां आमरस भी लाई।
पूड़ी आमरस का मेल है।
अचार चांवल का खेल है।
नए नए अचार की खुशबू,
जुबान पर ख़ूब पानी लाई।
ये गुच्छे बोर के लटकते हुए।
खुद को डाली से झटकते हुए।
देखूँ तो मन ललचाए,
क्या अलौकिक खुशबू आई।
ये कुदरत के हसीन नज़ारे।
या ख़ुदा कितने प्यारे।
हर मौसम का हुस्न निराला।
हुस्न से बहारों क हुई आशनाई।
कितने कितने नज़ारे देखे।
एक से बढ़कर एक देखे।
कभी धूप कभी छांव भी देखी।
बर्फ़ भी पिघलती भाई।
कितनी भी गर्मी पड़ी हो।
समंदर कभी सूखते नहीं है।
बादल फ़िर से घुमड़ घुमड़ आते,
नदिया हमेशा ही लहराई।
कायनात ख़ुदा की आलीशान है।
घर में होता एक बागबान है।
दुनिया का बनाने वाला ही तो,
हम सबका सायबान है।

राम भक्त हनुमान

राम भक्त हनुमान,आए तेरे द्वार कर दो बेड़ा पार।
केसरी पुत्र,अंजनी लाला, दीन की सुनलो पुकार।।
कर दो बेड़ा पार।
तुम्हारी महिमा न्यारी प्यारी,सूक्ष्म विराट रूप बना के,
अहंकारी रावण को, सबक सिखाया लंका जला के,
भूख सताई तो लाल सूरज को,
फल समझ निगल गये
अर्चभित किया छह मास में,
शक्ति के जलवे दिखा के,
प्राणों पर बन आयी जन के,
बिन सूरज न चले संसार।
राम भक्त हनुमान,
आए तेरे द्वार कर दो बेड़ा पार।
कर दो बेड़ा पार।

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

रामायण सुन्दर कांड से जानी, गाथा वीर हनुमान की,
श्रीराम के बिना न होवे, पूजा वीर हनुमान की,
हनुमंत सौम्य,शांत,बलवान,रामकाज करणी निराली
ओ ब्रह्मचारी तीन लोक में, शक्ति नहीं हनुमान वाली,
सीने में सियाराम बसेरा , कैसा ये अनुपम प्यार।
राम भक्त हनुमान,आए तेरे द्वार कर दो बेड़ा पार।
कर दो बेड़ा पार।
संकट हरते,पीड़ा हरते,बुरी बला से पवन पुत्र बचाते,
जब भी अज्ञात डर सताये,केसरी नंदन भय भगाते,
हनुमंत धरा पर हैं अभी भी, जहां राम नाम के जगराते
श्रीराम के हर आँगन में राम दूत हनुमान विराजे,
जन्मांतर तक करते रहेंगे हनुमान की जय जयकार।
राम भक्त हनुमान,आए तेरे द्वार कर दो बेड़ा पार।
अब तो कर दो बेड़ा पार।

खता उनकी भी नहीं..

खता उनकी भी नहीं यारो
वो भी क्या करते
बहुत चाहने वाले थे
किस किस को वफ़ा करते
ढह गया घर जो
भावनाओं का समुच्चय था,
फेर दिया गया पानी
विश्वास की। उम्मीदों पर
जग में प्रेम का अंत
होने ही वाला था,
शून्य में फिर से
अनायास ही कुतुहल हुआ
लगा मानो वर्षों की
प्यासी धरती
स्वयं को भिगोना चाहती हो
इंद्रधनुषी सप्तरंग आकाश में
स्वयं को प्रेम के
वशीभूत करना चाहता हो
कदम दर कदम लय हो
प्यारी सी नज़्म बनती
अन्यथा कोई ग़ज़ल तो मिसरा बनते
खता उनकी भी नहीं..
मैं ने प्रेम में पीड़ा और आनंद को
समझा व जाना कि जो मुझे मिला
वो न तो पीड़ा थी न ही आनंद
वो तो एक क्षण था जिसे
वर्षों तक अनुभव करता रहूंगा
एक ही पिंग तो न्यारे अनुभव
अन्यथा अपेक्षा उपेक्षा रंगदे
खता उनकी भी नहीं...

उन्होंने भूख को देखा

दर्शन सिंह
हैदराबाद

दूर से शब्दों के आईने में
जिनके घरों में
उजाले की कमी नहीं
वही अँधेरों की कथा बुनते
जिनकी रातें चूल्हे
की राख में बुझती
वे शब्द नहीं,
बस आँसू गिनते ।
भूखा आदमी
कविता नहीं लिख पाता, रोटी में अक्षर तलाशता
उसकी पंक्तियां अधूरी रह जाती
रोटी की बुनावट में अध-पकी रोटी के किनारे सी।
फटेहाल हाथों के पास शब्द नहीं होते हैं बस छाले,
हर दिन की धूप में नया घाव लिखते
बिना कागज़, बिना स्याही।
धनवानों की कलम में संवेदना होती महंगे शौक की तरह,
भूख की असली गंध नहीं,आँसू का चित्र बना सकते
उसका दर्द,स्वाद नहीं लिख सकते।
जो सचमुच भूखे ,वे जीवन का
लिखते दर्द का आर्तनाद
हर दिन, हर मोड़ पर, संघर्ष की लिपि से।
शायद इसीलिए
सबसे सटीक कविता वही होती
जो लिखी नहीं गयी वो जी ली गयी
नन्हे बच्चे की रोटी की भूख की तरह।

ज़रा ध्यान से सुनो

कुमुद बाला,
हैदराबाद

बढ़ी बेचैनियाँ दिल में , कहाँ तुम ले के जाओगे
ज़रा पौधों से कर लो प्यार , खिल के मुस्कुराओगे
सुनो
दर्द को खंगाल के , टीस को उछाल के
प्रीत की मुंडेर पे , पीर को संभाल के
फिर से तुम सूरज को देखो
नित नई किरणों से पूछो
क्या हाल - चाल हैं ज़नाब
किधर रखी है वह किताब
अब आगे कितने और कदम हैं ,
चलने को बगिया में
लोटा पानी रखकर सोचो ,
क्या ऐसा है गौरैया में
सबकी नस्ल ख़त्म करके , क्या मानव जी तुम पाओगे
खिंची जिस दिन तुम्हारी डोर , क़बर में जा समाओगे
बढ़ी बेचैनियाँ दिल में , कहाँ लेकर तुम जाओगे
ज़रा पौधों से कर लो प्यार , खिल के मुस्कुराओगे।।
मत ढूंढ़ो परेशानियाँ , ताले में बंद उन्हें रखो
सीधी अपनी ज़िंदगी से , बीपी शुगर परे रखो
फूलों की क्यारियाँ लगाओ भिंडी बैंगन सब घर उगाओ
फिर पूछेंगे
क्या हाल - चाल हैं ज़नाब किधर रखी है वह किताब
हवा जब होगी बिल्कुल शुद्ध ,जीवन बोनस में पाओगे
हरियाली का दीप जला के , औरों को शुद्ध बनाओगे
बढ़ी बेचैनियाँ दिल में , कहाँ लेकर तुम जाओगे
ज़रा पौधों से कर लो प्यार , खिल के मुस्कुराओगे।।

अपनापन की आड़ में

प्रियंका सौरभ

मुस्कानों की ओट में,
छुपा हुआ अवसाद।
हर रिश्ता अब बन गया,
मतलब का संवाद॥
अपने ही जब दे गए,
दिल पर गहरे घाव।
फिर किससे उम्मीद हो,
रखें कहाँ हम चाव॥
चेहरों पर विश्वास है, दिल में बैठे खोट।
मीठी मीठी बात में, छुपी हुई है चोट॥
अपनों के इस खेल में, सबका अलग विधान।
बाहर से मुस्कान है, भीतर है तूफान॥
मीठे-मीठे बोल से, करते दिल पर वार।
अपनापन के नाम पर, चलता यूँ व्यापार॥
होंठों पर सौरभ हँसी, मन में काँटे शूल।
कैसा ये अपनत्व है, कैसे बनें उसूल॥
अपनापन की आड़ में, चलता गंदा खेल।
दिल के रिश्ते हारते, जीत गया यह मेल॥

मीरा और कबीर: बुद्ध और महावीर

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

मीरा की भक्ति, अर्पण और समर्पण,
कबीर के मानवीय संदेशों का प्रवर्तन,
बुद्ध की अनासक्ति की
शिक्षा व क्रोध पर नियंत्रण,
युगप्रणेता महावीर का
अहिंसा का संवर्धन,
युग युगांतर से देता रहा है
आध्यात्मिक पोषण,
और करता रहा है शांति का उद्घोष व सामाजिक परिवर्तन।
हर युग,हर शताब्दी में ये रहे हैं समसामयिक,
इनसे पृथक होकर नहीं संभव हुआ
किसी सुधार का संचालन,
हर पीढ़ी के लिए ये सिद्धांत हैं प्रासंगिक,
इनसे विमुख नहीं हो सकती 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की,
संवेदना और परिकल्पना, साकारित,
क्योंकि वर्तमान,
भूत और भविष्य की ये हैं अभिप्रेरणा।।
हर पीढ़ी,हर परिवेश में उपयुक्त हैं ये सिद्धांत,
जनमानस के लिए एक प्रेरणा -एक प्रणेता है इनका विज्ञान,
युग प्रवर्तकों का सदैव चलता रहे अभियान,
कालांतर तक होता रहे इनका संज्ञान, इनका गुणगान,
होते रहें अभिमंत्रित जन मानस के प्राण,
क्योंकि इनमें समाहित है संजीवनी का तत्वज्ञान।।।

हमें देते हैं जीवन

पी एन गुप्ता
हैदराबाद

प्रकृति में राकेश और दिनकर,
है आशीषों का भण्डारण हमारे
ईश के अन्दर।
उसी में से तोकुछ मांगे हैं हमने
आपकी ख़ातिर,
ज़रा सा पानी लेने से न होता
ख़ाली समन्दर।।
तुमने तो की न बात पर हम चुप
न रह सके, कहना तो बहुत
कुछ था मगर कुछ न कह सके,
हमसे न करी बात तो कुछ बात नहीं थी,
गैरों से हंस हंस बात की वह हम न सह सके।।
नींद! क्यों रात भर जगाती हो,
दिखा दिखा के दिवास्वप्न क्यों सताती हो।
नहीं आतीं तो आतीं नहीं बुलाने से,
और आती हो तो आ आ के लौट जाती हो।।

दसकंधर

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

दसकंधर अपने दस मुखों से ठहाके लगा कर कहता है
हे मनुष्य,क्या देखते हो इधर उधर,
देखो अपने चारों ओर, कितने
रावण घूमते हैं।
मैं तो सर्वत्र वैसे ही दिखता था,
उसी स्वरुप में,
तुम तो रूप बदलते रहते हो।
मैं निर्भीक,गर्वीला प्राणी
पांडित्य पर घमंड करता था
तुम तो झुठी शान बता कर
अपनी अस्मिता भी खो देते हो ।
तुम्हारे जलाने से मेरा
अस्तित्व मिटता नहीं,
और अधिक बढ़ जाता है ।
हर रूप में हर युग में मेरा वर्चस्व बढ़ते जाता है
चाहे कोई हनुमान आकर लंका मेरी जला डाले,
चाहे कोई राम आकर मुझे नष्ट कर डाले
पर मैं तो हूं अभी भी जिंदा और सदा ही रहूंगा ।
हर उसे मनुष्य के अंदर जो दम्भी है अभिमानी है,
शक्तिशाली स्वयं को कहता है, बलशाली स्वयं को कहता है ।
मैं हर उसे मनुष्य की आत्मा में बसा हूं
जो राज्य विस्तार हेतु खून खराबा करता है
शक्ति प्रदर्शन करता है,रावण खुद को कहता है ।
अपने स्वार्थ पूर्ति के लिए सामान्य लोगों को मारता है
मैं तो संपूर्ण ब्रह्मांड जीतना चाहा था,
अब भी मैं ही हूं कहीं ना कहीं जो विश्व जीतना चाहता है
राम हो ना हो, रावण तो अभी भी विश्व व्याप्त है।।

एक शुक्रवार

विभू आचार्य

हर दिन, दिन, एक शुक्रवार
क्या तुम्हें कलवारी के उस दृश्य को
दोहराना ही होगा?
हर दिन, हर जगह,
क्या तुम इससे थके नहीं हो,
पोंटियस?
जब भी तुम्हारे कारिंदे
मुझे सलीब (क्रॉस) पर टांगते हैं
एक दबी हुई आह गूँजती है
किसी के द्वारा, कहीं न कहीं...
और...
इंसान नीचे उतर आता है
शर्म से अपना सिर
झुकाए हुए...

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी

रविवार, 5 अप्रैल, 2026

बिहार में वोट बैंक का नया गणित

जाति से आगे बढ़ती पहचान की राजनीति

धीरेन्द्र प्रताप सिंह

नीतीश कुमार को बिहार की सत्ता से जुड़े सबसे स्थिर चेहरों में गिना जाता रहा है। लगभग दो दशकों तक वे राज्य की राजनीति के केंद्र में बने रहे और अलग-अलग राजनीतिक गठबंधनों के साथ सत्ता में बने रहने की क्षमता ने उन्हें बिहार की राजनीति का निर्णायक खिलाड़ी बनाए रखा। लेकिन हाल के वर्षों में राज्य की राजनीति में जो बदलाव दिखाई दे रहा है, वह संकेत देता है कि पारंपरिक जातिगत समीकरणों के साथ अब धार्मिक पहचान और आर्थिक आकांक्षाओं का प्रभाव भी तेजी से बढ़ रहा है।

बिहार की राजनीति लंबे समय तक जातिगत आधार पर संचालित होती रही है। मंडल राजनीति के बाद सामाजिक न्याय की धारा ने राज्य के चुनावी समीकरणों को परिभाषित किया। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) और जनता दल (यू) जैसे दलों ने इसी सामाजिक आधार पर अपनी राजनीतिक जमीन तैयार की। लेकिन अब धीरे-धीरे यह परिदृश्य बदलता दिखाई दे रहा है। चुनावी व्यवहार में धार्मिक पहचान का प्रभाव पहले की तुलना में अधिक स्पष्ट रूप से सामने आने लगा है।

नीतीश कुमार की राजनीति का आधार भी समय के साथ बदला है। वर्ष 2005 के बाद जब वे सत्ता में आए तो उन्होंने विकास, सड़क, शिक्षा और कानून-व्यवस्था को अपनी राजनीतिक पहचान का केंद्र बनाया। इससे उन्हें विभिन्न सामाजिक समूहों का समर्थन मिला। महिलाओं के लिए आरक्षण, छात्राओं को साइकिल योजना, ग्रामीण सड़कों का विस्तार और प्रशासनिक सुधार जैसे कदमों ने उनकी छवि एक विकासोन्मुख नेता के रूप में स्थापित की।

हालांकि समय के साथ उनके पारंपरिक वोट बैंक में बदलाव के संकेत भी दिखाई देने लगे। विशेष रूप से गैर-सवर्ण वर्गों के आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक गतिशीलता ने राजनीतिक प्राथमिकताओं को प्रभावित किया है। पहले जहां जातिगत पहचान चुनावी निर्णयों का प्रमुख आधार होती थी, वहीं अब रोजगार, शिक्षा और जीवन स्तर से जुड़े मुद्दे अधिक महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। प्रवासी बिहारी भी इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण कारक बनकर उभरे हैं। दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे शहरों में काम करने वाले बड़ी संख्या में प्रवासी मतदाता अब केवल जातिगत पहचान के आधार पर मतदान नहीं करते, बल्कि विकास और अवसरों को भी प्राथमिकता देते हैं। इससे राज्य की राजनीति में नई सोच का प्रवेश हुआ है।

धार्मिक पहचान का प्रभाव भी हाल के वर्षों में चुनावी व्यवहार में अधिक स्पष्ट दिखाई देने लगा है। विशेष रूप से राष्ट्रीय स्तर की राजनीति के प्रभाव ने बिहार के चुनावी समीकरणों को भी प्रभावित किया है। इससे पारंपरिक जातिगत समीकरणों के साथ-साथ नई राजनीतिक प्राथमिकताओं का उभार देखने को मिल रहा है।

नीतीश कुमार का विभिन्न गठबंधनों कभी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) तो कभी महागठबंधन के साथ जाना भी इसी बदलते राजनीतिक परिदृश्य का संकेत माना जाता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि बिहार की राजनीति अब स्थिर जातिगत ध्रुवीकरण से आगे बढ़कर बहुआयामी सामाजिक समीकरणों की ओर बढ़ रही है। 2024 के लोकसभा चुनावों और उसके बाद के राजनीतिक घटनाक्रमों ने भी यह संकेत दिया है कि राज्य में वोट बैंक का स्वरूप बदल रहा है। कई क्षेत्रों में धार्मिक पहचान और राष्ट्रीय राजनीतिक मुद्दों का प्रभाव पहले की तुलना में अधिक दिखाई दिया। इसका असर क्षेत्रीय दलों की रणनीतियों पर भी पड़ा है। इसके साथ ही बिहार में आर्थिक आधार पर सामाजिक संरचना में भी परिवर्तन दिखाई दे रहा है। गैर-सवर्ण वर्गों के बीच आर्थिक सक्रियता बढ़ने से उनकी राजनीतिक अपेक्षाएं भी बदली हैं। वे अब केवल प्रतिनिधित्व ही नहीं, बल्कि विकास और अवसरों की राजनीति को प्राथमिकता देने लगे हैं।

इन सभी परिवर्तनों के बीच यह स्पष्ट होता है कि बिहार की राजनीति एक संक्रमण के दौर से गुजर रही है। जातिगत समीकरण अभी भी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनके साथ धार्मिक पहचान, आर्थिक आकांक्षाएं और विकास से जुड़े मुद्दे तेजी से निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। आने वाले चुनावों में यही बदलते सामाजिक-राजनीतिक समीकरण राज्य की राजनीति की दिशा तय करेंगे।

पाकिस्तान अफगानिस्तान के बीच चीन बना चौधरी

मिडिल ईस्ट संकट का असर पूरी दुनिया में दिख रहा। जिस तरह से ईरान के साथ अमेरिका और इजरायल की जंग चल रही उससे कई देश गंभीर ऊर्जा संकट झेल रहे। खास तौर से होर्मुज स्ट्रेट में तेल और गैस के जहाज अटके हुए हैं। हर किसी को इस बात का इंतजार है कि आखिर ये युद्ध कब खत्म होगा। उधर भारत के पड़ोस में भी दो मुल्क आमने-सामने हैं। जी हां, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में सैन्य टकराव हाल के दिनों में काफी बढ़ चुका है। इसका असर दिल्ली समेत समूचे एशियाई क्षेत्र में नजर आ रहा। यही वजह है कि अब दोनों ही पड़ोसी मुल्कों के बीच टकराव को खत्म करने के लिए चीन 'चौधरी' बनता दिख रहा है। जानकारों के मुताबिक, भारत के प्रभाव को खत्म करने के लिए ड्रैगन ये दांव चल रहा।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्ते हमेशा से तल्ख नहीं थे। 2021 में काबुल के अंदर तालिबान की सत्ता में वापसी हुई। इसी के बाद से उनके बीच टकराव बढ़ा, जो इस समय सबसे भीषण संघर्ष तक पहुंच गया है। हालांकि, अब दोनों पड़ोसी देशों को समझाने और सैन्य संघर्ष को समाप्त करने के प्रयास शुरू हुई। दोनों ही देशों के रणनीतिकार चीन में वार्ता कर रहे हैं। चीन अपने सुरक्षा हितों के लिए दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने में सहायता कर रहा है। इसी के साथ चीन की कोशिश काबुल पर नई दिल्ली के प्रभाव को नियंत्रित करने की भी है। चीन ने इन घटनाक्रम को लेकर अहम टिप्पणी की है। पड़ोसी देश ने कहा कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच वार्ता में लगातार प्रगति हो रही है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि बातचीत की प्रक्रिया को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है और इसमें प्रगति भी हो रही है। तीनों पक्षों ने मीडिया कवरेज सहित एक विशिष्ट परिचालन पद्धति पर सहमति और व्यवस्थाएं बना ली हैं। पाकिस्तान-अफगानिस्तान संघर्ष में हालिया वृद्धि के बाद से, चीन अपने तरीके से मध्यस्थता और वार्ता को बढ़ावा दे रहा है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि हम अलग-अलग चैनलों और स्तरों के माध्यम से दोनों पक्षों के साथ घनिष्ठ संपर्क बनाए हुए हैं। हमारी कोशिश संवाद के लिए परिस्थितियां और मंच प्रदान करना है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश चीन के मध्यस्थता प्रयासों को महत्व देते हैं और उनका स्वागत भी कर रहे हैं। इसके साथ ही बातचीत के लिए फिर से बैठने को तैयार हैं, जो एक पॉजिटिव डेवलपमेंट है।

जानकारों के मुताबिक, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंध ड्रैगन को भी परेशान कर रहे। ये टकराव चीन के क्षेत्रीय हितों के खिलाफ काम कर रहे। ऐसा इसलिए क्योंकि अफगानिस्तान में कई चीनी कामगार मौजूद हैं और अफगानिस्तान को चीन से अलग करने वाला एक संकरा गलियारा है। बीजिंग को हमेशा से इस गलियारे के माध्यम से शिनजियांग क्षेत्र में उग्रवाद के प्रसार का डर रहा है। चीन को अफगानिस्तान में सक्रिय पूर्वी तुर्किस्तान इस्लामिक मूवमेंट को लेकर भी चिंताएं हैं।

हालांकि, अफगानिस्तान में बीआरआई प्रोजेक्ट में अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है। ये भी चीन को बेहद परेशान कर रहा है। यही नहीं ड्रैगन की नजर भारत और तालिबान के बीच बढ़ते संबंधों पर भी है, इससे चीन परेशान है। अफगान विशेषज्ञों के अनुसार, जिस तरह से भारत ने हाल के समय में अफगानिस्तान की ओर मदद के हाथ बढ़ाए हैं और बातचीत आगे बढ़ रही ये भी चीन को रास नहीं आ रहा। इसी वजह से बीजिंग भारत पर लगाम कसने के लिए पाकिस्तान को अफगानिस्तान के साथ संबंध फिर से मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित करने की कोशिश में जुटा है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस में खींचतान और गहराया

अजित पवार की प्लेन क्रैश में मौत के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का मामला जटिल होता दिख रहा है। एनसीपी के अंदरखाने चल रही खटपट में अब दो बड़े अपडेट सामने आए हैं। इसमें कहा जा रहा है कि सुनेत्रा पवार एनसीपी के विलय के लिए तैयार हैं, लेकिन दो सीनियर नेता प्रफुल पटेल व सुनील तटकरे ऐसा नहीं होने देने के लिए अड़े हुए हैं। सूत्रों की मानें तो दिल्ली दौरे में सुनेत्रा पवार की प्रफुल्ल पटेल से मुलाकात हुई लेकिन कोई रास्ता नहीं निकल पाया। प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे को लग रहा है कि विलय के बाद पार्टी की कमान शरद पवार के हाथों में चली जाएगी और फिर उस गुट के नेताओं का वर्चस्व बढ़ सकता है। दूसरा बड़ा अपडेट सुनेत्रा पवार के केंद्रीय चुनाव आयोग को लिखे गए पत्र को लेकर है।

पत्र बना 'मुश्किल': सुनेत्रा पवार ने राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद एक पत्र केंद्रीय चुनाव आयोग को लिखा था और कहा था कि 28 जनवरी के बाद के हुए पत्राचार को तवज्जो न दी जाए। अब इसमें नया पेंच सामने आया है कि अगर आयोग उस पत्र को रद्द करता है तो तो सबसे पहले सुनेत्रा पवार की अपनी नियुक्ति ही अवैध हो जाएगी, दरअसल, प्रफुल पटेल ने सुनेत्रा पवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त करने के संबंध में कार्यकारिणी की बैठक की सूचना और संबंधित दस्तावेज 28 जनवरी के बाद ही चुनाव आयोग को भेजे थे। यदि वह पत्राचार ही अमान्य हो जाता है, तो तकनीकी रूप से सुनेत्रा का चयन ही प्रक्रिया से बाहर हो जाएगा, जिससे उनका अध्यक्ष पद जाना लगभग तय माना जा रहा है। इस विवाद का सबसे बड़ा असर पार्थ पवार के राजनीतिक करियर पर पड़ता दिख रहा है। पार्थ पवार ने राज्यसभा चुनाव के लिए जो 'एबी फॉर्म' जमा किया है, उस पर प्रफुल पटेल और सुनील तटकरे के हस्ताक्षर हैं। सुनील तटकरे महाराष्ट्र एनसीपी के अध्यक्ष हैं जबकि प्रफुल्ल पटेल एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। पिछले दिनों यह चर्चा सामने आई थी कि सुनेत्रा पवार ने सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल को साइडलाइन कर दिया है लेकिन इसका पार्थ पवार ने खंडन कर दिया था। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि शरद पवार की अगुवाई वाली पार्टी विलय को इंतजार कर रही है। ऐसे में सुनेत्रा अब क्या फैसला लेंगी। इस पर सभी की नजरें टिक गई हैं। एक तरफ जहां पार्टी में खींचतान चल रही है तो वहीं दूसरी ओर बारामती से सुनेत्रा पवार को चुनाव लड़कर विधानसभा पहुंचना है। अभी तक बारामती में कुल ती नामांकन हुए है। कांग्रेस ने भी कैंडिडेट उतारने का ऐलान करके सुनेत्रा की मुश्किल बढ़ाई है। एनसीपी चाहती है कि अजित पवार जिस से सीट से कभी नहीं हारे। वहां से सुनेत्रा निर्विरोध चुनी जाएं। अजित पवार की मौत के बाद सरकार और पार्टी को संभाल रहीं सुनेत्रा पवार के सामने एक साथ कई चुनौतियां आ गई हैं।

सूखते स्रोत, बढ़ती मांग: 2026 में पानी सबसे बड़ी चुनौती

देश के सामने जल संकट अब भविष्य की आशंका नहीं, बल्कि वर्तमान की कठोर सच्चाई बनकर सामने खड़ा है। भूजल का स्तर लगातार गिर रहा है और कई क्षेत्रों में उसकी गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। वर्ष 2026 की स्थिति यह स्पष्ट संकेत दे रही है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो जल संकट आने वाले वर्षों में विकास, स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

केंद्रीय भूजल बोर्ड के वर्ष 2024 के आकलन के अनुसार देश की 3,415 आकलन इकाइयों में भूजल की स्थिति का मूल्यांकन किया गया। इनमें से 1,239 इकाइयां अति-दोहन की श्रेणी में पाई गईं। इसका अर्थ है कि इन क्षेत्रों में भूजल का उपयोग उसकी प्राकृतिक पुनर्भरण क्षमता से कहीं अधिक हो रहा है। यह स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो पेयजल और सिंचाई दोनों क्षेत्रों में संकट गहराना तय है।

स्थिति को और गंभीर बनाता है भूजल की गुणवत्ता का गिरना। नमूना-आधारित विश्लेषण में 3,415 इकाइयों में से 123 स्थानों पर आर्सेनिक की अधिक मात्रा दर्ज की गई, जबकि 2,537 नमूनों के परीक्षण में 24 स्थानों पर अन्य रासायनिक गुणवत्ता संबंधी समस्याएं सामने आईं। यह संकेत है कि कई क्षेत्रों में समस्या केवल पानी की कमी तक सीमित नहीं रही, बल्कि सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना भी चुनौती बनता जा रहा है।

जल संकट का दूसरा बड़ा कारण बढ़ती मांग है। आधिकारिक आकलनों में वर्ष 2025 तक कुल वार्षिक जल उपयोग की मांग 448.52 अरब घन मीटर तथा घरेलू जल उपयोग की मांग 247.22 अरब घन मीटर तक पहुंचने का अनुमान व्यक्त किया गया था। वर्ष 2026 में यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि बढ़ती आबादी, तेज शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के कारण जल संसाधनों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है और मांग-उपलब्धता का अंतर नीति-निर्माताओं के सामने गंभीर चुनौती बनता जा रहा है।

देश में जल उपयोग का सबसे बड़ा हिस्सा अभी भी कृषि क्षेत्र में खर्च होता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार लगभग 81.57 प्रतिशत जल सिंचाई में उपयोग होता है। पारंपरिक सिंचाई पद्धतियों के कारण पानी की बड़ी मात्रा नष्ट होती है। ऐसे में माइक्रो-इरिगेशन तकनीकों जैसे ड्रिप और स्प्रिंकलर का विस्तार जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। भूजल पुनर्भरण की स्थिति भी चिंता का विषय है। अनुमानतः लगभग 28.3 प्रतिशत भूजल पुनर्भरण मानसूनी वर्षा पर निर्भर है। वर्षा का असमान वितरण और वर्षा जल संचयन की कमजोर व्यवस्था कई क्षेत्रों में जल सुरक्षा को जोखिमपूर्ण बना रही है। यदि वर्षा जल संचयन को व्यापक स्तर पर लागू नहीं किया गया तो आने वाले समय में संकट और गहरा सकता है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने समस्या को और जटिल बना दिया है।

शहरों में जल निकायों पर अतिक्रमण, तालाबों और झीलों का क्षरण तथा भूजल पर बढ़ती निर्भरता ने पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को अस्थिर बना दिया है। दक्षिण भारत के कई शहरों में हाल के वर्षों में इसका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे चुका है।

नीति आयोग पहले ही चेतावनी दे चुका है कि देश के कई बड़े शहर गंभीर जल संकट की स्थिति का सामना कर सकते हैं। प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता में लगातार गिरावट इस खतरे को और स्पष्ट करती है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने जल शक्ति अभियान (2019), अटल भूजल योजना और जल जीवन मिशन जैसी पहलें शुरू की हैं। इन प्रयासों से सकारात्मक संकेत अवश्य मिले हैं, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि केवल सरकारी योजनाएं इस संकट का स्थायी समाधान नहीं बन सकतीं। जल संरक्षण को व्यापक जनभागीदारी से जोड़ना आवश्यक है।

तीन तरफ नदियों से घिरा पिनाराई विजयन का गांव

केरल के कन्नूर जिले में अरब सागर से महज 5 किलोमीटर दूर बसा छोटा-सा गांव पिनाराई, सिर्फ एक भूगोल नहीं बल्कि एक विचारधारा का केंद्र है। तीन तरफ नदियों से घिरा यह गांव राज्य के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की जन्मस्थली है और उनके नाम का सरनेम भी इसी गांव से जुड़ा है।

लेकिन पिनाराई की पहचान सिर्फ इतनी भर नहीं है। यह वही जमीन है, जहां 1939 में केरल में पहली बार कम्युनिस्ट आंदोलन की नींव पड़ी। गांव के पारापरम इलाके की एक पहाड़ी पर उस दौर में गुप्त बैठक हुई थी, जब ब्रिटिश हुकूमत ने कम्युनिस्ट पार्टी पर प्रतिबंध लगा रखा था।

कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी से अलग होकर नई विचारधारा की राह चुनने वाले नेताओं, जिनमें ईएमएस नंबूदिरीपाद जैसे बड़े नाम शामिल थे। करीब 40 नेताओं ने यहां गुप्त रूप से बैठक की और केरल में कम्युनिस्ट पार्टी की शुरुआत की। यही वह बीज था जिसने आगे चलकर भारत की पहली लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई कम्युनिस्ट सरकार को जन्म दिया।

पिनाराई में कदम रखते ही यह साफ महसूस हो जाता है कि यह गांव विचारधारा से संचालित है। यहां हर तरफ लाल झंडे, अर्जेंटीना के क्रांतिकारी चे ग्वेरा और भगत सिंह के पोस्टर और मुख्यमंत्री विजयन के बड़े-बड़े कटआउट नजर आते हैं। मानो पूरा गांव खुद को रेड जोन के रूप में पेश करता हो जहां राजनीति सिर्फ चुनाव नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है। गांव के अंदर सबसे पहले एक चाय और स्नैक्स की दुकान चलाने वाली वीणा ने बताया कि पिनाराई सिर्फ राजनीतिक पहचान तक सीमित नहीं है बल्कि विकास के मामले में भी आगे है। यहां हाईटेक अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, आईटीआई और बड़े आयोजनों के लिए आधुनिक सुविधाओं वाली अकादमियां मौजूद हैं।

पास से गुजर रही आईटीआई की शिक्षिका निमिषा ने बताया कि गांव की अधिकतर महिलाएं शिक्षित हैं। किसी न किसी रोजगार से जुड़ी हैं। हां ज्यादातर महिलाएं काम करती हैं, सिर्फ बुजुर्ग ही

घर पर रहती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री का गांव होने के कारण यहां उनका घर ही नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री का ऑफिस भी है। बड़ी समस्याओं के लिए लोग सीधे वहां पहुंच जाते हैं और नियमों के तहत मदद मिलती है।

गांव में आगे बढ़ते ही सीपीएम के कई दफ्तर दिखाई देते हैं। यह इलाका धर्मडाम विधानसभा क्षेत्र में आता है, जहां से मुख्यमंत्री विजयन चुनाव लड़ते हैं। पारापरम में सामुदायिक जीवन का केंद्र एक छोटा लेकिन समृद्ध लाइब्रेरी है। इसके भीतर चे ग्वेरा की बड़ी तस्वीर लगी है।

स्थानीय निवासी निमिषा बताती हैं, शाम को लोग यहां बैठकर राजनीति पर चर्चा करते हैं। कटहल के मौसम में हम सब मिलकर कटहल छीलते हैं और बांटते हैं। किसी उत्सव में पूरे गांव को पायसम बांटा जाता है। यहां सामुदायिक जीवन और राजनीतिक चेतना एक-दूसरे में घुली हुई नजर आती है।

गांव के सीपीएम दफ्तर में दुनिया भर के कम्युनिस्ट नेताओं की तस्वीरें और मुख्यमंत्री विजयन के बड़े कटआउट लगे हैं। मंडल के सीपीएम सचिव शशिधरन बताते हैं कि पिनाराई पंचायत में करीब 7 हजार घर हैं और लगभग 29 हजार मतदाता हैं। धर्मदोम विधानसभा क्षेत्र में ऐसी सात बड़ी ग्राम पंचायतें शामिल हैं। यह आंकड़ा बताता है कि यह सिर्फ एक गांव नहीं, बल्कि एक मजबूत राजनीतिक संरचना का हिस्सा है। गांव के अंदर आगे बढ़ने पर एक साधारण-से घर के बाहर दो पुलिसकर्मी खड़े दिखे। स्थानीय लोगों ने बताया कि यही मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन का घर है। उस समय उनकी पत्नी घर में मौजूद थीं। घर के सामने संकरी सड़क से आम लोग लगातार आते-जाते दिखे। आसपास निर्माण कार्य भी चल रहा था। स्थानीय पत्रकार सोजी बताते हैं, शांत दिखने वाला यह गांव केरल की राजनीति में खास जगह रखता है। 1945 में इसी गांव के एक साधारण मजदूर परिवार में विजयन का जन्म हुआ था। उन्होंने बताया कि गांव में बड़ा कन्वेंशन सेंटर है, जिसमें कई बड़े कल्चरल कार्यक्रम होते हैं।

गांव के पारापरम में आज भी उस ऐतिहासिक बैठक की याद जिंदा है। एक संकरी सड़क के किनारे बना स्मारक पत्थर के आधार से उठी हुई मुट्ठी उस संघर्ष और विचारधारा का प्रतीक है। दीवार पर 1939 अंकित है और उस बैठक में शामिल 40 नेताओं के नाम दर्ज हैं। यही वह दिन था, जब कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के नेताओं जैसे ईएमएस नंबूदिरीपाद, ए.के. गोपालन और पी. कृष्ण पिल्लई ने मिलकर केरल में कम्युनिस्ट पार्टी के गठन की नींव रखी थी। करीब 18 साल बाद इसी बीज ने फल दिया और देश में पहली बार लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई कम्युनिस्ट सरकार बनी।

पांच बड़े युद्धों में अमेरिका को पराजय का सामना करना पड़ा है

स्नेहा सिंह

ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिकी राष्ट्रपति अब असहाय नजर आ रहे हैं। आक्रामक हमलों के बावजूद ईरान को काबू में न कर पाने के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प और पेंटागन परेशान हैं। उनकी सभी गणनाएं उलट गई हैं और उनके कोई उद्देश्य पूरे नहीं हुए हैं।

अमेरिका ने जितना आसान यह युद्ध समझा था, वह उससे कहीं अधिक कठिन साबित हुआ है। अब अमेरिका किसी भी कीमत पर इस युद्ध से बाहर निकलना चाहता है और इसके लिए किसी बहाने या अवसर की तलाश में है। खास बात यह है कि इस युद्ध में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि अमेरिका को ईरान के सामने पराजय का सामना करना पड़ रहा है। ईरान ने समर्पण नहीं किया है, जबकि अमेरिका और इजराइल के हथियार कम पड़ रहे हैं और खर्च भी बहुत बढ़ चुका है।

वास्तव में यह पहली बार नहीं है, जब अमेरिका को युद्ध के दौरान पीछे हटना पड़ा हो। इससे पहले भी कई बार, विशेषकर पांच बड़े युद्धों में अमेरिका को गंभीर झटका लगा है और उसे युद्ध अधूरा छोड़ना पड़ा है।

दुनिया मानती है कि इन सभी स्थितियों में अमेरिका को हार का सामना करना पड़ा और उसे पीछे हटना पड़ा। इतिहासकारों के अनुसार, लगभग दो दशकों तक वियतनाम में युद्ध लड़ने के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी थक गए थे और उन्हें पीछे हटना पड़ा। 1955 से 1975 तक यह संघर्ष चला। अंततः अमेरिका को हटना पड़ा और वियतनाम की जीत हुई। इसके बाद पूरा देश साम्यवादी शासन के तहत एकजुट हो गया। अमेरिका ने 20वीं सदी में प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के अलावा लगभग 25 सैन्य हस्तक्षेप किए और 21वीं सदी में भी उसकी आक्रामक नीति जारी रही।

'इतने में पांच मलयालम फिल्में कर लूंगा', एक्टर टोविनो थॉमस ने बताया क्यों छोड़ी जूनियर एनटीआर की 'ड्रैगन'?

प्रशांत नील की आगामी फिल्म 'ड्रैगन' की फैंस बीच काफी चर्चा है। यह एक एक्शन कॉमेडी फिल्म होगी। फिल्म में पहले अभिनेता टोविनो थॉमस भी थे। मगर अब उन्होंने फिल्म छोड़ दी है जिसका कारण भी एक्टर ने अपने फैंस को बताया।

टोविनो ने क्यों छोड़ी फिल्म?

निर्देशक प्रशांत नील की फिल्म 'ड्रैगन' एक हाई बजट फिल्म है जिसका फैंस को लंबे वक्त से इंतजार है। प्रशांत ने इस फिल्म को जूनियर एनटीआर के साथ शुरू किया। कुछ दिनों बाद खबर मिली कि मलयालम स्टार टोविनो थॉमस इसमें विलन के रोल में नजर आएंगे।

'इस फिल्म के चलते कई फिल्में प्रभावित होंगी'

अब अपनी अगली फिल्म 'पल्ली एक्ट बी' के एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान एक्टर ने आधिकारिक रूप से इसे फिल्म को छोड़ने की घोषणा की। टोविनो ने कहा, 'मैं हमेशा से तेलुगु सिनेमा में काम करना चाहता था। मगर मॉलिवुड फिल्मों के काम करने का तरीका और टॉलीवुड का बहुत बड़ा अंतर है। हम बहुत कम समय में शूटिंग पूरी कर लेते हैं। वहीं तेलुगु फिल्मों की शूटिंग में काफी वक्त लगता है। मैं एक साथ कई फिल्मों में काम नहीं कर सकता। अगर मैं एनटीआर-नील की फिल्म को इतना वक्त दूंगा तो मेरी चार-पांच मलयालम फिल्में प्रभावित हो जाएंगी। ऐसे में मैं यह फिल्म छोड़ चुका हूं।'

फिल्म 'ड्रैगन' की रफ्तार हुई धीमी

वहीं दूसरी तरफ 'केजीएफ' और 'सलार' जैसी फिल्में बनाने के बाद अब प्रशांत नील अपनी बहुप्रतिक्षित फिल्म 'ड्रैगन' पर काम कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग पिछले साल फरवरी में शुरू हुई थी। इसके लिए जूनियर एनटीआर अपनी फिजीक पर जमकर काम किया था। इसके साथ ही उन्होंने केरल के परंपरिक मार्शल आर्ट्स कलारीपयट्टु की भी काफी ट्रेनिंग ली। हालांकि, फरवरी के बाद ही प्रशांत नील ने स्क्रिप्ट को और बेहतर बनाने के लिए लगभग छह महीने का ब्रेक लिया और फिल्म का शेड्यूल आगे खिसक गया। अब इसमें लगातार देरी हो रही है।

कब रिलीज होगी 'ड्रैगन'?

फिल्म 'ड्रैगन' एक पैन इंडिया प्रोजेक्ट है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी फिल्म में लंबी स्टार कास्ट हो सकती है। जूनियर एनटीआर फिल्म में मुख्य किरदार में हैं। फिल्म एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है। रिपोर्ट्स के अनुसार पहले 2026 होने वाली फिल्म अब 2027 तक रिलीज हो सकती है।

प्रभु देवा के दामन पर बेवफाई का दाग! धर्म बदलने को तैयार थीं नयनतारा, 3 शर्तों की बलि चढ़ा 'नाजायज' प्यार

'इंडिया का माइकल जैक्सन' कहे जानेवाले प्रभु देवा एक बार डांस कर रहे थे, तभी उनके शरीर ने अचानक काम करना बंद कर दिया और वह जमीन पर गिर पड़े और उन्हें पैरालिटिक अटैक आया था। वहीं प्रभु देवा के लिए पहली पत्नी जहां मुस्लिम से हिंदू बनीं, वहीं नयनतारा भी धर्म बदलने के लिए तैयार थीं। प्रभु देवा की तीसरी शर्त ने नयनतारा से उनका रिश्ता खत्म कर दिया।

प्रभु देवा नयनतारा रिलेशनशिप

फिल्म इंडस्ट्री में कुछ ऐसे सितारे होते हैं, जिनकी कहानी सिर्फ सफलता की नहीं, बल्कि संघर्ष, मेहनत और हिम्मत की मिसाल बन जाती है। ऐसा ही एक नाम है प्रभु देवा का, जिन्हें 'इंडिया का माइकल जैक्सन' कहा जाता है। अपने डांस स्टाइल से करोड़ों लोगों को दीवाना बनाने वाले प्रभु देवा ने अपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। उनके करियर में एक ऐसा भी पल आया, जब शूटिंग के दौरान अचानक उनके शरीर ने काम करना बंद

कर दिया और उन्हें पैरालिटिक अटैक आया था। वहीं शादीशुदा और 3 बच्चों के पिता रह चुके प्रभु देवा नयनतारा के साथ अपने रिश्ते को भी लेकर काफी चर्चा में रहे थे। हालांकि, नयनतारा के सामने उन्होंने तीन शर्तें रखी थीं, जिसमें से तीसरी शर्त ने उनके इस प्यार को तहस-नहस कर दिया।

एक समय था जब नयनतारा और प्रभु देवा की प्रेम कहानी फिल्म इंडस्ट्री में सबसे सुर्खियों में रहा करती थी। 'विल्लू' की शूटिंग के दौरान उनके बीच ये रिश्ता शुरू हुआ और यहीं से काफी चर्चा भी होने लगी थी। कहते हैं कि शादीशुदा प्रभु देवा के लिए उनकी पत्नी रामलता तक से भिड़ने वाली नयनतारा से उनका रिश्ता एक शर्त की वजह से खत्म हो गया।

प्रभु देवा के लिए पहली पत्नी मुस्लिम से बनी थीं हिंदू

यहां ये भी बता दें कि प्रभु देवा ने पहली शादी 1995 में रामलता से शादी की थी। शादी से पहले रामलता मुस्लिम थीं, लेकिन प्रभु देवा से शादी करने के लिए उन्होंने हिंदू धर्म अपना लिया था और अपना नाम बदलकर लता रख लिया था। इस शादी से उन्हें तीन बेटे हुए,जिनमें से बड़े बेटे की मौत कैंसर की वजह से हो गई। रामलता ने एक इंटरव्यू में कहा भी था, 'प्रभु देवा के बच्चे ही उनकी जिंदगी हैं। उन्हें दोनों से बेहद लगाव है। बाप-बेटे की यह तिकड़ी हर परिस्थिति में आपस में बात करती है। बच्चों से जुड़े हर फैसले हम आपसी सहमति से लेते हैं।'

तापसी पन्नू बोलीं- फिल्में फ्लॉप हुईं, पनौती कहा गया कंटेंट-ड्रिवन फिल्मों से इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाई

दिल्ली के एक साधारण परिवार से निकलकर इंजीनियरिंग करने वाली तापसी पन्नू ने कभी नहीं सोचा था कि वह ग्लैमर इंडस्ट्री में पहचान बनाएंगी। मॉडलिंग से शुरुआत कर उन्हें साउथ फिल्म इंडस्ट्री में मौका मिला, लेकिन वहां लंबे समय तक सिर्फ ग्लैमरस किरदारों तक सीमित रहीं। कई फिल्मों के फ्लॉप होने पर उन्हें पनौती कहा गया, जिससे आत्मविश्वास को गहरा झटका लगा।

बॉलीवुड में एंट्री आसान नहीं रही। 'चश्मे बद्दूर' से डेब्यू के बाद असफलताओं और आत्म-संदेह के दौर में तापसी ने खुद को संभाला। उन्होंने स्वीकार किया कि वह अपने लुक, आत्मविश्वास और काबिलियत को लेकर असुरक्षित महसूस करती थीं। इस संघर्ष ने उन्हें मजबूत बनाया और बेहतर फैसले लेना सिखाया।

फिर आया टर्निंग पॉइंट- पिंक। इस फिल्म ने उनकी इमेज बदली और उन्हें गंभीर अभिनेत्री के रूप में पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने कंटेंट-ड्रिवन फिल्मों का रास्ता चुना और इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाई।

1984 दंगों का परिवार पर असर

तापसी पन्नू का जन्म 1 अगस्त 1987 को नई दिल्ली में जाट सिख परिवार में हुआ। उनके पिता दिलमोहन सिंह पन्नू सेवानिवृत्त रियल एस्टेट एजेंट हैं, जबकि मां निर्मलजीत कौर पन्नू गृहिणी हैं। परिवार शक्ति नगर में रहता था और 1984 के सिख-विरोधी दंगे के दौरान हिंसा का सामना किया, लेकिन पड़ोसियों की मदद से सुरक्षित बच निकले। उनकी एक छोटी बहन शगुन पन्नू हैं।

स्कूलिंग और शुरुआती शिक्षा

तापसी ने स्कूली शिक्षा माता जय कौर पब्लिक स्कूल, अशोक विहार से पूरी की। इसके बाद गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में डिग्री ली। इंजीनियरिंग के बाद वह सॉफ्टवेयर कंपनी में नौकरी कर रही थीं। इसी दौरान पार्ट-टाइम कुछ नया करने के लिए मॉडलिंग ट्राय की।

ग्लैमर इंडस्ट्री में आने का मकसद सिर्फ एक्स्ट्रा कमाई

तापसी बताती हैं कि शुरुआत में मकसद सिर्फ एक्स्ट्रा कमाई और एक्सपोजर था, न कि ग्लैमर इंडस्ट्री में करियर बनाना। लेकिन काम मिलने पर लगा कि इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। तापसी ने 2008 में "गेट गॉर्जियस" टैलेंट शो में हिस्सा लिया, जहां से पहचान मिली और मॉडलिंग को फुल-टाइम करियर बना लिया। मॉडलिंग के दौरान उन्होंने "पैंटालून्स फेमिना मिस फ्रेश फेस" और "साफी फेमिना मिस ब्यूटीफुल स्किन" जैसे खिताब जीते।

सुरभि ज्योति जुड़वा बच्चों को देंगी जन्म? बेबी बंप और सोनोग्राफी देख फैंस बोले- डबल खुशखबरी!

टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति 4 महीने प्रेग्नेंट हैं। सुमित सूरी से शादी के बाद वह पहली बार मां बनने वाली हैं। एक ओर जहां उनके प्रेग्नेंसी ग्लो वाली तस्वीरों ने फैंस का दिल जीत लिया है, वहीं एक्ट्रेस के बेबी बंप और सोनोग्राफी रिपोर्ट को देखकर कयास लगने लगे हैं कि वह जुड़वा बच्चों को जन्म देने वाली हैं।

'कुबूल है' और 'नागिन 3' फेम सुरभि ज्योति की प्रेग्नेंसी को 4 महीने हो चुके हैं। सोशल मीडिया पर जहां वह बेबी बंप में अपनी बेहद खूबसूरत तस्वीरें शेयर कर फैंस का दिन बना रही हैं, वहीं सोशल मीडिया पर चर्चा चल पड़ी है कि वह जुड़वा बच्चों को जन्म देंगी। असल में इन कयासों के पीछे फैंस के अपने तर्क हैं। जालंधर में पैदा हुईं 37 साल की सुरभि ने जो ताजा तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें उनके बेबी बंप का आकार और इंस्टा स्टोरी में सोनोग्राफी टेस्ट रिपोर्ट को देखकर यह अंदाजा लगाया जा रहा है। हालांकि, अभी तक एक्ट्रेस या उनके एक्टर पति सुमित सूरी ने इसको लेकर कोई पुष्टि नहीं की है। लेकिन इंटरनेट पर फैंस अभी से 'डबल खुशखबरी' का जश्न मनाने लगे हैं।

छोटे पर्दे पर 'ज़ोया फारूकी अहमद खान' का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीतने वाली सुरभि ज्योति ने इसी साल फरवरी में प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था। इसके बाद से ही वह इंस्टाग्राम पर अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी को लेकर पोस्ट्स शेयर कर रही हैं। एक दिन पहले ही उन्होंने एक प्रेग्नेंसी ट्रेंड को फॉलो करते हुए रील वीडियो पोस्ट किया है। लोग इस पर खूब प्यार बरसा रहे हैं।

सुरभि ज्योति ने शेयर की तस्वीरें, बेबी बंपर पर अटकी नजर

टीवी और पंजाबी फिल्मों की एक्ट्रेस सुरभि ज्योति ने पांच दिन पहले भी सफेद रंग की ड्रेस में अपनी बेहद प्यारी तस्वीरें शेयर की थीं। इसमें उनका बेबी बंप और प्रेग्नेंसी ग्लो साफ फैंस का दिल लूट रहा है। उन्होंने तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, 'ऐसा लग रहा है जैसे मैं खुद एक 'लव लेटर' बन गई हूं।'

एक्टर रणदीप हुड्डा की मां की फिल्मों में एंट्री : पहली मूवी में निभाया दादी का किरदार; बेटे ने दी बधाई

डेढ़ साल पहले मिला ऑफर: आशा हुड्डा ने बताया कि करीब डेढ़ साल पहले सोनीपत की रहने वाली फिल्म क्रिएटर गीतू परी ने उन्हें फिल्म में रोल के लिए कॉल किया था। गीतू ने उन्होंने 'सांगी फिल्म' में उनके किरदार के बारे में बताया। इसके बाद उन्होंने फिल्म में एक दादी का रोल निभाया।

जींद में हुई दादी के रोल की शूटिंगः आशा ने बताया कि जींद और आसपास के एरिया में उनके किरदार की शूटिंग हुई। एक-दो दिन में ही उनके हिस्से की शूटिंग पूरी हो गई। उन्होंने बताया कि हरियाणा की संस्कृति को सिनेमा पर दिखाने के लिए ही उन्होंने यह रोल साइन किया।

डेढ़ साल पहले हुई शूटिंगः आशा ने आगे बताया कि करीब डेढ़ साल पहले वह जींद में शूटिंग

पूरी की थी। शूटिंग के बाद जब मैं घर लौटी तो रणदीप को इसके बारे में बताया। एक्टिंग की बात सुनकर रणदीप काफी देर तक हंसता रहा। बोलने लगा कि मां, दादी का रोल कर रही है।

पहला अनुभव रहा बेहतरीनः पहली बार हरियाणवी फिल्म में इंडस्ट्री से अपनी शुरुआत करने वाली आशा हुड्डा ने कहा है कि उनका यह पहला प्रोजेक्ट बहुत बेहतरीन रहा और काफी अच्छा एक्सपीरियंस रहा है। आगे भी जब उन्हें मौका मिलेगा, तो वह लगातार किरदार करेंगी। रणदीप से मजाक में मांगा रोलः आशा बताती हैं कि अपने स्ट्रगल टाइम से निकाल कर जब रणदीप हुड्डा ने बॉलीवुड में जगह बनाई, उसके बाद कभी-कभी मजाक में रणदीप से कहती थी कि कभी मां का रोल मिले तो मुझे भी कास्ट करना।

रणबीर कपूर की फिल्म रामायण के टीजर पर विवाद

भारत से पहले विदेश में दिखाने पर भड़के फैंस, प्रोड्यूसर बोले- बंटवारा मत कीजिए, राम सबके हैं

सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि रामायण पर बनी इस फिल्म पर पहला हक भारतीय दर्शकों का है। इसी दौरान नमित मल्होत्रा ने मीडिया से बातचीत में कहा, प्लीज, बंटवारा मत कीजिए। यह बांटने का समय नहीं है। अमेरिका में रहने वाले भारतीय हमारा शुक्रिया अदा कर रहे हैं और तारीफ कर रहे हैं।

आपको वहां रहने वाले भारतीयों की

भावनाओं को भी समझना होगा। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में भारतीय रहते हैं और राम सबके लिए एक ही हैं।

रणबीर कपूर के गायब रहने पर उठे सवाल

रामायण का टीजर रिलीज करने के लिए मुंबई और दिल्ली समेत देश के 8 बड़े शहरों में कार्यक्रम हुए। लेकिन इस बीच रणबीर कपूर की गैरमौजूदगी की चर्चा रही। फिल्म में भगवान राम का किरदार निभा रहे रणबीर खुद अपनी ही फिल्म के इतने बड़े इवेंट में नहीं पहुंचे। 2 अप्रैल की सुबह रणबीर कपूर का भगवान राम के रूप में पहला लुक सोशल मीडिया पर जारी किया गया। इसके बाद मुंबई में एक बड़ा मीडिया इवेंट रखा गया था। डायरेक्टर नितेश तिवारी और प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा मंच पर मौजूद थे मगर पूरी शाम बीत जाने के बाद भी रणबीर वहां नजर नहीं आए।

संजय गुप्ता बोले- खोदा पहाड़, निकली चुहिया

'रामायण' का टीजर रिलीज होते ही फिल्ममेकर संजय गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा- 'खोदा पहाड़... निकली चुहिया'। हालांकि गुप्ता ने अपनी पोस्ट में किसी फिल्म का नाम नहीं लिया, लेकिन लोग इसे सीधे तौर पर नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' से जोड़कर देख रहे हैं।

सोनू सूद ने बहन संग पंजाब में बनवाए 100 से ज्यादा घर बाढ़ में हो गए थे तबाह, बोले- बहुत सारे बनने बाकी

2025 में पंजाब बाढ़ में 13 जिलों के 1400 गांव प्रभावित हुए थे और लोगों ने खेती और कमाई के जरिए के साथ-साथ घर भी खो दिए थे। सोनू सूद ने तब लोगों की मदद की थी और अब फिर हाजिर हैं। उन्होंने बहन के साथ मिलकर 100 से अधिक घर बनवाए हैं और कहा है कि जितने भी घर होंगे वो बनवाएं और सुनिश्चित करेंगे कि सबके सिर पर छत हो।

सोनू सूद कोरोना काल में प्रवासी मजूदरों के लिए 'मसीहा' बनकर उभरे थे। उन्होंने न सिर्फ सैंकड़ों लोगों को उनके घर पहुंचाने में मदद की थी, बल्कि जरूरत की चीजें, अस्पताल, दवाइयां और बेड तक मुहैया करवाए थे। वह आज भी जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर जो भी सोनू सूद से मदद मांगता है, वह तुरंत उसके लिए हाजिर होते हैं। साल 2025 में पंजाब में आई बाढ़ के वक्त भी उन्होंने लोगों की खूब मदद की थी। वह तब ट्रैक्टर लेकर पंजाब के बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंच गए थे। अब वह एक बार फिर उनकी मदद को आगे आए हैं। सोनू सूद अब उन घरों को दोबारा बनाने में मदद कर रहे हैं, जो बाढ़ की भेंट चढ़ गए।

पंजाब बाढ़ में 1400 गांव प्रभावित, उजड़े लोगों के आशियाने

अगस्त 2025 में पंजाब के 13 जिलों के करीब 1400 गांव बुरी तरह प्रभावित हुए थे। कई परिवारों ने अपने लोग और आशियाने खो दिए। खाने-पीने का जरिया भी नहीं रहा। न जाने कितने ही लोगों के सिर से छत हट गई। तब सोनू सूद अपनी टीम लेकर पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंच गए थे। अब एक बार वह फिर उनकी मदद को खड़े हुए हैं और उजड़े हुए घर बनवा रहे हैं।

सोनू सूद फिर मदद को आए आगे, बनवा रहे उजड़े घर

सोनू सूद ने बताया कि वह और उनकी बहन 100 से अधिक घर तो दोबारा बनवा चुके हैं, पर अभी बहुत सारे घर और रहते हैं। सोनू सूद ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह कह रहे हैं, 'हमने देखा कि पंजाब में जो बाढ़ आई, उसमें क्या तकलीफें हुईं लोगों को...हमने ऑनग्राउंड जाकर देखा। इतने महीनों में हमने उन परिवारों को, उन घरों को मॉनिटर किया जिनके घर बाढ़ के दौरान टूट गए, बह गए और उन परिवारों के पास छत नहीं थी।

'हर सिर पर छत जरूर हो'

सोनू सूद ने आगे कहा, दो संस्थाए मिलकर उन परिवारों से बात की। उनके घरों में गए, उनकी तकलीफें समझीं और खुद एक वादा किया कि कितने भी घर हों...200 हों, 250 हों या 300..कितने भी घर हों, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हर इंसान के सिर पर एक छत जरूर हो।' कितने भी घर हों...200 हों, 250 हों या 300..कितने भी घर हों, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हर इंसान के सिर पर एक छत जरूर हो।

'100 से ज्यादा घर बनवा चुके, बहुत बनने बाकी'

सोनू सूद फिर बोले, 'मेरी बहन मालविका सूद पंजाब में रहती है। उन लोगों ने पर्सनली जाकर उन परिवारों से बातचीत की, और हर परिवार की तकलीफों को दूर करने की ठानी। आज करीबन 100 से ऊपर घर बन चुके हैं, और बहुत सारे घर अभी बनने बाकी हैं।'

'सैयारा' के बाद अहान पांडे को मिली दूसरी फिल्म शरवरी के साथ करेंगे रोमांस

फिल्ममेकर अली अब्बास जफर ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म अभी अनटाइटल्ड है और यह यश राज फिल्म्स के बैनर तले बनेगी। जिसमें सैयारा से डेब्यू करने वाले अहान पांडे लीड रोल में होंगे। इसके अलावा फिल्म में शरवरी वाघ, ऐश्वर्य ठाकरे और बॉबी देओल भी होंगे।

साथ ही उन्होंने एक तस्वीर शेयर की, जिसमें अहान पांडे की इंटेंस आंखें और एक क्लैपबोर्ड दिखाई दे रहा है। यह उनके किरदार की शुरुआती झलक मानी जा रही है, जिसमें एक्शन और रोमांस के एलिमेंट्स मिले हुए हैं। बता दें कि यह फिल्म आदित्य चोपड़ा और अली अब्बास जफर की पांचवीं फिल्म होगी। इससे पहले दोनों मेरे ब्रदर की दुल्हन, गुंडे, सुल्तान और टाइगर जिंदा है, में साथ काम कर चुके हैं।

फिल्म में रोमांस के साथ एक्शन भी होगा

फिल्म को लेकर आईएएनएस के साथ बातचीत में एक सूत्र ने बताया कि सैयारा की बॉक्स ऑफिस सफलता के बाद अहान पांडे को जेन Z के प्रमुख मेल एक्टर्स में माना जा रहा है। वहीं शरवरी मुंज्या जैसी 100 करोड़ रुपए की फिल्म का हिस्सा रह चुकी हैं। सूत्र के अनुसार, दोनों कलाकारों ने अपनी एक्टिंग के दम पर दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने की क्षमता दिखाई है। इसी वजह से बड़े फिल्ममेकर इन पर भरोसा जता रहे हैं। सूत्र ने यह भी कहा कि अली अब्बास जफर इस जोड़ी के साथ एक ऐसी फिल्म बना रहे हैं जिसमें रोमांस मुख्य होगा और साथ में एक्शन भी शामिल रहेगा। लंबे समय बाद नए कलाकारों के साथ ऐसी फिल्म बनाई जा रही है, जिनकी बॉक्स ऑफिस पर पहचान बन चुकी है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने परोसा मिड डे मील

खिलखिलाए बच्चे, 'स्कूल चलो अभियान' के शुभारंभ पर दिया ये मंत्र

वाराणसी, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में सरकार की ओर से स्कूलों में नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के साथ ही 'स्कूल चलो अभियान' का आगाज किया गया है। इस क्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ स्वयं बच्चों के बीच पहुंचे। उन्होंने स्कूल चलो अभियान के शुभारंभ पर बच्चों को मिड-डे मील परोसा। स्टूडेंट्स को स्कूल बैग, पाठ्य पुस्तकों के साथ उपहार एवं चॉकलेट भी दिए। सीएम योगी ने इस मौके पर सरकारी स्कूल के बच्चों को हर रोज स्कूल आने का मंत्र दिया। वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने पांच निपुण स्कूलों को पुरस्कार भी प्रदान किए। बच्चे भी सीएम योगी को अपने बीच पाकर काफी खुश दिखे।

शिवपुर के कंपोजिट विद्यालय में 'स्कूल चलो' अभियान के शुभारंभ पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्कूली छात्र-छात्राओं को को मिड-डे मील परोसा। उन्होंने अत्यंत श्रद्धा भाव से बच्चों को भोजन कराया। इस पर बच्चों ने भी खिलखिलाकर सीएम के प्रति आभार प्रकट किया। जब मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि रोज स्कूल आना और मेहनत से पढ़ना, तो बच्चों ने भी सिर हिलाकर हामी भरी। बच्चों ने मासूमियत से हाथ जोड़कर सीएम योगी को प्रणाम किया। बच्चों को भोजन परोसने में सीएम के साथ उनके मंत्री एवं जनप्रतिनिधि भी शामिल रहे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने नए शैक्षणिक सत्र की किताबों का भी वितरण किया। सीएम योगी के हाथों मंच पर कक्षा-1 के छात्र विकास, छात्रा अंशिका गुप्ता, कक्षा-2 की छात्रा श्रेया सोनकर, कक्षा-3 की छात्रा कजरी, कक्षा-4 की दीपशिखा, कक्षा-5 की रोली सोनकर, कक्षा-6 की श्रेया यादव, कली केसरी, कक्षा-7 की रूचि यादव, कक्षा-8 की साक्षी गुप्ता को स्कूल बैग, पाठ्य पुस्तकें, किट, उपहार एवं चॉकलेट मिली। इस दौरान बच्चों की सहज-सरल मुस्कान ने सभी का दिल जीता।

सीएम के हाथों जिले के पांच निपुण विद्यालयों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्राथमिक विद्यालय नयापुर सेवापुरी के प्रधानाचार्य कपिल देव लाल बहादुर, प्राथमिक विद्यालय शगुनहा बड़ागांव की हेडमास्टर सुष्मिता भारती, प्राथमिक विद्यालय फरीदपुर विकास क्षेत्र चिरईगांव के प्रधानाचार्य शशिकांत सिंह, कंपोजिट विद्यालय भतसार अराजीलाइन की नीतू यादव, कंपोजिट विद्यालय महमूरगंज की प्रीति त्रिवेदी को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

सीएम योगी ने जिले के पांच निपुण विद्यार्थियों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किए। सीएम ने ये प्रमाण पत्र प्राथमिक विद्यालय, नयापुर सेवापुरी के कक्षा-1 के छात्र अभय कुमार पटेल , प्राथमिक विद्यालय, शगुनहा, विकास क्षेत्र बड़ागांव की कक्षा-2 की जाह्नवी, प्राथमिक विद्यालय, फरीदपुर चिरईगांव के कक्षा-1 के श्रेयांश, कंपोजिट विद्यालय भतसार, अराजी लाइन की कक्षा-1 की नैन्सी और कंपोजिट विद्यालय महमूरगंज की कक्षा-2 की छात्रा सरस्वती को दिए।

कार्यक्रम की शुरुआत में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। आर्य महिला इंटर कॉलेज लहुराबीर की छात्राओं ने सरस्वती वंदना की मनभावन प्रस्तुति दी।

हजारीबाग निर्भया कांड : महिला आयोग को पुलिस ने दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए

अंबा प्रसाद ने भी उठाए सवाल

रांची, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग जिले में कथित रूप से ''तांत्रिक अनुष्ठान'' में 12 वर्षीय लड़की की हत्या मामले की जांच कर रही राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की तीन सदस्यीय समिति ने शुक्रवार को घटनास्थल का दौरा किया। आयोग की टीम ने बच्ची के परिवार, स्थानीय लोगों और पड़ोसियों से मुलाकात की।

हालांकि, समिति ने कहा कि उसे इस घटना से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज अभी तक नहीं दिए गए हैं। वहीं कांग्रेस की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने भी उठाए सवाल।

इस समिति में ममता कुमारी, मनमोहन वर्मा और कंचन शामिल हैं।

उन्होंने मामले के आरोपी तांत्रिक के रिश्तेदारों से भी

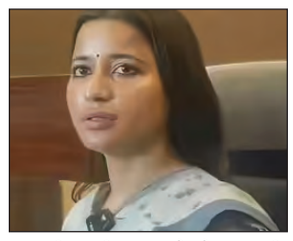

बातचीत की। मामले में लड़की की मां सहित दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

आयोग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि स्थानीय प्रशासन ने जांच अधिकारी और थाना प्रभारी या आरोपी व्यक्तियों से मिलने की सुविधा नहीं दी (न्यायिक हिरासत का हवाला देते हुए)। पुलिस ने अहम दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए।

आयोग ने कहा कि समिति ने बाद में जिले के पुलिस अधीक्षक और उपायुक्त से मुलाकात की और उन्हें सभी संबंधित दस्तावेज तुरंत उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, जिसके बाद आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा।

एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि पुलिस ने कुसुंभा गांव से लड़की की मां रेशमी देवी (35), तांत्रिक (55), शांति देवी और 40 वर्षीय भीम राम को गिरफ्तार किया है।

हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन और हजारीबाग के डीआईजी अंजनी झा ने इन गिरफ्तारियों की जानकारी दी।

अंजनी अंजन ने बताया कि रेशमी देवी अक्सर अपने सबसे छोटे बेटे के इलाज के लिए अपने गांव में एक तांत्रिक (जादू-टोना करने वाले) के पास जाती थीं। उसका बेटा किसी मानसिक और शारीरिक बीमारी से पीड़ित है।

उन्होंने बताया कि तांत्रिक ने उसकी मां से कहा कि बेटे को सभी बीमारियों से ठीक करने के लिए उन्हें एक कुंवारी लड़की की बलि देनी होगी।

अधिकारी ने बताया कि 24 मार्च को अष्टमी की रात को जब पूरा गांव उत्सव के जश्न में डूबा हुआ था और मंगला जुलूस (राम नवमी की शोभायात्रा) देख रहा था, तब शांति देवी के घर में लड़की की मां और भीम राम ने कथित तौर पर उसका गला घोंटकर हत्या कर दी।

कांग्रेस की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने हजारीबाग पुलिस की थ्योरी पर कई सवाल उठाते हुए कहा कि इस चंदा मामा वाली कहानियों पर किसी को विश्वास नहीं है। इसलिए इस पूरे मामले की निष्पक्षता से जांच जरूरी है।

साहेबगंज में पति की खौफनाक साजिश

तेजाब से चेहरा जलाने के बाद पत्नी का गला रेता, गंगा में मिला शव

साहेबगंज, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। साहेबगंज जिले के उधवा से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां एक पति पर अपनी पत्नी की हत्या करने का आरोप लगा है। मामला राधानगर थाना क्षेत्र के पूर्वी प्राणपुर पंचायत का है। यहां एक पति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर शव को गंगा नदी में फेंक दिया।

इस बात का पता उस समय चला जब महिला का शव गंगा के पानी में बहता हुआ किनारे आ गया। शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव की पहचान हयात अली टोला निवासी संतरा खातून के रूप में हुई।

बताया जा रहा है कि करीब 8 साल पहले संतरा खातून की शादी डकैत टोला निवासी राहुल शेख से हुई थी, लेकिन शादी के कुछ वर्षों बाद ही दहेज को लेकर विवाद बढ़ने लगा। आरोप है कि पति लगातार पैसों की मांग करता था, जिससे तंग आकर करीब दो साल पहले मायके वाले अपनी बेटी को वापस ले आए थे। तब से वह अपने मायके में ही रह रही थी।

मंगलवार को आरोपी पति ने तबीयत खराब होने का बहाना बनाकर पत्नी को अपने झांसे में लिया और गंगा किनारे ले गया। परिजनों की मानें तो यह पूरी घटना पहले से रची गई साजिश थी। आरोप है कि वहां उसने पहले महिला के चेहरे पर तेजाब से हमला किया। ताकि उसकी पहचान नहीं हो सके। फिर धारदार हथियार से गला रेतकर उसकी निर्मम हत्या कर दी।

महिला के चेहरे पर जलने के निशान, गले पर गहरे जख्म

स्थानीय लोगों के अनुसार, महिला के चेहरे पर जलने के निशान और गले पर गहरे जख्म पाए गए हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी, थाना प्रभारी हसनैन अंसारी और राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

बैंककर्मी दोस्त ने स्कॉटलैंड की महिला बनकर 3 करोड़ ठगे

बिलासपुर, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में कैंसर अस्पताल और लॉ कॉलेज खोलने के नाम पर वकील से करीब 3 करोड़ रुपए की ठगी हुई है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने पीड़ित को स्कॉटलैंड से 103 करोड़ रुपए का डिमांड ड्राफ्ट भेजने का झांसा दिया।

इस रकम को क्लियर कराने के नाम पर अलग-अलग प्रोसेसिंग फीस और टैक्स के बहाने 3 करोड़ रुपए वसूल लिए गए। काफी समय तक डिमांड ड्राफ्ट क्लियर नहीं होने पर पीड़ित को संदेह हुआ। जांच करने पर खुद के साथ ठगी होने का एहसास हुआ। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में पीड़ित ने बैंक कर्मी दोस्त पर ठगी के आरोप लगाए थे, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

स्कूल बस ने बीसीए छात्र को रौंदा, हंगामा

बहन ने गाड़ियां रोकीं, पुलिस ने घसीटकर हटाया मां से धक्का-मुक्की, मोतिहारी में उपराष्ट्रपति

मोतिहारी, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति सी राधाकृष्णन आज शनिवार को मोतिहारी पहुंचे हैं। उनके आने से पहले मोतिहारी में जोरदार हंगामा हुआ। दरअसल, स्कूल बस की चपेट में आने से बीसीए के एक छात्र की मौत हो गई।

घटना नगर थाना क्षेत्र स्थित हॉस्पिटल चौक की है। मृतक की पहचान हरसिद्धि थाना क्षेत्र निवासी विजय सिंह कटहरा के बेटे अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। वो कॉलेज एग्जाम देने के लिए आया था।

छात्र की मौत के बाद परिजन और छात्रों ने हंगामा करते हुए सड़क जाम कर दिया। छोटी बहन सड़क पर डेड बॉडी रखकर गाड़ियों को रोकती नजर आई। वहीं मां का रो-रोकर बुरा हाल है। करीब 3 घंटे तक सड़क जाम रहा। एसपी-डीएसपी ने समझाने की कोशिश की, नहीं मानने पर उन्हें सड़क से घसीट कर हटाया गया। हाथापाई की नौबत आ गई, इस दौरान मृतक की मां के साथ धक्का-मुक्की का वीडियो भी सामने आया। परिजनों और छात्रों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। सिलसिलेवार तरीके से जानिए हादसे की पूरी कहानी।

अभिषेक इकलौता बेटा था। उसकी एक बहन है, पिता किसान हैं। अभिषेक मोतिहारी रह कर बीसीए की पढ़ाई कर रहा था, आज वो एग्जाम देने पहुंचा था, इसी दौरान अनियंत्रित गाड़ी की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका।

मखदूमपुर गंगा हादसा : घाट पर मातम, तीन युवकों के शव बरामद

मेरठ, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। मेरठ के हस्तिनापुर स्थित मखदुमपुर गंगा घाट पर हुए हादसे में डूबे चार युवकों में से एनडीआरएफ ने तीन के शव बरामद कर लिए हैं। अभिषेक, दीपांशु और हिमांशु के शव मिले, जबकि चौथे युवक प्रियांशु की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है।

मखदुमपुर गंगा घाट पर शुक्रवार को हुए दर्दनाक हादसे के बाद शनिवार को राहत और बचाव कार्य तेज कर दिया गया। गंगा में डूबे चार युवकों में से शाम करीब चार बजे तक नेशनल डिजास्टर रेस्पांस टीम फोर्स (एनडीआरएफ) की टीम ने तीन युवकों के शव सर्च अभियान के दौरान बरामद कर लिए। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 11 बजे एनडीआरएफ टीम ने सबसे पहले अभिषेक का शव गंगा से बाहर निकाला। इसके बाद टीम ने सर्च अभियान लगातार जारी रखा। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे दीपांशु का शव बरामद हुआ। इस दौरान एनडीआरएफ ने थाना पुलिस के साथ मिलकर स्टीमर और आधुनिक उपकरणों की मदद से गंगा में गहन तलाशी अभियान चलाया।

लगातार प्रयासों के बीच शाम करीब 4:15 बजे तीसरे युवक हिमाशु का शव भी गंगा से बाहर निकाल लिया गया। तीनों शव मिलने के बाद प्रशासन ने उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी। फिलहाल चौथे युवक प्रियांशु की तलाश जारी है। एनडीआरएफ की टीम गंगा में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही है और हर संभावित स्थान पर तलाश की जा रही है।

निलंबित कृषि विस्तार अधिकारी एकता साहू बहाल

अफीम कांड में हुईं थी सस्पेंड, बीजेपी नेता के खेत में मिली थी अवैध फसल

दुर्ग, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में अफीम की खेती के मामले में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एकता साहू को बड़ी राहत मिली है। प्रशासन ने विभागीय जांच के बाद एकता साहू के निलंबन को वापस लिया है। जिसके बाद उन्हें फिर से बहाल कर दिया गया है। एकता साहू के निलंबन के बाद राजस्व विभाग के कई संगठन विरोध पर थे और धरने पर बैठ गए थे। विभागीय जांच पूरी होने के बाद उन्हें फिर से बहाल किया गया है। हालांकि एकता साहू की नई पदस्थापना धमधा में की गई है।

जांच के दौरान यह बात सामने आई कि संसाधनों की कमी और अफीम की फसल की पहचान हेतु उचित प्रशिक्षण नहीं होने के कारण वह पौधों की पहचान नहीं कर सकीं। दुर्ग संभाग आयुक्त के निर्देश पर संयुक्त संचालक कृषि ने एकता साहू के बहाली का

आदेश जारी किया है। एकता साहू के निलंबन अवधि के वेतन और आगामी अनुशासनात्मक कार्रवाई पर अंतिम फैसला कलेक्टर दुर्ग द्वारा विभागीय जांच पूरी होने के बाद लिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, एकता साहू को भले फिर से बहाल कर दिया गया है लेकिन राहत मिलने के बावजूद उनकी मुश्किलें कम नहीं होंगी क्योंकि इस मामले की विभागीय जांच जारी रहेगी।

अफीम की खेती के मामले में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

निलंबित कृषि विस्तार अधिकारी एकता साहू बहाल

होली के बाद पुलिस को मिली थी अफीम की फसल

जब्त की गई फसल की मार्केट में कीमत 8 करोड़ से ज्यादा थी

दरअसल, पूरा मामला दुर्ग जिले के समोदा गांव का है। यहां भाजपा नेता विनायक ताम्रकार के खेत में अवैध रूप से अफीम की खेती पकड़ी गई थी। जांच के दौरान लापरवाही बरतने के आरोप में जिला प्रशासन ने 13 मार्च को एकता साहू को निलंबित कर दिया था। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई सीएम के सख्त फटकार के बाद हुई थी।

एकता साहू पर आरोप था कि जिस खेत को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत मक्का फसल का प्लॉट बताया गया था, वहां मक्का की जगह धान के साथ-साथ अवैध तरीके से अफीम की खेती की जा रही है।

सर्वे के दौरान एकता साहू ने अफीम की फसल के बारे में विभाग को कोई जानकारी नहीं दी थी। जिसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था।

सोडा-गन्ना जूस की बर्फ में मिला मरा मेंढक

शॉप में बर्फ तोड़ते समय दिखा, कोरबा चौपाटी-संघ ने की फैक्ट्री पर कार्रवाई की मांग

कोरबा, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में सोडा-गन्ना जूस की दुकान में इस्तेमाल की जा रही बर्फ में मरा हुआ मेंढक मिला। जूस बनाते समय जब बर्फ को तोड़ा जा रहा था, तभी उसमें मेंढक दिखाई दिया, जिसे देखकर मौके पर मौजूद लोग हैरान रह गए।

इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में चौपाटी संघ ने खाद्य-औषधि विभाग से सख्त कार्रवाई की मांग की है, जबकि विभाग ने मामले में जांच का आश्वसन दिया है।

हालांकि इस घटना के बाद दुकान नियमित रूप से संचालित है। मामला शहर के घंटाघर चौपाटी का है।

दरअसल, संचालक घंटाघर चौपाटी में अपनी दुकान लगाता है और सोडा-जूस बेचता है।

शुक्रवार शाम दुकान पर कुछ ग्राहक आए और उन्होंने जूस का ऑर्डर दिया। संचालक ने पहले जूस बनाया, बाद में उसमें डालने के बर्फ तोड़ने लगा।

इस दौरान बर्फ में मरा हुआ मेंढक मिला। कुछ देर बाद वहां लोगों की भीड़ लग गई। चौपाटी संघ के अध्यक्ष रवि वर्मा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बर्फ तोड़कर मेंढक को बाहर निकला। हालांकि कुछ देर बाद स्थिति सामान्य हो गई।

बताया जा रहा है कि दुकान में इस्तेमाल की जा रही बर्फ धन्नु बर्फ डिपो से लाई गई थी। इस घटना के बाद ग्राहकों में नाराजगी है। उनका कहना है कि इस तरह की लापरवाही बेहद खतरनाक है। ग्राहकों ने खाद्य विभाग और नगर प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। चौपाटी संघ के अध्यक्ष रवि वर्मा ने बताया कि यह घटना एक जूस सेंटर में हुई है।

जानकारी के अनुसार, जूस सेंटर संचालक ने निहारिका क्षेत्र की एक दुकान से बर्फ खरीदी थी, जो थोक में फैक्ट्री से लाई गई थी। उन्होंने बर्फ फैक्ट्री के संचालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

वहीं, बर्फ दुकान के संचालक डी. गुप्ता ने बताया कि वे सुभाष चौक पर बर्फ का डिपो चलाते हैं और कई फैक्ट्रियों से बर्फ खरीदते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि जिस बर्फ में मेंढक मिला है, वह किस फैक्ट्री से आई थी। साथ ही यह भी स्पष्ट नहीं है कि वह बर्फ उनके डिपो की थी या नहीं।

केदारनाथ में भारी बर्फबारी, अटल टनल बंद

यूपी में बिजली गिरने से 5 मौतें, एमपी-राजस्थान में ओले गिर सकते हैं, 11 राज्यों में बारिश का अलर्ट

शिमला/देहरादून, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। गर्मी के मौसम में देश के उत्तरी और पश्चिमी राज्यों में बारिश, ओले और बर्फबारी हो रही है। केदारनाथ में शनिवार को बर्फबारी के बाद पूरा इलाका सफेद हो गया है। रोहतांग दर्रे के पास भारी हिमपात की वजह से अटल सुरंग बंद कर दी गई है।

इधर, लाहौल स्पीति के ऊंचे पहाड़ों पर बर्फबारी जारी है। हिमाचल की राजधानी शिमला में भी शनिवार को तेज तूफान के साथ हल्की बारिश हुई। राजस्थान में शुक्रवार को रेगिस्तानी जिले जैसलमेर-बीकानेर में जमकर ओले गिरे। अजमेर-ब्यावर में आंधी से पेड़ गिर गए और टीनशेड उड़ गए। अगले तीन दिन ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है।

उत्तर प्रदेश की कोसीकला अनाज मंडी में 10 हजार बोरियों में रखा 5 हजार क्विंटल गेहूं बारिश में भीग गया। इससे पहले राज्य में अलग-अलग जगह बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो चुकी है। दिल्ली, पंजाब सहित 11 राज्यों में शनिवार को तेज बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में शुक्रवार को 36 जिलों में बारिश हुई, आज ओले गिरने की आशंका है।

5-6 अप्रैल- उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, बिहार, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में ओलावृष्टि की आशंका है।

दावा : राघव चड्ढा को केजरीवाल के घर मुर्गा बनाकर पीटा गया

पंचकूला, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा में उपनेता पद से हटाए जाने के बाद विवाद बढ़ता जा रहा है। हरियाणा से आप के प्रदेश अध्यक्ष रहे नवीन जयहिंद ने आप नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जयहिंद ने वीडियो जारी कर दावा किया है कि राघव चड्ढा को दिल्ली में केजरीवाल के शीशमहल (सीएम हाउस) में बुलाकर मुर्गा बनाकर पीटा गया था। 4 नेताओं के सामने उनसे मारपीट हुई थी।

जयहिंद ने यह भी कहा कि पिटाई में राघव की आंख पर चोट आई थी। इस चोट का इलाज कराने के लिए ही राघव इंग्लैंड गए थे। लोगों ने समझा कि राघव हनीमून मनाने के लिए इंग्लैंड गए हैं। राघव को सारे खुलासे खुलकर करने चाहिए।

शनिवार को रोहतक में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नवीन जयहिंद ने कहा- केजरीवाल व राघव के बीच दो साल से झगड़ा चल रहा है। केजरीवाल ने ही राघव चड्ढा को पंजाब का शेडो सीएम बनाकर भेजा था। उन्हें पंजाब से पैसा एकत्रित करने के लिए लगाया। यह पैसा सिंगापुर पहुंचना था, लेकिन इंग्लैंड पहुंचा दिया, जिसको लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ। राघव के पास केजरीवाल के राज व माल है, जिसको लेकर सारा मामला चल रहा है।

उधर, राघव चड्ढा ने भी उपनेता पद से हटाए जाने के बाद शनिवार को वीडियो जारी कर कहा- मुझ पर 3 आरोप लगाए, जिसकी वजह से मुझे संसद में बोलने का मौका नहीं दिया जाएगा। मैं संसद में शोर मचाने, चिल्लाने, माइक तोड़ने या गाली देने नहीं गया, बल्कि जनता के मुद्दे उठाने के लिए गया हूं। राजदार और मालदार हैं राघवः नवीन जयहिंद ने 2 मिनट का वीडियो जारी किया। इसकी शुरुआत में कहा कि राघव चड्ढा मालदार और राजदार हैं।

सुभाष बानरा हत्याकांड का खुलासा, दोस्त निकला मास्टर माइंड

पैसों के लेन-देन में हुई हत्या, दो गिरफ्तार, सुपारी देकर कराया था मर्डर

चाईबासा, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में आचू पावर ग्रिड के पास 28 मार्च को हुए सुभाष बानरा (25) हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में मृतक के दोस्त को मास्टरमाइंड बताते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सदर एसडीपीओ बहामन टुटी ने बताया कि मृतक के पिता मुकुन्द बानरा के आवेदन पर मुफ्फसिल थाना में कांड संख्या 53/2026 दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम का गठन किया गया था।

जांच के दौरान, गुप्त सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मृतक के दोस्त साऊ देवगम (40) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने हत्या की साजिश रचने की बात स्वीकार की। देवगम ने बताया कि सुभाष बानरा से पुराने पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद था, जिसके कारण उसने अपने पांच अन्य साथियों के साथ मिलकर सुपारी देकर हत्या करवाई थी।

साऊ देवगम की निशानदेही पर पुलिस ने गोविन्द मुन्दुईया (38) को भी गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, गोविन्द का आपराधिक इतिहास है और वह इस घटना में सक्रिय रूप से शामिल था। पुलिस ने बताया कि इस हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

चलती ट्रेन की बोगी में उठा धुआं, मची अफरातफरी

जामताड़ा, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। जामताड़ा के पास जयनगर से पुरी जा रही ट्रेन संख्या 18420 जयनगर-पुरी एक्सप्रेस के एक जनरल कोच से अचानक धुआं निकलने लगा। इसके बाद यात्रियों के बीच अफरातफरी मच गई।

यह घटना शनिवार को जामताड़ा रेलवे स्टेशन से लगभग एक किलोमीटर दूर सहाना गांव के पास हुई। धुआं निकलता देख बोगी में बैठे यात्री घबरा गए। ट्रेन रुकते ही वे अपनी सुरक्षा के लिए नीचे उतर गए।

इस दौरान कुछ देर के लिए मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया था। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन सक्रिय हो गया।

स्टेशन मास्टर ने बताया कि तकनीकी खराबी के कारण ब्रेक बाइंडिंग हुई थी, जिससे पहियों में घर्षण बढ़ गया और धुआं उठने लगा। इस घटना में किसी भी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है।

रेलवे की तकनीकी टीम और जांच दल ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और प्रभावित कोच की जांच की। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ट्रेन को कुछ देर तक रोका गया।

जांच पूरी होने के बाद स्थिति सामान्य पाई गई और ट्रेन को आगे के लिए रवाना कर दिया गया।

सभी यात्री सुरक्षित हैं और उनकी यात्रा सामान्य रूप से जारी है। जांच के दौरान 1 बजकर 54 मिनट से 2 बजकर 24 मिनट तक ट्रेन रुकी रही।

बिना सीसीटीवी कैमरे के अब नहीं चलेंगे मेडिकल स्टोर

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में दवाओं की रिटेल बिक्री पर लगाम कसने के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है। ड्रग कंसल्टेटिव कमेटी (डीसीसी) ने मेडिकल स्टोरों पर सीसीटीवी (सीसीटीवी) कैमरा लगाना अनिवार्य करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

डीसीसी ने यह भी साफ किया है कि कैमरे दुकान के भीतर ऐसी जगह लगाए जाने चाहिए जहां से दवा की हर खरीद-फरोख्त साफ-साफ दिखाई दे। इसका मकसद उन खामियों को दूर करना है, जो कैमरों के सही दिशा में न होने की वजह से रह जाती हैं। अगर यह फैसला लागू होता है, तो यह दवाओं की बिक्री पर सरकारी निगरानी बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। हालिया बैठक में डीसीसी ने मोबाइल ऐप-आधारित इंफॉर्मेशन सिस्टम (एमआईएस) या एक सेंट्रलाइज्ड ड्रग पोर्टल बनाने पर भी सहमति जताई। इस पोर्टल का मकसद दवाओं से जुड़ा सारा डेटा एक ही जगह इकट्ठा करना है।

ओटीपी के बिना हो सकेगा ऑनलाइन पेमेंट

बैंक-टेलीकॉम कंपनियां 'साइलेंट ऑथेंटिकेशन' लाएंगी सिम-डिवाइस मैच नहीं हुए तो रुकेगा ट्रांजैक्शन

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के बड़े प्राइवेट बैंक और टेलीकॉम कंपनियां 'साइलेंट ऑथेंटिकेशन' तकनीक पर काम कर रही हैं। इससे ऑनलाइन पेमेंट करने पर वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) की जरूरत खत्म हो जाएगी। यह सिस्टम बैकग्राउंड में ही चेक कर लेगा कि बैंक एप में रजिस्टर्ड नंबर और फोन का सिम कार्ड मैच कर रहे हैं या नहीं। अगर सिम और नंबर मैच नहीं हुए, तो ट्रांजैक्शन तुरंत ब्लॉक हो जाएगा। खास बात यह है कि इसमें यूजर को कुछ भी करने की जरूरत नहीं होगी। यह तकनीक ई-सिम पर भी काम करेगी। इससे सिम क्लोनिंग और ई-सिम स्वैप जैसे फ्रॉड रुकेंगे। यह जानकारी एक्सिस बैंक के डिजिटल बिजनेस हेड समीर शेट्टी ने दी।

ऑनलाइन फ्रॉड रोकने में मदद मिलेगी

शेट्टी ने बताया, 'हम टेलीकॉम कंपनियों के साथ मिलकर साइलेंट ऑथेंटिकेशन के कई पायलट प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। अगर कोई व्यक्ति एप में लॉग-इन है, लेकिन उसका मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड नंबर से मैच नहीं करता, तो टेलीकॉम नेटवर्क हमें इसका सिग्नल दे देगा। इससे हम बिना ग्राहक को परेशान किए संभावित फ्रॉड का पता लगा सकेंगे।'

बैकग्राउंड में काम करेगा सिस्टम

पीडब्ल्यूसी इंडिया के साइबर लीडर सुंदरेश्वर कृष्णमूर्ति के मुताबिक, अब तक सुरक्षा की परतें ऐसी थीं, जिन्हें आसानी से हैक किया जा सकता था। अब बैंक और टेलीकॉम कंपनियां नेटवर्क के मुख्य हिस्से में ही वेरिफिकेशन को शिफ्ट कर रही हैं। यह सिस्टम बैकग्राउंड में काम करेगा, जिसे यूजर या हैकर नहीं देख सकेंगे। सुरक्षा को पक्का करने के लिए इसमें फेस आईडी और एप के अंदर ही कोड (ओटीपी) जनरेट होने जैसी सुविधाएं भी जोड़ी जा रही हैं।

आरबीआई के नए नियम: टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन जरूरी

भारतीय रिजर्व बैंक के नए नियमों के तहत अब देश में सभी डिजिटल लेन-देन के लिए टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2एफए) अनिवार्य कर दिया गया है। इसमें पासवर्ड या पिन (जो आपको याद हो), ओटीपी या एप कोड (जो आपके फोन में हो) और बायोमेट्रिक्स (जैसे चेहरा या अंगूठा) शामिल हैं।

ट्रंप ने स्टील-एल्युमीनियम और तांबे पर लगाया 50 प्रतिशत टैरिफ

वाशिंगटन, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा आदेश जारी किया है, जिसके तहत स्टील, एल्युमिनियम और कॉपर के आयात पर भारी टैक्स (टैरिफ) लगाया गया है। सरकार का कहना है कि यह कदम देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखकर उठाया गया है।

इस आदेश के तहत, आयातित धातु उत्पादों और उनसे बने अन्य उत्पादों के पूरे कस्टम मूल्य पर टैरिफ लागू होगा। प्रशासन ने कहा कि इस कदम से पिछली नीतियों में मौजूद उन कमियों को दूर किया जा सकेगा, जिनका फायदा उठाया जा रहा था। यह फैसला पहले से लागू सेक्शन 232 के नियमों को आगे बढ़ाता है। इस कानून के तहत पहले ही कहा जा चुका है कि धातुओं का बढ़ता आयात अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है।

युद्ध प्रभावित क्षेत्रों को 2.5 लाख करोड़ तक की कर्ज गारंटी

सरकार जल्द कर सकती है योजना की घोषणा

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों को राहत देने के लिए नई कर्ज गारंटी योजना लाने की तैयारी कर रही है। इस योजना का मकसद खासतौर पर उन कंपनियों को आसानी से कर्ज उपलब्ध कराना है, जो आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियों के साथ कच्चे माल और लॉजिस्टिक खर्च की बढ़ती लागत से परेशान हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, नई योजना के तहत सरकार दो से 2.5 लाख करोड़ रुपये तक की कर्ज गारंटी दे सकती है। यह कोविड महामारी के दौरान शुरू की गई आपातकालीन कर्ज गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के मॉडल पर आधारित होगी।

वित्तीय सेवा विभाग इस योजना पर काम रहा है। माना जा रहा है कि सरकार अगले 15 दिनों के भीतर इसकी आधिकारिक घोषणा कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, इस राहत पैकेज का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट की वजह से जो क्षेत्र चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उन्हें नकदी की कमी न हो और वे अपना कारोबार चालू रख सकें। योजना के तहत उन कंपनियों को सरकार की गारंटी पर कर्ज मिलेगा।

अनिश्चित माहौल में मिलेगा भरोसा

सूत्रों ने कहा, इस योजना का मकसद कंपनियों को भरोसा देना है, ताकि वे अनिश्चित माहौल में भी काम जारी रख सकें। हालात अभी ज्यादा खराब नहीं हैं, लेकिन सरकार पहले से तैयारी कर रही है, ताकि अर्थव्यवस्था पर अधिक दबाव न पड़े। सरकार प्रभावित क्षेत्रों से संपर्क कर यह जानने की कोशिश कर रही है कि पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण उनके उत्पादन पर कितना असर पड़ रहा है।

एमएसएमई और निर्यात क्षेत्र के लिए बड़ी राहत

सूत्रों ने कहा, ईरान युद्ध का सीधा असर लघु, सूक्ष्म एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई)और निर्यात पर पड़ा है। निर्यात से जुड़े क्षेत्र आवाजाही में रुकावट और बढ़ते मालभाड़े की वजह से दबाव में हैं। एमएसएमई क्षेत्र भी इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है, जो ब्याज दरों के प्रति काफी संवेदनशील होते हैं और जिनकी कार्यप्रणाली स्थिर नकदी प्रवाह पर निर्भर करती है। सरकार की नई कर्ज गारंटी योजना से छोटे उद्यमों को अपना व्यापार बचाने और कर्मचारियों का समय पर वेतन देने में मदद मिलेगी।

चुनौतियों के बावजूद निर्यात क्षेत्र में मजबूती

वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद भारत के निर्यात क्षेत्र ने मजबूती दिखाई है। 2025-26 में निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज होने की उम्मीद है।

वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी के मुताबिक, 31 मार्च तक के रुझानों के आधार पर यह स्पष्ट है कि कई चुनौतियों के बावजूद निर्यात में गिरावट नहीं आई है। टैरिफ के अलावा अर्थव्यवस्था की विभिन्न चुनौतियों जैसे यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया तनाव जैसे मुद्दों के बावजूद भारत के वस्तु निर्यात ने अपनी रफ्तार बनाए रखी है।

एलपीजी संकट के बीच सरकार आपके किचन में करने जा रही है बड़ा बदलाव

घर-घर इंडक्शन पहुंचाने का बनाया प्लान

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया यानी मिडिल ईस्ट में तनाव का असर भारत की ईंधन सप्लाई पर भी पड़ा है। देश में कच्चे तेल और रसोई गैस यानी एलपीजी की दिक्कत पैदा हो गई है। सबसे ज्यादा असर एलपीजी पर देखा जा रहा है। इस बीच केंद्र सरकार ने इंडक्शन हीटर के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए कदम तेज कर दिए हैं। यह कदम रसोई गैस पर निर्भरता कम करने के लिए उठाया गया है।

बैठक में बनी रणनीति

सरकारी सूत्रों के अनुसार, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने गुरुवार को एक उच्चस्तरीय अंतर-मंत्रालयी बैठक आयोजित की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य देश के भीतर इंडक्शन हीटर और उससे संबंधित बर्तनों (कूकवेयर) के प्रोडक्शन को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए रणनीति तैयार करना था। बैठक में डीपीआईआईटी सचिव अमरदीप सिंह भाटिया, पावर सचिव पंकज अग्रवाल और डीजीएफटी प्रमुख लव अग्रवाल समेत कई मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। चर्चा का मुख्य केंद्र इंडक्शन आधारित उपकरणों और उनसे जुड़ी क्रॉकरी की पूरी मैन्युफैक्चरिंग चेन को गति देना था। देश भर में पीएनजी अपनाने को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। ये भविष्य में एलपीजी के बोझ को कम करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री का 'फ्यूचर प्लान'

यह कदम बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक के बाद उठाया गया है। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने मंत्रालयों को 'भविष्य को देखने और आज ही योजना बनाने' का निर्देश दिया है, ताकि अनिश्चित भू-राजनीतिक स्थितियों से निपटा जा सके।

इन विकल्पों पर काम कर रही सरकार

सरकार को आशंका है कि अगर मिडिल ईस्ट में संघर्ष लंबा खिंचता है, तो कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। भारत अपना कच्चा तेल और एलपीजी (एलपीजी) जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है।

सरकार अब इन विकल्पों पर काम कर रही है

घरेलू ऊर्जा खपत के दबाव को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक कुकिंग को बढ़ावा देना। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय पाइप वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के कवरेज को बढ़ाने पर काम कर रहा है ताकि एलपीजी पर निर्भरता कम हो सके। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम न सिर्फ मौजूदा संकट से निपटने में मदद करेगा, बल्कि लंबे समय में ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूत करेगा।

सप्लाई चेन की समीक्षा

अधिकारियों ने पेट्रोकेमिकल उत्पादों और गनी बैग (बोरी) की सप्लाई चेन की भी समीक्षा की है। डर है कि यदि मध्य पूर्व में संघर्ष लंबा खिंचता है, तो इनकी उपलब्धता प्रभावित हो सकती है।

'जंग जल्द खत्म हुआ तो बाजार पर पड़ सकता है सीमित असर'

पश्चिम एशिया तनाव पर कोटक की रिपोर्ट

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत के इक्विटी बाजारों को लेकर राहत भरी खबर सामने आई है। कोटक संस्थागत इक्विटी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, यदि मौजूदा संघर्ष अगले कुछ हफ्तों में समाप्त हो जाता है, तो भारतीय बाजारों की कमाई पर इसका असर सीमित रह सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालिया समय में शेयर बाजार में आई गिरावट के बाद निवेशकों के लिए जोखिम और रिटर्न का संतुलन बेहतर हुआ है। यानी मौजूदा स्तर पर निवेश के अवसर पहले की तुलना में अधिक आकर्षक हो सकते हैं। विशेष रूप से अमेरिका की ओर से ईरान-इस्राइल संघर्ष को लेकर दिए गए संकेतों ने तनाव कम होने और ऊर्जा आपूर्ति स्थिर होने की उम्मीद बढ़ाई है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति की हालिया टिप्पणियों से उम्मीद जगी है कि ईरान-इस्राइल/अमेरिका के बीच जारी संघर्ष का अंत हो सकता है और आने वाले महीनों में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति सामान्य हो सकती है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था और बाजार की कमाई पर संभावित नुकसान सीमित रहेगा।

गौतम अदाणी ने 2030 तक अदाणी पोर्ट्स के लिए 1 अरब टन कार्गो संभालने का लक्ष्य निर्धारित किया

अहमदाबाद, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड (एपीएसईजेड) के लिए 2030 तक एक अरब टन कार्गो संभालने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया। यह लक्ष्य कंपनी द्वारा 50 करोड़ टन का आंकड़ा पार करने की ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाने के अवसर पर रखा गया।

गौतम अदाणी ने कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा, आज की शाम को केवल 50 करोड़ टन का लक्ष्य हासिल करने का जश्न मनाने के क्षण के रूप में ही याद न किया जाए। इसे उस क्षण के रूप में याद किया जाए, जब हमने अपने विश्वास को नवीकृत किया और अगले लक्ष्य 2030 तक एक अरब टन की ओर अग्रसर होने के लिए विराम लिया। उन्होंने कहा कि यह अवसर रुककर पीछे मुड़कर देखने, समूह द्वारा निर्मित विशालता को समझने और एपीएसईजेड द्वारा 50 करोड़ टन कार्गो का आंकड़ा पार करने की असाधारण उपलब्धि पर विचार करने का एक दुर्लभ मौका है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि समूह यहीं नहीं रुकेगा और एपीएसईजेड, अदाणी समूह और भारत का सर्वश्रेष्ठ समय अभी आना बाकी है। गौतम अदाणी ने मुंद्रा बंदरगाह की स्थापना की कहानी सुनाते हुए भावुक स्वर में कहा, 1990 के दशक में अहमदाबाद से मुंद्रा तक एक पुरानी कॉन्टेसा कार में रात भर की यात्राएं करना उनके लिए एक यादगार अनुभव था। उस समय सड़कें नाम की भी नहीं थीं और पूरा इलाका दलदली भूमि से घिरा हुआ था। उन्होंने अपने कर्मचारी मलय के साथ की गई उन सुनसान यात्राओं का वर्णन किया, जो यात्रा को खुशनुमा बनाने के लिए रास्ते में हिंदी ब्लॉकबस्टर फिल्म मुकद्दर का सिकंदर का टाइटल सॉन्ग गाते थे।

उन्होंने आगे कहा, किसी तरह, उस विशाल खालीपन के बीच, सिकंदर महान की महिमा का गुणगान करने वाले एक गीत का दर्शन हमारा निजी गान बन गया और शायद, पूरी तरह से महसूस किए बिना भी, इसने हमारे भीतर छिपी किसी गहरी भावना को आवाज दी - यह दृढ़ विश्वास कि यदि भाग्य अपने आप आपके पास नहीं आता है, तो आपको बाहर जाकर उसे स्वयं बनाना होगा। गौतम अदाणी ने कहा कि महान संगठन दो चरणों में बनते हैं। पहला, मन में - आशा, आत्मविश्वास और दृढ़ विश्वास के द्वारा - और दूसरा, वास्तविक दुनिया में, जहां सपने पल-पल, ईंट-दर-ईंट, हाथों-हाथ साकार होते हैं।

उन्होंने आगे कहा, इसलिए, आज हम जिस उपलब्धि का जश्न मना रहे हैं, उसे केवल व्यावसायिक दृष्टि से नहीं मापा जा सकता। यह हमारे लोगों के बारे में है - उन लोगों के बारे में जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया, मेरे साथ चले और मेरे साथ मिलकर निर्माण किया। गौतम अदाणी ने आगे कहा कि 50 करोड़ टन जैसी उपलब्धियों का जश्न समूह की यादों से जुड़ा है, जिसमें संघर्ष, विजय, असफलता शामिल है, ये सभी यादें अदाणी भावना को परिभाषित करती हैं। साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंततःअंतिम चरण में किया गया मानवीय प्रयास ही बुनियादी ढांचे को सुचारू रूप से चलाने में सक्षम बनाता है।

गौतम अदाणी ने आगे कहा, इसीलिए हमारे 50 करोड़ टन के इस मील के पत्थर को उन सभी लोगों के सम्मान में व्यक्त किया जाना चाहिए जो अंतिम चरण को पूरा करते हैं: क्रेन ऑपरेटर जो उत्पादकता और सुरक्षा के निरंतर दबाव में सटीकता से काम करते हैं। समुद्री टीमें जो जहाजों, ज्वार-भाटे, चैनलों और समय-सारणी को सुचारू रूप से संचालित करती हैं। योजनाकार और लॉजिस्टिक्स टीमें जो सैकड़ों गतिशील कारकों के बीच जटिलता का प्रबंधन करती हैं।

फरवरी तक भारतीय फार्मा क्षेत्र ने 28 अरब डॉलर का निर्यात दर्ज किया

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकार ने एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को बताया कि इस वित्तीय वर्ष में फरवरी तक भारतीय दवाओं का निर्यात 28 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक रहा। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में पांच प्रतिशत ज्यादा है। फार्मास्युटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (फार्मेक्सिल) के महानिदेशक के राजा भानु के अनुसार, वर्तमान में लगभग 60 अरब अमेरिकी डॉलर के इस क्षेत्र के 2030 तक बढ़कर 130 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। उन्होंने कहा, वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, दवा निर्यात उन चुनिंदा क्षेत्रों में से एक रहा है जिसने अपनी विकास गति को बनाए रखा है। वित्त वर्ष 2026 के अप्रैल-फरवरी की अवधि के दौरान दवा निर्यात 28.29 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। इसमें वित्त वर्ष 2025 की इसी अवधि की तुलना में 5.6 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इस वृद्धि में फॉर्मूलेशन, बायोलॉजिकल, टीके और आयुष उत्पादों का अहम योगदान रहा। अधिकारी ने आगे कहा कि वैश्विक मूल्य दबाव और व्यापार अस्थिरता के बावजूद, वित्त वर्ष 2024-25 में निर्यात 30.47 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया।

'डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाने से बचें', पेट्रोल-गैस सप्लाई पर नए नियम

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। क्या होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के कारण देश में ईंधन का संकट गहराने वाला है?

इस पर स्थिति साफ करते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आम जनता को आश्वस्त किया है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्रालय ने साफ तौर पर कहा है कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति के कारण सप्लाई चेन को सुव्यवस्थित रखने के लिए गैस बुकिंग और डिलीवरी के नियमों में कई अहम बदलाव किए गए हैं।

क्या देश में पेट्रोल-डीजल या रसोई गैस की किल्लत होने वाली है?

नहीं, वर्तमान में देश में ईंधन की कोई कमी नहीं है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने नागरिकों से अपील की है कि वे घबराहट में पेट्रोल-डीजल की खरीदारी या एलपीजी की अनावश्यक बुकिंग न करें। भू-राजनीतिक हालात के कारण सप्लाई पर असर जरूर पड़ा है, लेकिन डिस्ट्रीब्यूटर्स के पास गैस खत्म होने की कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। आपूर्ति की स्थिरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 4 अप्रैल 2026 (गुरुवार) को देशभर में 55 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडर डिलीवर किए गए।

गैस डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाने से क्यों मना किया जा रहा है और बुकिंग के नए नियम क्या हैं?

सरकार ने नागरिकों को स्पष्ट सलाह दी है कि जब तक बहुत जरूरी न हो, एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाने से बचें और गैस बुकिंग के लिए केवल डिजिटल माध्यमों का उपयोग करें। वर्तमान में इंडस्ट्री के स्तर पर 94% एलपीजी बुकिंग ऑनलाइन हो रही है।

मांग को नियंत्रित करने के लिए, शहरी क्षेत्रों में बुकिंग का अंतराल 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 45 दिन तक कर दिया गया है। डिस्ट्रीब्यूटर स्तर पर गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) आधारित डिलीवरी को फरवरी 2026 के 53% से बढ़ाकर 86% कर दिया गया है।

दैनिक पंचांग

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन	मे	मीन....	05-04 बजे
चंद्र	तुला	मे	मेष.....	06-40 बजे
मंगल	मीन	मे	वृष.....	08-24 बजे
बुध	कुंभ	मे	मिथुन..	10-25 बजे
गुरु	मिथुन	मे	कर्क...	12-37 बजे
शुक्र	मेष	मे	सिंह---	14-49 बजे
शनि	मीन	मे	कन्या--	16-56 बजे
राहु	कुंभ	मे	तुला----	19-01 बजे
केतु	सिंह	मे	वृश्चिक..	21-11 बजे
			धनु.....	23-24 बजे
			मकर...	01-31 बजे
			कुंभ....	03-21 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 06-11
सूर्यास्त. 18 -26
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष रविवार 05 April 2026
तिथि - तृतीया 11-59 तक उपरान्त चतुर्थी
नक्षत्र - विशाखा 00-07 रात तक उप अनुराधा
योग - वज्र 14-43 तक उप सिद्धी
करण - विष्टी (भद्रा) 11-59 तक उप बव
विशेष: वैशाख चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 22-30
भद्राकाल 11-59 तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 16-56 से. 18-29 तक.

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
उत्पात	06-11 - 07-41 अशुभ	शुभ।	18-26 - 19-56 शुभ
चंचल	07-41 - 09-14 शुभ	अमृत	19-56 - 21-24 शुभ
लाभ	09-14 - 10-46 शुभ	चंचल	21-24 - 22-51 शुभ
अमृत	10-46 - 12-19 शुभ	रोग	22-51 - 00-19 अशुभ
काल	12-19 - 13-51 अशुभ	काल	00-19 - 01-46 अशुभ
शुभ	13-51 - 15-24 शुभ	लाभ	01-46 - 03-13 शुभ
रोग	15-24 - 16-56 अशुभ	उत्पात	03-13 - 04-41 अशुभ
उत्पात	16-56 - 18-26 अशुभ	शुभ	04-41 - 06-11- शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

कुछ भ्रम की स्थिति आज आपके कार्य क्षेत्र में आने की संभावना है। आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी अच्छे तरीके से कार्य कर रहे है , साथ ही साथ आपको एक व्यापार में शामिल होने के लिए एक प्रस्ताव मिल सकता है जो काफी भरोसेमंद है और पुरस्कार से भरपूर भी परन्तु इस तरह का प्रस्ताव आप ने पहले न देखा न सुना इसलिए आप अनिर्णय की स्थिति में रहेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज के दिन आपको एक अप्रत्याशित रूप से उपहार आपके दिल के निकट के व्यक्ति से मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए काफी उत्तम रहेगा । आपके सहकर्मी और आपसे उच्च पद पर तैनात सहकर्मी आपसे खुश रहेंगे तथा आपसे पूरा सहयोग एवं सहायता करेंगे जिसकी वजह से आप अपना काम समय पर पूरा कर पाएंगे तथा सांयकालीन बेला में आप किसी समारोह का भी आयोजन कर सकते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप किसी भी सरकारी हस्तक्षेप के बिना छुट्टियों के कुछ दिन बिताने के बाद अब वापस अपनी कार्य करने की शैली में वापस आ गए है , लेकिन आपके ग्राहकों, सहयोगियों के व्यवहार से ऐसा नहीं लगता । उन्हें समझे और उनकी समस्याओं के प्रति सम्मान दिखाए । उन्हें कार्यों से हटकर कुछ मानसिक शांति देने का प्रयास करे लेकिन उन्हें ऐसा न लगे की आप उन पर कोई एहसान कर रहे है।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

आपकी भलाई इसी में है की , यदि आवश्यक हो तो आप सतर्क या यहां तक कि विद्रोही हो जाये । जो लोग अपने आपको ज्यादा जानकर या जानकारियों से पूर्ण मानते है वे आज के दिन ऐसी गलतिया कर सकते है , जिससे पार पाना मुश्किल साबित हो सकता है । उनके आदेश का पालन करना आपको मुसीबत में ला सकता है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आपकी करियर से सम्भंधित योजना बिगड़ रही है। आप एक बात पर अपना दिमाग एकाग्रचित नहीं कर पा रहे है । आप सोच सोच कर समय को बर्बाद कर रहे हैं। आप किसी भी अनुभवी पेशेवर या एक कैरियर सलाहकार से सलाह ले सकते हैं। एक कैरियर सलाहकार के मार्गदर्शन से आप को एक मार्ग मिल सकता है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

कुछ हफ्तों से एक प्रवृत्ति को बल मिल रहा था और उसका परिणाम आज दिखाई देगा। परिणाम दोहन करने के लिए अपने आप को तैयार रखे । योग्य व्यक्तियों से मेल जोल बढ़ा कर रखे । सकरात्मक बातचीत से एक अभिनव व्यापार विचार को गति मिलेगी । जो आपके पास है उससे आपको संतुष्ट रहना चाहिए ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आपके कार्य क्षेत्र में आपके सितारे आपका साथ देंगे । ये आपकी वित्तीय जरुरतो के लिए काफी संतोषजनक है , लेकिन यह कार्यालय में ईर्ष्या को भी जन्म देगा । आज आपको अपने सहयोगियों के साथ पुराने बातें भूलकर उनके साथ आगे बढ़ना है परन्तु आपको दुश्मन और दोस्त की पहचान करने की भी जरूरत है क्यों की कोई सहकर्मी आपके करियर के विपरीत कार्य कर सकता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

काम करते हुए आप एक विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाते है । यह आपका सकारात्मक पहलू है और इस सप्ताह के अंत में आपका दृष्टिकोण मौद्रिक लाभ में बदलेगा । जोड़-तोड़ से बचें और जो भी करे ईमानदारी से करे । आपके काम की गुणवत्ता आपके काम की मात्रा के बजाय ज्यादा महत्व रखेगी। वफ़ादारी स्वागतयोगनीय होगी जो किसी भी मुश्किल स्थिति से आपको बाहर निकल देगी।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज का दिन उनके लिए अछा है जो की निर्माण के व्यवसाय से जुड़े है । आज के दिन आपको जाँच परख कर निवेश करना है क्योंकि ये अवसर लघु समय के लिए है । अगर आप अपने लिए घर खरीदने की सोच रहे है तो आपको अच्छे प्रस्ताव मिल सकते है । अपने इस चीज़ के लिए जो वित्तीय रणनीति बनाई थी उनका फल अब आपको मिल सकता है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

हालाँकि आपको अपने कार्य स्थल पर हास्य और आनंद लेने की कला आती है परन्तु अब आप पूरी तरह से अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आप आज एक गैर जरुरी कार्य में भी गंभीर मुद्रा में रहेंगे । एक सहयोगी की सुस्ती और लापरवाही के कारण आप उसका काम अपने लिए कर सकते है । इसलिए आप पर कुछ अनुचित कार्य का दबाव आज बन सकता है।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज का दिन आपके लिए एक विवादास्पद दिन हो सकता है! आप का किसी के लिए बुदबुदाना या क्रोधित होना व किसी दूसरे के माध्यम से उन्हें पता चलने पर आपका पेशेवर जीवन बर्बाद हो सकता है । इसके अलावा, आप किसी से किसी और का रहस्य खोल सकते है जो की सही नहीं होगा इसलिए आसपास के ऐसे लोगो से उचित दुरी बना कर रखे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आपको अपना कठोर और मजाकिया दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है, बेहतर होगा कि आप लोगों की भावनाओं से सम्बन्ध स्थापित करे और साथ ही साथ ये जानने की भी कोशिश करे कि वे क्या चाहते हैं और कौन सा रास्ता उन्होंने अपनाया है ! ध्यान देने योग्य बात ये है की आपको समझना होगा की चीज़े कैसे कार्य कर रही है बजाय की आप अपना तरीका अपने सहकर्मियों पर थोपे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

केंद्र से मिला 1 लाख 20 हजार करोड़ का फंड

विकास की रफ्तार को लगेंगे पंख

जयपुर, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में 'डबल इंजन' की सरकार का असर अब धरातल पर साफ नजर आने लगा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के जो आंकड़े सामने आए हैं, वे चौंकाने वाले और प्रदेशवासियों को खुश करने वाले हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दिल्ली में सक्रियता और केंद्र के साथ मजबूत कोऑर्डिनेशन के चलते राजस्थान को 1 लाख 20 हजार करोड़ रुपये का भारी-भरकम फंड मिला है। अधिकारियों का मानना है कि इस रिकॉर्ड फंड से प्रदेश में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अभूतपूर्व क्रांति आएगी।

अब तक का सबसे बड़ा फंड

राजस्थान को मिले इस 1.2 लाख करोड़ रुपये के फंड में केंद्रीय प्रायोजित योजनाओं के तहत मिलने वाले अनुदान, पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना, केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी और वित्त आयोग की सिफारिशों पर मिलने वाली राशि शामिल है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होने का सीधा फायदा राजस्थान की जनता को मिल रहा है।

मार्च में आया 19,000 करोड़ का 'सैलाब'

वित्तीय वर्ष के आखिरी महीने यानी मार्च 2026 में ही केंद्र सरकार ने राजस्थान को लगभग 19,000 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इस भारी भरकम राशि के आने से प्रदेश में चल रहे बड़े प्रोजेक्ट्स को जबरदस्त बूस्ट मिला है। अब फंड की कमी के चलते कोई भी बड़ा विकास कार्य नहीं रुकेगा।

बिना ब्याज के कर्ज में भारी उछाल

पूंजीगत व्यय के लिए मिलने वाले ब्याज मुक्त ऋण के तहत राजस्थान को इस वित्तीय वर्ष में 10,548 करोड़ रुपये मिले हैं। इसकी तुलना अगर पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल से करें, तो साल 2020-21 से 2022-23 के बीच राजस्थान को मात्र 7,290 करोड़ रुपये ही मिले थे।

यह दिखाता है कि वर्तमान सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर पर कितना ज्यादा ध्यान दे रही है।

रियल-टाइम और बिना किसी देरी के पैसा सीधे प्रोजेक्ट्स तक पहुँचे, इसके लिए टेक-इनेबल्ड सिस्टम टफॉर्म का सहारा लिया गया। इसके तहत राज्य को 13,658 करोड़ रुपये जारी किए गए। इसके अलावा वित्त आयोग की सिफारिशों और अन्य योजनाओं के तहत 15,666 करोड़ रुपये की राशि मरुधरा को मिली है।

स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास को लगे पंख

इस रिकॉर्ड तोड़ बजट का सबसे बड़ा हिस्सा राजस्थान की बुनियादी जरूरतों पर खर्च हो रहा है:

स्वास्थ्य क्षेत्रः 15वें वित्त आयोग के तहत राजस्थान को 2025-26 में 2,693 करोड़ रुपये से अधिक मिले हैं, जो पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक है। इससे जिला अस्पतालों और ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों का कायाकल्प होगा।

अन्य कोर सेक्टरः कृषि, पेयजल (जल जीवन मिशन), शिक्षा और ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी इस बजट से बड़ी तेजी देखने को मिलेगी।

नींबू जैसे ओले गिरे : बारिश से लहसुन और गेहूं की फसल तबाह, मौसम विभाग की चेतावनी

बूंदी, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। हाड़ौती में शनिवार को पश्चिमी विक्षोभ ने भारी तबाही मचाई। कोटा, बारां और बूंदी के लाखेरी-इंदरगढ़ में नींबू के आकार के ओले गिरने से गेहूं, लहसुन और चने की फसलें बर्बाद हो गई हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 7 अप्रैल को एक और नया मजबूत विक्षोभ सक्रिय होगा। आगे जानिए आपके जिले के मौसम का ताजा हाल।

बूंदीः राजस्थान में कुदरत के तेवर इस कदर तल्ख हो गए हैं कि चैत्र के महीने में सावन और भादों जैसी स्थिति बन गई है। पश्चिमी राजस्थान को अपनी चपेट में लेने के बाद अब 'बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि' का कहर हाड़ौती संभाग (कोटा, बूंदी, बारां) पर टूट पड़ा है। शनिवार को बदले मौसम ने कोटा और बूंदी के ग्रामीण अंचलों में ऐसी तबाही मचाई कि खेतों में खड़ी और मंडियों में पड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं।

शनिवार दोपहर बाद अचानक आसमान में काली घटाएं छाईं और देखते ही देखते बूंदी जिले के लाखेरी और इंदरगढ़ इलाकों में प्रकृति का रौद्र रूप देखने को मिला। यहां नींबू के आकार के बड़े-बड़े ओले गिरे, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के जंगलों में भी भारी ओलावृष्टि हुई, जिससे पूरा इलाका बर्फ की सफेद चादर से ढका नजर आया।

कोटा जिले के सांगोद, देवली, इटावा और लाडपुरा के मंडाना क्षेत्र में भी मौसम का मिजाज बिगड़ा रहा। तेज गर्जना के साथ शुरू हुई बारिश और ओलों ने सड़कों पर सन्नाटा पसरा दिया। वहीं बारां जिले में भी दिन भर बादलों की आवाजाही के साथ हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई।

इस बेमौसम की मार का सबसे दर्दनाक पहलू किसानों की बर्बादी है। हाड़ौती का यह क्षेत्र लहसुन, गेहूं और चने की बंपर पैदावार के लिए जाना जाता है। ओलावृष्टि इतनी भीषण थी कि खेतों में पककर तैयार खड़ी फसलें जमीन पर बिछ गईं। किसानों का कहना है कि लहसुन की खुदाई का समय चल रहा है और गेहूं की कटाई शुरू हो चुकी है, ऐसे में पानी और ओलों ने दाने को काला और फसल को गुणवत्ताहीन बना दिया है। पहले अतिवृष्टि और अब इस 'आसमानी पत्थरबाजी' ने किसानों की कमर तोड़ दी है। प्रभावित किसान अब केवल सरकार से मुआवजे की उम्मीद लगाए बैठे हैं। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार, राज्य के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। इसके कारण आज जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर और बीकानेर संभाग के जिलों में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी और ओलावृष्टि का दौर जारी रहेगा। आने वाले दिनों का अनुमान-

6 अप्रैलः दोपहर बाद जोधपुर और बीकानेर संभाग में एक और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा।

7 अप्रैल (सबसे खतरनाक दिन): इस दिन विक्षोभ का सर्वाधिक असर रहेगा। जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर और कोटा संभाग में 50-60 किमी प्रति घंटे की तूफानी हवाओं के साथ मध्यम से तेज बारिश और ओलावृष्टि की प्रबल संभावना है।

8 अप्रैलः केवल उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में हल्की बारिश के बाद मौसम धीरे-धीरे शुष्क होने लगेगा।

मौसम विभाग ने किसानों और व्यापारियों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। मंडियों में खुले में रखे हुए अनाज और खेतों में कटी हुई फसलों को तिरपाल से ढककर सुरक्षित स्थान पर रखने की सलाह दी गई है ताकि उन्हें भीगने और खराब होने से बचाया जा सके।

राजस्थान की खेती में निवेश करेंगे देश-दुनिया के दिग्गज

भजनलाल सरकार करने जा रही ऐसा काम

जयपुर, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के कृषि क्षेत्र को आधुनिक तकनीक, निवेश और वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट - 2026' का आयोजन आगामी 23 से 25 मई को किया जाएगा। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन को सफल बनाने और निवेशकों को राजस्थान की ओर आकर्षित करने के लिए कृषि विभाग देश के प्रमुख व्यापारिक केंद्रों- जयपुर, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद और पुणे में भव्य रोड शो आयोजित करेगा।

प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल ने स्पष्ट किया है कि इन आयोजनों का मकसद राजस्थान को कृषि निवेश के लिए 'ग्लोबल डेस्टिनेशन' के रूप में स्थापित करना है।

रोड शो का कैलेंडर- कहाँ और कब?

निवेशकों और एग्रीटेक कंपनियों को जोड़ने के लिए सरकार ने 10 अप्रैल से अभियान की शुरुआत करने का फैसला लिया हैः

10 अप्रैलः जयपुर (राजधानी से होगी शुरुआत)

17 अप्रैलः नई दिल्ली (राष्ट्रीय राजधानी में निवेशकों से संवाद)

24 अप्रैलः अहमदाबाद (गुजरात के उद्यमियों पर फोकस)

6 मईः हैदराबाद (दक्षिण भारत की टेक कंपनियों को आमंत्रण)

8 मईः पुणे (एग्रो-प्रोसेसिंग हब से जुड़ाव)

'ग्राम-2026' में क्या होगा खास?

स्मार्ट फार्मः आधुनिक तकनीकों और नवाचारों का जीवंत प्रदर्शन।

पशु प्रदर्शनीः उन्नत नस्ल के पशुओं और डेयरी तकनीक का संगम।

बी2बी और बी2जी बैठकेंः बिजनेस-टू-बिजनेस और बिजनेस-टू-गवर्नमेंट संवाद के जरिए करोड़ों के निवेश प्रस्ताव पर मुहर लगेगी।

प्रदर्शनीः भारत और विदेश की 250 से अधिक कंपनियां अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगी।

2016-17 के बाद फिर सजेगा मंच

इससे पहले 'ग्राम' का सफल आयोजन 2016-17 में किया गया था। इस बार का लक्ष्य और भी बड़ा हैः

सहभागिताः राज्य के सभी जिलों से 75,000 से अधिक किसान शामिल होंगे।

वैश्विक भागीदारीः साउथ एशिया, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के कई देशों के प्रतिनिधियों के आने की संभावना है।

स्टार्टअप्स को मौकाः एग्रीटेक स्टार्टअप्स को अपनी तकनीक दिखाने के लिए विशेष सत्र आयोजित होंगे।

किसानों की आय बढ़ाने का रोडमैप

मुख्य सचिव और कृषि विभाग का मानना है कि इन रोड शो के माध्यम से एग्री-प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन और आईटी आधारित कृषि समाधानों को बढ़ावा मिलेगा।

सरकार का लक्ष्य है कि राजस्थान के कृषि क्षेत्र में केवल उत्पादन न बढ़े, बल्कि 'प्रोसेसिंग' के जरिए किसानों को उनकी उपज का बेहतर दाम मिले।

'ग्राम-2026' के माध्यम से राजस्थान का संदेश

मंजू राजपाल के अनुसार, इन रोड शो के जरिए देश-विदेश के विशेषज्ञों को राजस्थान की 'एग्रो-पोटेंशियल' (कृषि क्षमता) से अवगत कराया जा रहा है। राजस्थान अब केवल पारंपरिक खेती का राज्य नहीं है, बल्कि यह इजरायली ड्रिप तकनीक से लेकर सोलर पंप और खजूर-जैतून की खेती में देश का अग्रणी राज्य बन चुका है।

एसआई भर्ती परीक्षा पूरी तरह रद्द

800 से ज्यादा थानेदारों की नौकरी पर 'ब्रेक'

क्या है हाईकोर्ट का बड़ा आदेश?

जयपुर, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने शनिवार को प्रदेश की सबसे बड़ी पुलिस भर्ती परीक्षाओं में से एक, एसआई भर्ती-2021 को पूरी तरह रद्द करने के आदेश दिए हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा की खंडपीठ ने एकलपीठ द्वारा 28 अगस्त 2025 को सुनाए गए फैसले को सही मानते हुए सरकार और चयनित अभ्यर्थियों की अपीलों को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने माना कि परीक्षा में बड़े पैमाने पर पेपरलीक, धांधली और अनियमितताएं हुई थीं, जिससे पूरी चयन प्रक्रिया की शुचिता भंग हो गई थी।

भर्ती रद्द होने से हजारों अभ्यर्थियों को बड़ा झटका लगा है, लेकिन कोर्ट ने उनके हितों का ध्यान रखते हुए एक महत्वपूर्ण निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जब भी यह परीक्षा दोबारा आयोजित की जाएगी, तब उन सभी अभ्यर्थियों को आयु सीमा में छूट दी जाएगी जो इस भर्ती प्रक्रिया का हिस्सा थे। इससे उन युवाओं को दोबारा मौका मिल सकेगा जो इस लंबी कानूनी लड़ाई के दौरान ओवर-एज हो गए थे। इस फैसले के बाद अब राज्य सरकार और राजस्थान लोक सेवा आयोग के सामने नई परीक्षा आयोजित करने की बड़ी चुनौती है। 800 से अधिक पदों पर होने वाली इस भर्ती के रद्द होने से थानों में अधिकारियों की कमी बरकरार रहेगी।

अब सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि आगामी परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी और पेपरलीक प्रूफ हो, ताकि युवाओं का भरोसा बहाल हो सके। सोशल मीडिया पर इस फैसले को लेकर दो फाड़ नजर आ रहे हैं। एक तरफ वे अभ्यर्थी हैं जो सालों की मेहनत के बाद चयनित हुए थे और अब सड़क पर आ गए हैं, वहीं दूसरी तरफ वे बेरोजगार युवा हैं जो पेपरलीक माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

रिटायरमेंट वाले बयान पर अशोक गहलोत का मदन राठौड़ पर तीखा पलटवार

बोले-100 साल तक करूंगा सेवा

जयपुर, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजनीति में 75 साल की उम्र के बाद रिटायरमेंट के मुद्दे पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को कड़ा जवाब दिया है। अशोक गहलोत ने कहा कि यह फॉर्मूला उन पर नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर लागू होना चाहिए। मदन राठौड़ को यह सलाह उन्हें देनी चाहिए। कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वे पहले भी स्पष्ट कर चुके है कि वे 100 साल तक देश और प्रदेशवासियों की सेवा करना चाहते हैं। मदन राठौड़ ने किस संदर्भ में यह बात कही, यह वही जानें, लेकिन वे खुद मरते दम तक राजस्थान की सेवा करते रहेंगे। मई में 75 वर्ष के हो जाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस टिप्पणी को निराधार बताते हुए कहा कि उम्र राजनीतिक प्रासंगिकता का मापदंड नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, मैंने पहले ही कहा है कि यह बात मोदी जी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) या आरएसएस के मोहन भगवत जी पर लागू होगी। गांधी जी ने कहा था कि वे 125 वर्ष तक सेवा करना चाहते हैं, लेकिन उग्रवादियों ने उनकी हत्या कर दी। मैंने कहा था कि मैं राज्य की जनता, देश की जनता की 100 वर्ष तक सेवा करना चाहता हूं। इसलिए, यह बात मुझ पर लागू नहीं होती।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने मदन राठौर के बयान के पीछे के इरादे पर भी सवाल उठाया और आरोप लगाया कि भाजपा नेता विपक्ष के उठाए गए प्रमुख मुद्दों से बच रहे हैं। वे कांग्रेस नेताओं को कैसे बता सकते हैं कि उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं? वे हमारे द्वारा उठाए गए मुद्दों का जवाब नहीं दे रहे हैं और टालमटोल भरे जवाब दे रहे हैं। 'इंतज़ार शास्त्र' के तहत उठाए गए सवालों का जिक्र करते हुए अशोक गहलोत ने सत्ताधारी पार्टी पर बहस को भटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा, कम से कम हमारे पूछे गए सवालों का कुछ जवाब तो दीजिए- 'हां' या 'ना' कहिए। लेकिन संदर्भ बदलकर जवाब कैसे दिया जा सकता है? यही तो ये लोग कर रहे हैं। मदन राठौर की टिप्पणियों ने कांग्रेस के भीतर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया को जन्म दिया, जिससे राजस्थान में सत्ताधारी भाजपा और विपक्ष के बीच चल रही जुबानी जंग और तेज हो गई।

अंतर जिला चोर गैंग का पर्दाफाश

2 शातिर गिरफ्तार

उदयपुर, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। कानोड़ थाना पुलिस ने 2 आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ अंतर जिला चोर गैंग का पर्दाफाश करते हुए भैरूजी मंदिर में हुई चोरी की वारदात का खुलासा कर दिया। आरोपियों के खिलाफ उदयपुर रेंज के विभिन्न थानों में केस दर्ज हैं। कानोड़ थानाधिकारी हुकमसिंह ने बताया कि 27 मार्च को उदपुरा स्थित मंदिर का ताला तोड़कर दानपात्र व नकदी चोरी करने की घटना सामने आई थी। घटना के बाद क्षेत्र में रोष हो गया था। एसपी डॉ. अमृता दुहान के निर्देश पर विशेष टीमें गठित की गई। आरोपी भावपुरा कानोड़ निवासी देवीलाल मीणा और बोर का पानी लसाड़िया निवासी भीमराज मीणा को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी अलग-अलग जिलों में वारदात कर पुलिस से बचने की कोशिश करते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दानपात्र, नगदी आदि बरामद किए हैं। मुख्य आरोपी देवीलाल मीणा के खिलाफ 5 स्थायी वारंट निकले हुए हैं। वह पिछले 5 वर्षों से पहचान छिपाकर रह रहा था और वारदात के दौरान मोबाइल साथ नहीं रखता था, ताकि तकनीकी निगरानी से बच सके।

केंद्र सरकार पर भड़के गोविंद डोटासरा

बोले- पूरे देश में बीजेपी का शासन फेल

कोटपूतली-बहरोड़, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एक बार फिर केंद्र की भाजपा सरकार पर जुबानी हमला किया। उन्होंने बिना लाग-लपेट के कहा कि देशभर में भाजपा का शासन पूरी तरह नाकाम साबित हुआ है और तथाकथित डबल इंजन सरकार का नारा महज एक जुमला बनकर रह गया है। जनता को न राहत मिली, न विकास दिखा। उनके इस आक्रामक रुख ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है।

अंतिम फैसला जनता का होता है

पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनावों पर सीधा बयान देते हुए डोटासरा ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव हर हाल में होंगे और कोई भी ताकत उन्हें रोकने में सक्षम नहीं है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि अगर किसी में दम है तो चुनाव प्रक्रिया को बाधित करके दिखाए। टीएमसी के जीत के दावों पर उन्होंने कहा कि चुनाव में अंतिम फैसला हमेशा जनता का होता है और जिसे ज्यादा वोट मिलेंगे, जीत उसी की होगी।

डोटासरा ने सरकार को घेरा

महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर डोटासरा ने सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि आम आदमी महंगाई की दोहरी मार से कराह रहा है। रसोई गैस जैसी बुनियादी ज़रूरत तक आसानी से नहीं मिल पा रही और रोज़गार के दरवाज़े लगातार बंद होते जा रहे हैं। इससे युवाओं में घोर निराशा पैदा हो रही है। सड़कों की बदहाली का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जगह-जगह सड़कें उधड़ी पड़ी हैं और अधूरे निर्माण कार्यों की वजह से आमजन को रोजाना भारी कठिनाई झेलनी पड़ रही है।

सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं

शिक्षा व्यवस्था की दुर्दशा पर चिंता जताते हुए डोटासरा ने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के हज़ारों पद खाली पड़े हैं। जिसकी वजह से बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है और कई छात्र बीच में ही पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की साख कमज़ोर पड़ती दिख रही है और अमेरिका के सामने देश झुकता नज़र आ रहा है, जो बेहद चिंताजनक है। पंचायत चुनावों को लेकर भी उन्होंने भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि सरकार जनादेश के डर से चुनाव टाल रही है। उन्होंने दावा किया कि जैसे ही चुनाव होंगे, जनता का असली मन सामने आ जाएगा और भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ेगा। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस जिला अध्यक्ष इंद्राज गुर्जर, संजय यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चलती रोडवेज बस से कूदी मध्यप्रदेश की महिला

पहिया चढ़ने से कुचला चेहरा

घंटों तक हाइवे पर पड़ी रही लाश

झालावाड़, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। झालावाड़ जिले के रायपुर क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में चलती रोडवेज बस से कूदने के बाद महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद महिला का शव हाईवे पर काफी देर तक पड़ा रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।

चलती बस से कूदने पर हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार शनिवार 4 अप्रेल 2026 को दोपहर करीब 1:30 बजे भूमाडा तिराहे से थोड़ा आगे हाईवे पर एक दुर्घटना की सूचना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि सड़क पर एक महिला का शव पड़ा हुआ है। महिला का चेहरा वाहन के पहिए के नीचे आने से पूरी तरह से विक्षत हो गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि महिला रोडवेज बस में भूमाडा तिराहे से सवार हुई थी। बस चलने के कुछ ही समय बाद उसने अचानक चलती बस से नीचे कूदने का प्रयास किया।

निरीक्षण से जेल में मचा हड़कंप

तीन टीमों ने की सघन तलाशी; 165 बंदियों से पूछताछ

कोटपूतली-बहरोड़, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस मुख्यालय जयपुर के निर्देश पर प्रदेशभर के कारागृहों में अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए शनिवार को विशेष अभियान चलाया गया। जिला कारागृहों में अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शनिवार को जिला कारागृह कोटपूतली में सघन औचक निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशन में प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की संयुक्त टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। जेल के अंदर एक साथ तीन टीमों ने दबिश देकर पूरे परिसर की बारीकी से तलाशी ली। इसमें राहत की बात यह रही कि जांच में कोई भी प्रतिबंधित या संदिग्ध सामग्री बरामद नहीं हुई। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सारण की मौजूदगी में वृताधिकारी कोटपूतली राजेंद्र कुमार बुरड़क की अगुवाई में तीन अलग-अलग टीमें गठित की गईं। इन टीमों में कोटपूतली थाना प्रभारी राजेश कुमार शर्मा, महिला थाना प्रभारी किशनलाल के साथ-साथ साइबर थाना और रिजर्व पुलिस लाइन का जाप्ता भी शामिल रहा।

एक्सप्रेस-वे पर ट्रेलर में कार घुसने से एसआई की मौत

दो कॉन्स्टेबल सहित तीन घायल

दौसा, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर-बांदीकुई एक्सप्रेसवे पर शनिवार की सुबह एक भयावह सड़क हादसे ने पुलिस विभाग को गहरे सदमे में डुबो दिया। करौली जिले के सपोटरा थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर हनुमान मीणा की आगे चल रहे ट्रेलर में कार के जा घुसने से मौके पर ही मौत हो गई। इस हादसे में दो कॉन्स्टेबल समेत तीन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल दौसा के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका उपचार जारी है। यह हादसा जयपुर ग्रामीण के आंधी थाना क्षेत्र में नांगल बेला गांव के निकट चैनल नंबर 39 के पास सुबह करीब पांच बजे हुआ।

मेरठ में किसी केस के सिलसिले में गए ये पुलिसकर्मी रात भर का सफर तय करके दिल्ली होते हुए लौट रहे थे। घायल रामनरेश मीणा ने बताया कि रात करीब दो बजे दिल्ली के पास सभी ने खाना खाया था। इसके बाद कार में पीछे बैठे रामनरेश, कॉन्स्टेबल कजोड़ जाट और रामराज बेरवा को कब नींद आ गई पता ही नहीं चला। एसआई

फेल एंटीबायोटिक से हड़कंप; 60 दिन की देरी से बाजार में बिक गई दवा, सिस्टम पर सवाल

जयपुर, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। पहले कफ सिरप और अब एंटीबायोटिक दवा- राजस्थान में दवाओं की गुणवत्ता को लेकर एक के बाद एक सामने आ रहे मामलों ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ताजा मामले में भरतपुर से लिया गया एंटीबायोटिक का सैंपल जांच में फेल मिला, जिसके बाद ड्रग विभाग ने प्रदेशभर में छापेमारी कर कार्रवाई शुरू की है। राजस्थान में फेल एंटीबायोटिक दवा का मामला सामने आने के बाद अब ड्रग मॉनिटरिंग सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। भरतपुर से लिए गए सैंपल की रिपोर्ट करीब 60 दिन बाद आई, तब तक संदिग्ध बैच की दवाएं बाजार में बिक चुकी थीं। चौंकाने वाली बात यह है कि दवा बनाने वाली कंपनी 500 से ज्यादा प्रकार की दवाएं तैयार करती है। ऐसे में अब आशंका बढ़ गई है कि अन्य दवाओं की गुणवत्ता भी संदेह के घेरे में हो सकती है। विभाग ने अलग-अलग बैच के नमूने लेकर जांच शुरू कर दी है, वहीं सप्लाई चेन की पड़ताल के लिए टीमें हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भेजी जा रही हैं।

मनचले ने महिला से की छेड़छाड़, बदले में सरेआम मिली जूता थैरिपी, भीड़ ने भी हाथ साफ किए

बाड़मेर, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले में एक मनचले युवक को राह चलती महिला को छेड़ना भारी पड़ गया। दरअसल महिला अपने काम से कहीं जा रही थी, इसी दौरान मनचले युवक ने उसे गलत तरीके से इशारे किए। इस बात से नाराज महिला ने हाथों में जूता लेकर सरेआम मनचले की जमकर धुनाई की।

शहर की मुख्य सड़क पर इस तरह का घटनाक्रम देखकर मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। भीड़ ने भी लगे हाथ अपना गुस्सा निकलते हुए मनचले की जमकर पिटाई की। मनचले युवक को जब अपनी गलती का एहसास हुआ तो उसने हाथ से जोड़कर महिला से जोड़कर माफी मांगी, जिसके बाद भीड़ ने उससे छोड़ दिया। इस मामले को लेकर अब तक महिला की ओर से कोई रिपोर्ट थाने में नहीं दी गई है, हालांकि इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

पुलिस का अवैध ड्रग्स और नकली बीज तस्करी पर बड़ा वार, कई गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कुतुबुल्लापुर ज़ोन की पुलिस ने एक दिन में ही दो बड़े मामलों में सफलता हासिल की। जीडीमेटला और मेडचल पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन में अवैध ड्रग्स और नकली बीज तस्करी के आरोपियों को गिरफ्तार किया और करोड़ों रुपये की संपत्ति जब्त की।

जीडीमेटला में पुलिस ने नशीला पदार्थ मेथाम्फ़ेटामिन बरामदगी की है। जीडीमेटला पुलिस स्टेशन की सीमा में गणेश नगर के पास एसओटी कुतुबुल्लापुर टीम और जीडीमेटला पुलिस ने एक छापेमारी में दो लोगों को अवैध मेथाम्फ़ेटामिन के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में वेमुला साई कुमार व तिरुमला अरविंद शामिल है।

इस दौरान 63 लाख 20 हजार की मेथाम्फ़ेटामिन 316 ग्राम और एक मोबाइल तथा दो वजन वाली मशीन को बरामद किया है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी नशीली दवाओं के आदी हैं। मुख्य सप्लायर पूजित, कुतुबुल्लापुर का निवासी, फिलहाल फरार है। अन्य कई उपभोक्ताओं की पहचान हुई है, जो अभी फरार हैं। इसी क्रम में मेडचल पुलिस और एसओटी टीम ने ओआरआर, मेडचल के पास महिंद्रा बोलेरो वाहन को रोककर 3000 किग्रा प्रतिबंधित बीजी-III कपास बीज जब्त किया। पुलिस ने इस दौरान चालक तलारी रमेश, निवासी, कोसगी मंडल, कर्नूल, वाहन मालिक, चेवुला नरसिमुलु, कोसगी मंडल को गिरफ्तार किया है।

मुख्य आपूर्तिकर्ता मगुलुरी सांबा शिवाराव फरार है। जब्त की गई संपत्ति में बीजी-III कपास बीज 3000 किग्रा और एक बोलेरो वाहन शामिल है। बरामद संपत्ति का मूल्य 98 लाख बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने बीज के थैले को पत्तागोभी के थैले के नीचे छिपा रखा था।

छापेमारी में 316 ग्राम एमडीएमए बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशंस टीम ने जीडीमेटला पुलिस के साथ मिलकर गणेश नगर स्थित एक घर पर छापेमारी कर 316 ग्राम एमडीएमए बरामद किया और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी वेमुला साई कुमार और तिरुमाला अरविंद जगतगिरिगुट्टा के निवासी हैं। वे कुतुबुल्लापुर निवासी पूजित नामक व्यक्ति से एमडीएमए लेकर उसे ग्राहकों को बेचते थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से 316 ग्राम एमडीएमए और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया। इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

एलपीजी की कमी से परेशान ऑटो चालक टावर पर चढ़ा, इलाके में तनाव

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर में ऑटो एलपीजी की कमी से परेशान एक ऑटो चालक ने विरोध स्वरूप मोबाइल टावर पर चढ़कर प्रदर्शन किया, जिससे इलाके में काफी देर तक तनाव का माहौल बना रहा। करीब 40 वर्षीय चालक दोपहर में दूरसंचार टावर पर चढ़ गया और जान देने की धमकी देने लगा। अन्य ऑटो चालकों ने बताया कि ईंधन भरवाने के लिए लंबी कतारों में लगने के कारण वह मानसिक रूप से परेशान हो गया था।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और चालक को समझाकर नीचे उतारने का प्रयास किया। पुलिस ने आश्वासन दिया कि उसकी समस्या को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। एहतियात के तौर पर दमकल विभाग और एम्बुलेंस को भी मौके पर तैनात किया गया। शहर में पिछले करीब एक महीने से ऑटो एलपीजी की कमी के कारण चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले भी अत्तापुर में तीन ऑटो चालकों ने इसी समस्या को लेकर टावर पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन किया था।

अगले दो दिन 36-37 डिग्री तापमान रहने की संभावना

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में अगले दो दिनों तक तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग-हैदराबाद के अनुसार, इस दौरान मौसम आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहेगा और सुबह के समय धुंध भी देखी जा सकती है। पूर्वानुमान के अनुसार रविवार को दिन का तापमान करीब 36 डिग्री सेल्सियस रहेगा, जबकि रात में यह गिरकर लगभग 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। सोमवार को तापमान थोड़ा बढ़कर करीब 37 डिग्री सेल्सियस होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य के कुछ जिलों- आदिलाबाद, निर्मल, निजामाबाद, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेदक, कामारेड्डी, महबूबनगर और नागरकर्नूल- में गरज के साथ बारिश, बिजली कड़कने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। किसानों के लिए जारी बुलेटिन में कहा गया है कि 11 अप्रैल तक तेलंगाना के कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

श्री कोदंडरामा स्वामी के ब्रह्मोत्सव का भव्य चक्रस्नान समारोह

वोंटिमिट्टा, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। श्री कोदंडरामा स्वामी के वार्षिक ब्रह्मोत्सव शनिवार को भव्य रूप से संपन्न हुए। मंदिर के पुष्करिणी टैंक में पवित्र चक्रस्नान किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने पवित्र स्नान किया। सवेरे 4 बजे सुप्रभातम् से दिन की शुरूआत हुई, इसके बाद मंदिर शुद्धिकरण और पूजा हुई। 9:30 बजे श्रीराम, सीता और लक्ष्मण की उत्सव मूर्तियों की रथयात्रा हुई, जबकि सुदर्शन चक्रत्तल्वर को पालकी में पुष्करिणी ले जाया गया। 10:30 से 11:15 बजे तक स्नापन तिरुमंज़नम के दौरान मूर्तियों को दूध, दही, शहद, हल्दी और चंदन से स्नान कराया गया। इसके बाद वेदिक मंत्रोच्चारण के बीच चक्रस्नान संपन्न हुआ। ब्रह्मोत्सव की समाप्ति आज रात 7:00 बजे ध्वजारोहण के साथ होगी। श्री कोदंडरामा स्वामी का पुष्पयागम रविवार, 5 अप्रैल को शाम 6:00 बजे से 9:00 बजे तक मंदिर में भव्य रूप से मनाया जाएगा।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में कई इलाकों में तनाव

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) द्वारा चलाए गए अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान शनिवार को शहर के कई इलाकों में तनाव की स्थिति बन गई। पुराने शहर के महबूब चौक, रिकाबगंज, पुरानापुल, अफजलगंज, मदीना बिल्डिंग और आरामगढ़ में जीएचएमसी टीमों ने सड़क किनारे की कई दुकानों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया, जिसके विरोध में दुकानदारों ने प्रदर्शन किया। महबूब चौक पर एआईएमआईएम नेताओं ने विरोध का नेतृत्व किया।

एआईएमआईएम के एमएलसी मिर्जा रहमत बेग ने कहा कि व्यापारी कई वर्षों से यहां कारोबार कर रहे थे और बिना वैकल्पिक व्यवस्था के उनकी दुकानें तोड़ दी गईं। उनके विरोध के बाद जीएचएमसी अधिकारियों को वहां से हटना पड़ा। चारमीनार विधायक मीर जुल्फिकार अली ने मदीना बिल्डिंग, रिकाबगंज और अफजलगंज क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया और अधिकारियों से बातचीत की। वहीं, सिकंदराबाद के मोंडा मार्केट में भी उस समय तनाव फैल गया जब जीएचएमसी ने दुकानों को हटाने की कोशिश की। स्थानीय दुकानदारों ने सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया और कार्रवाई को अमानवीय बताते हुए अधिकारियों को वापस जाने पर मजबूर कर दिया।

क्याथनपल्ली नगरपालिका चुनाव में बीआरएस-सीपीआई गठबंधन की जीत

मंचेरियल, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के विरोध और बाधाओं के बावजूद बीआरएस-सीपीआई गठबंधन ने क्याथनपल्ली नगरपालिका के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों पर जीत हासिल कर ली। शनिवार को आयोजित विशेष बैठक में बीआरएस पार्षद गोडिशेला संध्या रानी को अध्यक्ष और सीपीआई पार्षद मित्तपल्ली सरिता को उपाध्यक्ष चुना गया। 22 सदस्यीय नगरपालिका में गठबंधन को 14 पार्षदों का समर्थन मिला, जिससे उसे स्पष्ट बहुमत प्राप्त हुआ। चुनाव प्रक्रिया सुबह 11 बजे शुरू होकर दोपहर 12 बजे संपन्न हुई। सुरक्षा के लिए करीब 600 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी।

कांग्रेस ने अपने पार्षदों, एक निर्दलीय सदस्य और अन्य जनप्रतिनिधियों के सहयोग से पदों पर कब्जा करने का प्रयास किया, लेकिन पर्याप्त समर्थन न होने के कारण चुनाव से दूरी बना ली। इसके साथ ही लगभग दो महीने से चल रहा चुनावी गतिरोध समाप्त हो गया। इससे पहले कोरम की कमी और पार्षदों के बीच विवाद के चलते चुनाव दो बार स्थगित हो चुका था। बीआरएस नेताओं के उच्च न्यायालय जाने के बाद राज्य चुनाव आयोग ने चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। चुनाव से पहले दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप और विवाद भी सामने आए, लेकिन अंततः चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से पूरा कर लिया गया।

इब्राहिमपटनम नगर निगम अध्यक्ष चुनाव में बीआरएस की जीत

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारी पुलिस बल की मौजूदगी और कांग्रेस पार्षदों के विरोध के बावजूद भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने इब्राहिमपटनम नगर निगम अध्यक्ष का चुनाव जीत लिया। शनिवार को बीआरएस पार्षद टी. सुदर्शन रेड्डी को अध्यक्ष और भाजपा पार्षद मुत्याला श्यामला भास्कर को उपाध्यक्ष चुना गया।

अध्यक्ष पद के लिए बीआरएस के टी. सुदर्शन रेड्डी और कांग्रेस के अकुला यादगिरी के बीच मुकाबला हुआ। मतदान हाथ उठाकर कराया गया, जिसमें अधिकांश पार्षदों ने टी. सुदर्शन रेड्डी के पक्ष में समर्थन दिया। चुनाव शुरू होने से पहले कांग्रेस पार्षदों ने कुछ आपत्तियां जताते हुए तीन पार्षदों के खिलाफ अदालत में चल रहे मामलों का हवाला दिया और चुनाव स्थगित करने की मांग की। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चुनाव अधिसूचना उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुसार जारी की गई है और इसमें कोई कानूनी बाधा नहीं है। इसके बाद चुनाव प्रक्रिया पूरी कर परिणाम घोषित कर दिया गया।

छह गारंटी साबित करें या इस्तीफा दें

बंडी संजय की चुनौती

करीमनगर, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को चुनौती देते हुए कहा है कि यदि वे साबित कर दें कि कांग्रेस की छह गारंटी राज्य में लागू हो चुकी हैं, तो वे अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। शनिवार को हुजूरबाद मंडल के सिरसापल्ली के पास प्रस्तावित डंपिंग यार्ड का दौरा करने के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजय ने कहा कि यदि

मुख्यमंत्री ऐसा साबित नहीं कर पाते हैं, तो उन्हें स्वयं पद छोड़ देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी ने केरल और महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के दौरान लोगों को गुमराह किया और छह गारंटियों के लागू होने का गलत दावा किया। संजय ने सवाल उठाया कि क्या मुख्यमंत्री मीडिया के साथ तेलंगाना का दौरा कर वास्तविक स्थिति दिखाने को तैयार हैं। डंपिंग यार्ड के मुद्दे पर उन्होंने राज्य सरकार से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की और कहा कि रिहायशी इलाकों के बीच ऐसा प्रोजेक्ट स्थापित करना उचित नहीं है।

6 अप्रैल को मसाब टैंक में मेगा जॉब फेयर का आयोजन

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के मसाब टैंक रोड स्थित खजा मेंशन फंक्शन हॉल में सोमवार, 6 अप्रैल को सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया जाएगा। आयोजक मन्नान खान ने बताया कि इस जॉब मेले में कई कंपनियां भाग लेंगी और फार्मा, स्वास्थ्य सेवा, आईटी, आईटीईएस, शिक्षा और बैंकिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी। कुछ कंपनियां वर्क फ्रॉम होम का विकल्प भी देंगी। उन्होंने बताया कि एसएससी (कक्षा 10) या उससे अधिक योग्यता रखने वाले उम्मीदवार इस जॉब फेयर में शामिल हो सकते हैं। प्रारंभिक साक्षात्कार कार्यक्रम स्थल पर ही आयोजित किए जाएंगे।

मुआवजे की मांग को लेकर किसानों का विरोध, कुछ देर तनाव

नारायणपेट, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणपेट-कोडंगल लिफ्ट सिंचाई योजना के तहत जमीन अधिग्रहण के मुआवजे को लेकर शनिवार को दामरगिद्दा में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया। कनुकुर्थी जलाशय परियोजना के शिलान्यास समारोह में पहुंचे अधिकारियों को किसानों ने रोककर मुआवजे में हो रही देरी पर सवाल उठाए। किसानों ने कहा कि अन्य गांवों में आंशिक मुआवजा दिया जा चुका है, लेकिन यहां के विस्थापितों को अभी तक भुगतान नहीं मिला है। किसानों ने मांग की कि किसी भी कार्य की शुरूआत से पहले उन्हें पूरा मुआवजा दिया जाए। हालांकि, अधिकारियों द्वारा आश्वासन देने के बाद किसानों को समझाया गया, जिसके बाद भूमि पूजन कार्यक्रम की अनुमति दे दी गई। इस मौके पर सरपंच एन. नारायण समेत अन्य अधिकारी और किसान नेता भी मौजूद रहे।

मंत्री का पर्यटन परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव ने राज्य में लंबित पर्यटन परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की विशेष मुख्य सचिव वाणी प्रसाद और तेलंगाना पर्यटन विकास निगम (टीजीटीडीसी) की प्रबंध निदेशक पी. गौतमी ने मंत्री से मुलाकात की।

इस दौरान मंत्री ने दोनों अधिकारियों को नई जिम्मेदारी संभालने पर बधाई दी और राज्य में पर्यटन ढांचे को मजबूत करने, विभिन्न पर्यटन स्थलों के विकास तथा नई परियोजनाओं की प्रगति को तेज करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं का प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन आवश्यक है।

कर्ज से परेशान किसान ने की आत्महत्या

सिद्दिपेट, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गजवेल मंडल के जलिगामा गांव में शनिवार को एक किसान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान किरायेदार किसान गुडिसे लक्ष्मण (29) के रूप में हुई है, जो पिछले कुछ वर्षों से खेती में नुकसान और भारी कर्ज के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहा था। बताया जा रहा है कि कर्जदाताओं के दबाव के चलते उसने अपने खेत में फांसी लगाकर जान दे दी। लक्ष्मण के परिवार में पत्नी कल्याणी और दो छोटी बेटियां हैं। परिवार की खराब आर्थिक स्थिति को देखते हुए ग्रामीणों ने सरकार से सहायता की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए गजवेल के सरकारी अस्पताल भेज दिया है।

फर्जी रिपोर्टर बनकर 7.7 लाख की ठगी, मामला दर्ज

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में एक व्यक्ति से खुद को समाचार चैनल का रिपोर्टर बताकर 7.7 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने वरिष्ठ अधिकारियों पर प्रभाव होने का दावा करते हुए धरानी पोर्टल के माध्यम से भूमि संबंधी कार्य कराने का झांसा दिया। शिकायत के अनुसार, मेडचल निवासी मोहम्मद अलीबैग (40) ने खुद को जिला स्तरीय रिपोर्टर बताते हुए भरोसा दिलाया कि वह धरानी पोर्टल पर सभी काम आसानी से करवा सकता है। उसने यह भी दावा किया कि उच्च अधिकारी भी उसकी बात मानते हैं। उसकी बातों पर विश्वास कर शिकायतकर्ता ने जमीन से जुड़े काम के लिए करीब 7 लाख रुपये दे दिए, लेकिन आरोपी ने न तो काम कराया और न ही पैसे लौटाए। इसके अलावा आरोपी ने 800 अनाथ बच्चों को भोजन कराने के नाम पर 70 हजार रुपये भी लिए, लेकिन वह वादा भी पूरा नहीं किया। बाद में आरोपी शिकायतकर्ता से संपर्क से बचने लगा। मामले की शिकायत मिलने पर मेडचल पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ओस्मानिया विश्वविद्यालय के 12 विभागों में प्रोफेसर पद नहीं, अकादमिक संकट गहराया

हैदराबाद, 4 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ओस्मानिया विश्वविद्यालय के 12 विभागों में वर्षों से प्रोफेसर पद स्वीकृत न होने के कारण शैक्षणिक संकट गहरा गया है।

इनमें जैव प्रौद्योगिकी, फोरेंसिक विज्ञान, फ्रेंच, जर्मन, कन्नड़, रूसी, तमिल, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, शारीरिक शिक्षा, कंप्यूटर अनुप्रयोग, पर्यावरण विज्ञान और एमएसडब्ल्यू विभाग शामिल हैं। इनमें से कई विभागों में एसोसिएट प्रोफेसर के पद भी नहीं हैं, जिससे पढ़ाई और शोध कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

इन विभागों का संचालन कुछ नियमित सहायक प्रोफेसरों और संविदा या अंशकालिक शिक्षकों के सहारे किया जा रहा है। यह जानकारी भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की हाल ही में विधानसभा में पेश रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के तहत प्रत्येक विभाग में एक प्रोफेसर, दो एसोसिएट प्रोफेसर और चार सहायक प्रोफेसर होने चाहिए, लेकिन 12 विभागों में प्रोफेसर पद ही स्वीकृत नहीं किए गए।

विश्वविद्यालय ने सफाई दी कि राज्य सरकार ने पहले ही बिना प्रोफेसर पदों के अन्य पदों को भरने की अनुमति दी थी और प्रोफेसरों की नियुक्ति पदोन्नति के माध्यम से की जाती है, इसलिए निर्धारित संरचना बनाए रखना संभव नहीं है।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि निज़ाम कॉलेज में थिएटर आर्ट्स विभाग को 2017-18 से 2020-21 तक बिना किसी नियमित या संविदा शिक्षक के ही चलाया गया, जबकि वहां 39 छात्र नामांकित थे। बाद में 2021-22 में इस पाठ्यक्रम को बंद कर दिया गया।

पेट्रो उत्पादों की जमाखोरी पर कार्रवाई के निर्देश

नई दिल्ली, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पेट्रोलियम उत्पादों व एलपीजी की जमाखोरी तथा कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जरूरी वस्तु अधिनियम और एलपीजी नियंत्रण आदेश के प्रावधानों का हवाला देते हुए, राज्यों से प्रवर्तन तेज करने, तेल विपणन कंपनियों के समन्वय से दैनिक छापे-निरीक्षण और हेराफेरी तथा गलत सूचनाओं के खिलाफ कड़ी निगरानी रखने को कहा है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्यों को आधार पर मीडिया के जरिये जनता को जानकारी पहुंचाने, नियंत्रण कक्ष और हेल्पलाइन स्थापित करने और ईंधन की उपलब्धता के बारे में जनता को आश्वस्त करने के लिए फर्जी खबरों का सक्रिय रूप से मुकाबला करने का भी निर्देश दिया गया है।

सीबीएसई के नए पाठ्यक्रम पर विवाद

सीएम स्टालिन ने कहा- गैर-हिंदी राज्यों पर भाषा थोपने की कोशिश

तिरुवनंतपुरम, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सीबीएसई के नए पाठ्यक्रम ढांचे की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इसे भाषाई थोपने की सुनियोजित कोशिश बताते हुए आरोप लगाया कि यह नीति हिंदी को बढ़ावा देती है और क्षेत्रीय भाषाओं को कमजोर करती है। स्टालिन ने कहा कि यह ढांचा संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचाता है, गैर-हिंदी भाषी राज्यों के साथ भेदभाव करता है और छात्रों व शिक्षकों पर अतिरिक्त बोझ डालता है। उन्होंने केंद्र सरकार से भारत की भाषाई विविधता का सम्मान करने और राज्यों के अधिकारों की रक्षा करने की अपील की। दरअसल, सीबीएसी 2026-27 शैक्षणिक सत्र से चरणबद्ध तरीके से तीन-भाषा नीति लागू करने जा रहा है, जिसकी शुरुआत कक्षा 6 से होगी। इस नीति के तहत छात्रों को एक अतिरिक्त भाषा सीखनी होगी और तीन भाषाओं में से कम से कम दो भारतीय भाषाएं अनिवार्य होंगी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने विस्तृत पोस्ट में स्टालिन ने कहा कि यह कोई साधारण शैक्षणिक सुधार नहीं है, बल्कि एक चिंताजनक और सुनियोजित प्रयास है, जो हमारी पुरानी आशंकाओं को सही साबित करता है। भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के नाम पर भाजपा-नीत एनडीए सरकार एक केंद्रीकृत एजेंडा चला रही है, जो हिंदी को बढ़ावा देता है और देश की समृद्ध भाषाई विरासत को व्यवस्थित रूप से हाशिये पर डालता है। उन्होंने तीन-भाषा फॉर्मूले को हिंदी को गैर-हिंदी राज्यों में विस्तार देने का एक छिपा हुआ तंत्र बताया और कहा कि यह नीति संरचनात्मक रूप से हिंदी भाषी छात्रों को लाभ पहुंचाती है, जिससे निष्पक्षता, संघवाद और क्षेत्रीय समानता प्रभावित होती है।

स्टालिन ने सवाल उठाया कि दक्षिणी राज्यों के छात्रों के लिए यह नीति व्यवहार में हिंदी को अनिवार्य बना देती है, लेकिन क्या हिंदी भाषी राज्यों में तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम या यहां तक कि बंगाली और मराठी सीखना अनिवार्य किया जाएगा? उन्होंने कहा कि इस तरह की पारस्परिकता का अभाव इस नीति की एकतरफा और भेदभावपूर्ण प्रकृति को उजागर करता है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वही केंद्र सरकार, जो केंद्रीय विद्यालय संगठन के स्कूलों में तमिल को अनिवार्य नहीं बना पाई और पर्याप्त तमिल शिक्षकों की नियुक्ति भी नहीं कर सकी, अब राज्यों को भारतीय भाषाओं के प्रचार का पाठ पढ़ा रही है। यह प्रतिबद्धता नहीं, बल्कि खुली पाखंडता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार तमिलनाडु और अन्य राज्यों द्वारा उठाई गई लोकतांत्रिक चिंताओं को नजरअंदाज करते हुए हिंदी थोपने के लिए प्रतिबद्ध नजर आती है। स्टालिन ने इसे सहकारी संघवाद के सिद्धांतों पर सीधा हमला और करोड़ों भारतीयों की भाषाई पहचान का अपमान बताया। साथ ही उन्होंने एआईएडीएमके और तमिलनाडु में उसके एनडीए सहयोगियों से सवाल किया कि क्या वे इस थोप जाने का समर्थन करते हैं या छात्रों के अधिकार, पहचान और भविष्य की रक्षा के लिए खड़े होंगे।

पाक एजेंसी आईएसआई की भेजी गई आईईडी के साथ युवक गिरफ्तार

अमृतसर, 4 अप्रैल (एजेंसियां)। अमृतसर देहात पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा भारत में धमाका करने के लिए भेजी गई इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पता चला है कि इस आईईडी के जरिए पुलिस इमारत को निशाना बनाया जाना था,

लेकिन समय रहते पुलिस ने आईईडी सहित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान भारत-पाकिस्तान सीमा के थाना अजनाला के अधीन पड़ते गांव उनावपुरा निवासी हरमन सिंह के रूप में हुई है। बम निरोधक दस्ते ने जब आईईडी को निष्क्रिय किया तो पता चला कि उसमें आधा किलो से अधिक आरडीएक्स, आधा किलो लोहे के छोटे बाल, एक टिफिन बॉक्स, डेटोनेटर, रिमोट, तार आदि लगे थे। सुरक्षा एजेंसियों से पूछताछ में हरमन ने स्वीकार किया है कि उक्त आईईडी उसने रमदास इलाके के खेतों से बरामद की थी, जहां पाकिस्तानी तस्करों ने ड्रोन से इसे गिराया था। उसे यह आईईडी लेकर आगे सप्लाई करनी थी।

जांच एजेंसियों को हरमन के कब्जे से मिले मोबाइल से पाकिस्तानी कांटेक्ट्स के नंबर भी मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। पता चला है कि पिछले एक सप्ताह में हरमन उन संपर्कों पर दो दर्जन से अधिक बार कॉल कर चुका है। आशंका जताई जा रही है कि हरमन के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ सीधे संबंध भी हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हरमन के गिरोह के अन्य सदस्य कहां-कहां हैं, ताकि उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को 6 विकेट से हराया

इम्पैक्ट प्लेयर रिजवी ने 90 रन बनाए

नई दिल्ली, 4 अप्रेल (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2026 के 8वें मैच में मुंबई इंडियंस को हराकर शानदार जीत दर्ज की. अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में समीर रिज्वी के बल्ले से एक विस्फोटक और यादगार पारी देखने को मिली,

जिसके चलते दिल्ली ने ये मैच 6 विकेट से अपने नाम कर लिया. ये दिल्ली कैपिटल्स की लगातार दूसरी जीत है.

वहीं, मुंबई को सीजन की पहली हार का सामना करना पड़ा. मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 162 रन बनाए. टीम की शुरुआत खराब रही, जब मुकेश कुमार ने एक ही ओवर में रायन रिकल्टन और तिलक वर्मा को आउट कर दिया. वहीं, रोहित शर्मा ने 26 गेंदों पर 35 रन बनाकर एक छोर संभाला, लेकिन अक्षर पटेल की गेंद पर आउट हो गए. सूर्यकुमार यादव ने 51 रनों की उपयोगी पारी खेली, वहीं नमन धीर ने 28 रन जोड़े. दिल्ली की गेंदबाजी में मुकेश कुमार ने 2 विकेट लिए, इसके अलावा अक्षर पटेल, लुंगी एनगिडी, विप्रज निगम और टी नटराजन को 1-1 विकेट मिला. 162 रनों के टारेगट का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत भी झटकों भरी रही. केएल राहुल सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए. वहीं, नितीश राणा रन आउट का शिकार बने. इसके बाद पाथुम निसांका ने 44 रनों की तेज पारी खेलकर टीम को कुछ संभाला, लेकिन 73 के स्कोर पर तीसरा विकेट गिरने के बाद दबाव बढ़ गया. इसके बाद समीर रिज्वी ने पारी को संभाला और तूफानी अंदाज में रन बनाए. समीर रिज्वी ने 51 गेंदों का सामना करते हुए 176.47 की स्ट्राइक रेट से 90 रन ठोके और मुकाबले को मुंबई से पूरी तरह दूर कर दिया. उनकी इस पारी में 7 चौके और 7 छक्के शामिल रहे. यानी उन्होंने 70 रन सिर्फ चौके-छक्कों से बटोरे और ये 14 शॉट्स ही मुंबई की हार का कारण बने. सिमर रिज्वी की इस यादगार पारी के चलते दिल्ली ने इस टारगेट को 18.1 ओवर में हासिल कर लिया.

पंजाब ने टी-20 में भारत का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

9वीं बार 200+ चेज किए, चेन्नई ने आईपीएल में 36वीं बार 200 रन बनाए

चेन्नई, 4 अप्रेल (एजेंसियां)। आईपीएल के 7वें मैच में पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 5 विकेट से हरा दिया। चेपॉक में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 5 विकेट पर 208 रन बनाए। टीम के लिए आयुष म्हात्रे ने 73 रन की पारी खेली, हालांकि उन्हें दो बार जीवनदान भी मिला।

जवाब में पंजाब ने 18.4 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ पंजाब ने टी-20 क्रिकेट में भारत का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हुए 9वीं बार 200+ रनचेज किया। वहीं चेन्नई ने इस मैच में 36वीं बार 200+ स्कोर बनाया।

पंजाब ने 9वीं बार 200+ रनचेज किया

पंजाब किंग्स ने टी-20 क्रिकेट में भारत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। टीम ने 200+ रनचेज के मामले में 9वीं जीत दर्ज की। इससे पहले भारत की टीम ने 8 बार 200+ रनचेज किया था। ऑस्ट्रेलिया ने 7 और मुंबई इंडियंस ने 6 बार यह कारनामा किया है।

पंजाब किंग्स का दूसरा सबसे बड़ा रनचेज

पंजाब किंग्स ने अपना दूसरा सबसे बड़ा रनचेज किया। टीम ने 210 रन का टारगेट 18.4 ओवर में हासिल किया। टीम का सबसे बड़ा रनचेज 262 रन का है। इसे पंजाब ने 2024 में ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हासिल किया था।

चेन्नई ने आईपीएल में सबसे ज्यादा 200+ स्कोर बनाए

चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल में सबसे ज्यादा 200+ स्कोर बनाने वाली टीम बन गई। टीम ने अब तक 36 बार 200 का आंकड़ा पार किया है। इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 35 बार इस स्कोर तक पहुंची है।

चौका लगाने के बाद संजू आउट

दूसरे ओवर में चेन्नई का पहला विकेट गिरा। ओवर की छठी गेंद जेवियर बार्टलेट ने ऑफ स्टंप के बाहर फेंकी। संजू सैमसन ड्राइव खेलने के लिए पीछे हटे, लेकिन गेंद की मूवमेंट को कवर नहीं कर सके और बल्ले का हल्का किनारा लग गया। गेंद सीधे विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह के पास गई, जिन्होंने आसान कैच लपक लिया।

संजू 7 रन बनाकर आउट हुए।

आयुष की सिक्स से फिफ्टी

नौवें ओवर में चेन्नई के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने सिक्स लगाकर अर्धशतक पूरा किया। ओवर की पहली गेंद मार्कस स्टोयनिस ने धीमी फेंकी। म्हात्रे ने आगे बढ़कर शॉट खेला और गेंद को लॉन्ग-ऑफ के ऊपर से सिक्स के लिए भेज दिया।

म्हात्रे का वैशाख और शशांक से कैच छूटा

मिडिल ओवर्स में चेन्नई के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को दो बड़े जीवनदान मिले। 10वें ओवर की दूसरी गेंद पर युजवेंद्र चहल ने लेग ब्रेक डाली, जिस पर म्हात्रे स्लॉग स्वीप खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले के ऊपरी किनारे से लगकर हवा में चली गई। वैशाख आगे दौड़ते हुए पहुंचे, डाइव भी लगाई, लेकिन गेंद हाथ में आने के बाद छिटक गई और कैच छूट गया।

इसके बाद 12वें ओवर की चौथी गेंद पर चहल ने फिर मौका बनाया। उन्होंने गेंद को फ्लाइट देकर बल्लेबाज को बड़ा शॉट खेलने के लिए ललचाया। म्हात्रे आगे बढ़कर शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद टर्न होकर बल्ले का किनारा लेती हुई एक्स्ट्रा कवर की ओर गई। शशांक दौड़ते हुए आए, स्लाइड करते हुए दोनों हाथों से कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद हाथ से निकल गई। इस तरह म्हात्रे को लगातार दूसरा जीवनदान मिला।

पंजाब के रिव्यू से कार्तिक आउट

14वें ओवर में चेन्नई ने चौथा विकेट गंवाया। ओवर की चौथी बॉल मार्को यानसन ने गुड लेंथ पर इन स्विंगर फेंकी। गेंद कार्तिक शर्मा के पैड्स पर लगी। पीपीकेएस ने एलबीडब्ल्यू की अपील की, लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने रिव्यू लिया, रिप्ले में कार्तिक आउट नजर आए। वे 1 रन ही बना सके।

14वें ओवर में सरफराज खान ने अर्शदीप सिंह पर लगातार तीन चौके जड़ दिए। ओवर की दूसरी गेंद पर सरफराज ने आगे बढ़कर जगह बनाई और मिड-ऑफ के ऊपर से शानदार शॉट खेलते हुए चौका बटोर लिया। अगली गेंद पर अर्शदीप ने शॉर्ट लेंथ डाली। सरफराज ने शॉट खेला और गेंद को विकेटकीपर के ऊपर से बाउंड्री तक पहुंचा दिया। फिर चौथी गेंद पर सरफराज ने शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद को लेट खेलते हुए थर्ड मैन की दिशा में गाइड किया और चौका पूरा किया।

प्रशांत वीर ने डेब्यू पर चौके से खाता खोला

चेन्नई सुपर किंग्स के अनकैप्ड ऑलराउंडर प्रशांत वीर ने इस मैच से IPL डेब्यू किया। टीम ने उन्हें मेगा ऑक्शन में 14.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। 17वें ओवर की तीसरी गेंद पर मार्को यानसन ने ऑफ स्टंप के आसपास शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद डाली। प्रशांत ने शॉट खेला। गेंद तेजी से आई और ग्लव्स का हल्का किनारा लेकर फाइन लेग की दिशा में निकल गई।

'विदेशी खिलाड़ी' कहे जाने पर विराट कोहली ने तोड़ी चुप्पी

लंदन शिफ्ट होने के सवाल पर दिया करारा जवाब

बेंगलुरु, 4 अप्रेल (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली इस समय आईपीएल 2026 में धमाल मचा रहे हैं. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलते हुए कोहली ने सीजन के पहले ही मैच में एसआरएच के खिलाफ नाबाद 69 रनों की मैच जिताऊ पारी खेलकर सबका दिल जीता. अब कोहली 5 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में खेलते हुए नजर आएंगे. वहीं, इस मैच से पहले किंग कोहली ने एक बड़ा बयान देते हुए विदेशी खिलाड़ी कहे जाने पर आलोचकों को करारा जवाब दिया है.

विराट कोहली ने 'विदेशी खिलाड़ी' कहे जाने पर दिया बयान

दरअसल, कोहली इन दिनों अपने परिवार के साथ लंदन में रहते हैं और अक्सर सीरीज या टूर्नामेंट से ठीक पहले भारत आते हैं और फिर लंदन लौट जाते हैं. इसी वजह से सोशल मीडिया पर अक्सर उन्हें लेकर मीम्स बनते रहते हैं और लंदन शिफ्ट होने पर कुछ लोग तंज कसते हुए उन्हें 'विदेशी खिलाड़ी' भी कहते हैं. इसी बीच आरसीबी के साथ एक वीडियो में कोहली ने इन बातों पर जवाब दिया है.

वीडियो में मिस्टर नैग्स ने कोहली से मजाक में पूछते हैं कि, "लोग कह रहे हैं कि इस सीजन आरसीबी 5 विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेल रही है. मुझे समझ नहीं आ रहा कि वे क्या कह रहे हैं?" ये सुनकर कोहली पहले तो हंसते हैं और फिर मजाकिया अंदाज में जवाब देते हुए कहते हैं कि, "मुझे नहीं पता तुम मुझसे क्यों पूछ रहे हो, विदेशी खिलाड़ियों से पूछो. मैं कोई विदेशी खिलाड़ी नहीं हूं." उन्होंने आगे होस्ट से ही पलटकर पूछा, "क्या मैं विदेशी खिलाड़ी लगता हूं?" जिस पर होस्ट ने भी हंसते हुए कहा, "बिल्कुल नहीं!"

वहीं, जब कोहली से पूछा गया कि "आईपीएल 2025 का खिताब जीतने के बाद कैसा महसूस हुआ? इसके जवाब में कोहली ने कहा, "हम लंबे समय से इस ट्रॉफी का इंतजार कर रहे थे, जीतने के बाद काफी हल्का महसूस हुआ." विराट ने आगे कहा कि, "जीत कड़ी मेहनत, त्याग और खेल के प्रति समर्पण का नतीजा होती है. यह एक तरह का इनाम होता है, जो बताता है कि आपकी मेहनत बेकार नहीं गई. हार से बहुत कुछ सीखने को मिलता है, लेकिन लगातार मेहनत के बाद मिली जीत आपको आगे और बेहतर करने की प्रेरणा देती है."

स्लो ओवर के लिए अय्यर पर 24 लाख का जुर्माना

अब एक और गलती की तो पंजाब के कप्तान पर लगेगा एक मैच का बैन

चेन्नई, 4 अप्रेल (एजेंसियां)। आईपीएल के 7वें मैच में पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को हराया, लेकिन इस मैच में स्लो ओवर रेट की वजह से कप्तान श्रेयस अय्यर पर 24 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

यह इस सीजन का पंजाब किंग्स का दूसरा ओवर-रेट अपराध है। इसलिए सिर्फ कप्तान ही नहीं, पूरी प्लेइंग इलेवन और इम्पैक्ट प्लेयर को भी सजा मिली है।

बाकी सभी खिलाड़ियों पर 6 लाख या उनके मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, उतना जुर्माना लगाया गया है।

अगली बार बैन तय

आईपीएल के नियमों के मुताबिक, अगर अब टीम से फिर ऐसी गलती होती है तो अय्यर पर 30 लाख रुपए का जुर्माना लगेगा

और एक मैच का बैन भी झेलना पड़ेगा। पंजाब को अभी लीग स्टेज में 12 से ज्यादा मैच खेलने हैं, ऐसे में अब गलती की गुंजाइश बहुत कम बची है।

श्रेयस अय्यर ने 50 रन बनाए

इस मैच में श्रेयस अय्यर ने बल्लेबाजी से टीम का नेतृत्व किया। उन्होंने 29 गेंदों पर 50 रन की शानदार पारी खेली। उनकी नेहल वाधेरा के साथ 59 रन की साझेदारी मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। पंजाब किंग्स को जीत के लिए 209 रन का टारगेट मिला था, जिसे उन्होंने 5 विकेट खोकर आराम से हासिल कर लिया।

आयुष म्हात्रे की पारी पर भारी पड़ी पंजाब की बैटिंग

इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 209 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। चेन्नई की ओर से युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने 43 गेंदों में 73 रनों की बेहतरीन पारी खेली और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (28 रन) के साथ 96 रनों की साझेदारी की।

हालांकि, पंजाब की शुरुआत भी प्रियांश आर्य की 11 गेंदों में 39 रनों की तूफानी पारी से हुई। अंत में प्रभसिमरन सिंह, कूपर कोनोली और अय्यर की पारियों ने चेन्नई के स्कोर को छोटा साबित कर दिया और पंजाब ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ क्यों नहीं खेल रहे हार्दिक पंड्या?

कप्तानी मिलते ही सूर्यकुमार यादव ने बताया

नई दिल्ली, 4 अप्रेल (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 का 8वां मुकाबला अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच खेला जा रहा है। डीसी के कप्तान अक्षर पटेल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। हार्दिक पांड्या बीमार हैं, इसलिए इस मैच में उनकी जगह सूर्यकुमार यादव मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हैं।

सूर्यकुमार यादव ने हार्दिक के बारे में दिया अपडेट

सूर्यकुमार यादव ने कहा, 'हार्दिक ठीक नहीं हैं, इसलिए इस मैच में उनकी जगह कप्तानी कर रहा हूं। पिच अच्छी लग रही है और हम पहले बल्लेबाजी करना चाहते थे। टीम में कई बदलाव हैं। दीपक चाहर आए हैं। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट की जगह कॉर्बिन बॉश आए हैं। अल्लाह गजनफर की जगह मिचेल सेंटनर आए हैं।'

अक्षर पटेल ने क्या कहा?

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने टॉस जीतने के बाद कहा कि हम गेंदबाजी करेंगे। यह सीजन का हमारा पहला घरेलू मैच है। हम देखना चाहते हैं कि मैच कैसा रहता है। हम पिछले सीजन में 26 रन पर 4 विकेट गंवाने के बाद भी लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत हासिल करने में कामयाब रहे थे। इस मैच में भी हम उसी प्लेइंग इलेवन के साथ उतर रहे हैं।

अपने पहले-पहले मुकाबले जीती हैं दिल्ली और मुंबई

दोनों ही टीमों का सीजन का यह दूसरा मुकाबला है। दिल्ली कैपिटल्स ने सीजन का पहला मुकाबला 1 अप्रैल को लखनऊ में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेला था और 6 विकेट से जीत हासिल की थी। वहीं एमआई ने 29 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपना पहला मैच खेला था और 6 विकेट से जीत हासिल की थी। दोनों ही टीमें इस मैच में अपनी जीत की लय को बरकरार रखने उतरेंगी।

युवराज बोले- धोनी के सच्चाई बताने के बाद लिया रिटायरमेंट

कप्तान विराट, कोच ने स्पष्ट नहीं किया था कि आगे टीम में लेंगे या नहीं

मुंबई, 4 अप्रेल (एजेंसियां)। 2011 वर्ल्ड कप के हीरो रहे युवराज सिंह ने कहा कि धोनी से पता चला था कि अब चयनकर्ता उनके नाम पर विचार नहीं कर रहे हैं। इसके बाद ही युवराज ने 10 जून 2019 को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट सें संन्यास ले लिया था। स्पोर्ट्स तक से बातचीत में युवराज ने कहा कि 36-37 साल की उम्र में जब वे टीम से अंदर-बाहर हो रहे थे, तब न तो नेशनल क्रिकेट एकेडमी, न ही कप्तान विराट कोहली और न ही कोच रवि शास्त्री ने उनसे सीधे बात की। युवी ने कहा, 'उस समय मुझे लगा कि मैं बीच में फंस गया हूं। मैंने देश के लिए इतना क्रिकेट खेला, तो कम से कम थोड़ी इज्जत और साफ बात तो बनती थी, लेकिन मुझे कुछ भी साफ नहीं बताया गया।'

युवराज ने कहा कि उन्हें कहीं से कोई जवाब नहीं मिल रहा था, तब उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी को फोन किया। धोनी उस समय कप्तान नहीं थे, लेकिन वे पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए थे। युवराज के मुताबिक, 'धोनी ने मुझे सही नजरिया दिया। उन्होंने साफ कहा कि सिलेक्टर्स अब आगे की तरफ देख रहे हैं और मैं उनकी योजनाओं का हिस्सा नहीं हूं। धोनी की इस बात ने मुझे वह स्पष्टता दी जो मैनेजमेंट नहीं दे पा रहा था।'

युवराज ने यह भी आरोप लगाया कि मैनेजमेंट ने उन्हें संन्यास लेने के लिए मजबूर करने की कोशिश की थी। उनसे कहा गया था कि वे अब फिटनेस टेस्ट (यो-यो टेस्ट) पास

नहीं कर पाएंगे, इसलिए उन्हें खेल को अलविदा कह देना चाहिए। इस पर उन्होंने साफ जवाब दिया कि रिटायर होना उनका फैसला होगा, जबकि टीम में खिलाना या नहीं खिलाना मैनेजमेंट का निर्णय है। युवराज ने यह भी बताया कि वे अब तक कमेंट्री से दूर क्यों रहे। उन्होंने साफ कहा कि वे उन लोगों के साथ बैठकर काम नहीं करना चाहते, जिन्होंने उनके बारे में निजी (पर्सनल) टिप्पणियां की थीं।

उन्होंने कहा, 'अब जब मैं रिटायर हो चुका हूं, तो इस बारे में खुलकर बोल सकता हूं। असली वजह ये है कि कुछ लोगों ने मेरे खेल पर नहीं, बल्कि मुझ पर पर्सनल कमेंट किए थे। खेल की बात समझ में आती है, लेकिन पर्सनल बातें आप कभी नहीं भूलते।' युवराज सिंह ने साल 2000 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी और जून 2019 में संन्यास लिया। उन्होंने भारत के लिए 304 वनडे, 58 टी-20 और 40 टेस्ट मैच खेले, जिनमें 11,000 से ज्यादा रन बनाए। वे 2007 टी-20 वर्ल्ड कप और 2011 वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के सदस्य रहे। युवराज सिंह ने वनडे वर्ल्ड कप 2011 में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था। उन्होंने 8 पारियों में 90.50 की औसत से कुल 362 रन बनाए थे, जिसमें चार अर्धशतक और एक शतक शामिल था। उन्होंने टूर्नामेंट में 15 विकेट भी झटके थे।

युवराज टूर्नामेंट में चार बार प्लेयर ऑफ द मैच बने और अंत में उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। टूर्नामेंट के बाद युवराज को कैंसर होने का पता चला, जिसके बाद उनका इलाज चला। इसके बाद वे एक साल से ज्यादा समय तक टीम इंडिया से बाहर रहे। पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद उन्होंने सितंबर 2012 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की। 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारत ने पहला टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। युवराज सिंह ने इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड के खिलाफ एक ओवर में छह छक्के लगाकर इतिहास रच दिया था। उन्होंने इसी मैच में महज 12 गेंदों में अर्धशतक जड़कर एक और बड़ा रिकॉर्ड बनाया। यह आज भी भारत की ओर से टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड है। आउट होने से पहले युवराज ने 16 गेंदों में 58 रन की विस्फोटक पारी खेली थी।

आईपीएल 2026 बीच में छोड़कर पैट कमिंस ऑस्ट्रेलिया लौटे

एसआरएच के कप्तान की कब होगी वापसी?

खेल डेस्क, 4 अप्रेल (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस को आईपीएल 2026 में खेलता देखने के लिए कुछ और इंतजार करना पड़ेगा. चोट के कारण इस सीजन के शुरुआती मुकाबलों से बाहर रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज कमिंस अचानक अपने देश लौट गए हैं. टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही भारत आए कमिंस वापस ऑस्ट्रेलिया लौट गए हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक, कमिंस की वापसी अब अप्रैल के तीसरे हफ्ते के बाद ही हो पाएगी. कमिंस की गैरहाजिरी में सनराइजर्स की कमान स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन संभाल रहे हैं.

क्यों लौटे कमिंस? कब होगी वापसी?

ईएसपीएन-क्रिकइंफो की रिपोर्ट में बताया गया है कि सनराइजर्स के ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस अपनी पीठ की जांच के लिए वापस देश लौटे हैं. कमिंस नया सीजन शुरू होने से ठीक पहले SRH के साथ जुड़े थे लेकिन शुरुआती दोनों मैच नहीं खेल पाए थे. अब ऑस्ट्रेलिया लौटने के कारण अगले कुछ मैच भी नहीं खेल पाएंगे. रिपोर्ट के मुताबिक, कमिंस ऑस्ट्रेलिया में अपना एक फाइनल स्कैन करवाएंगे और अगर उसका नतीजा सही आया

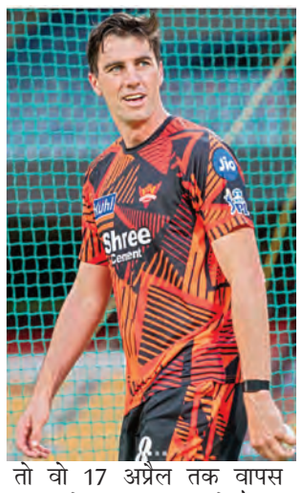

तो वो 17 अप्रैल तक वापस SRH के साथ जुड़ सकते हैं.

ईरान ने अमेरिका को हिलाकर रख दिया, 24 घंटे में दिया कभी ना भूलने वाला दर्द!

कमिंस पिछले लगभग एक साल से पीठ की चोट से जूझ रहे हैं. इसके चलते उन्होंने जुलाई 2025 के बाद से सिर्फ एक ही मैच खेला है. उन्होंने एशेज सीरीज के दौरान सिर्फ एक टेस्ट मैच में हिस्सा लिया था और उसके बाद फिर बाहर हो गए थे. इसके कारण ही वो टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भी नहीं खेल पाए थे.

कितने मुकाबलों से बाहर रहेंगे कमिंस?

मौजूदा स्थिति में कमिंस कम से कम 4 मैच और मिस कर सकते हैं और वो सही मायनों में 21 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले से ही वापसी कर सकते हैं. ऑस्ट्रेलिया के बिना सनराइजर्स की गेंदबाजी कुछ कमजोर नजर आई है.

टीम ने हालांकि अपने पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को शिकस्त दी लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जैसी मजबूत बैटिंग लाइन-अप के सामने टीम परेशान नजर आई थी. ऐसे में राजस्थान रॉयल्स, मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स जैसी अन्य टीमों के सामने भी इस टीम को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है.

रेसलमेनिया 42 में रैंडी ऑर्टन हारे तो रिटायर हो जाऊंगा

डब्ल्यूडब्ल्यूई दिग्गज ने करियर दांव पर लगाकर किया बड़ा ऐलान

लास वेगास, 4 अप्रेल (एजेंसियां)। डब्ल्यूडब्ल्यूई में इस समय रेसलमेनिया 42 को लेकर जद्दोजहद चल रही है. शानदार बिल्डअप हो रहा है. मेगा इवेंट में कोडी रोड्स अपनी अनडिस्प्यूटेड डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप को रैंडी ऑर्टन के खिलाफ डिफेंड करेंगे. पिछले कुछ हफ्तों से ऑर्टन का विकराल रूप देखने को मिल रहा है. इस हफ्ते स्मैकडाउन में अब उनका साथ देने के लिए पैट मैकफी आ गए हैं. मैकफी ने रोड्स के ऊपर हमला कर हील टर्न लिया. मैकफी एक अलग ही अंदाज में नज़र आए. मैकफी ने अब एक बड़ा ऐलान कर दिया है. उन्होंने ऑर्टन के लिए अपना करियर दांव पर लगा दिया है. स्मैकडाउन की शुरुआत रैंडी ऑर्टन ने की. उन्होंने साफ कर दिया कि वो रेसलमेनिया 42 में चैंपियन बनने वाले हैं. ऑर्टन ने कहा कि कोडी इस बार खाली हाथ जाएंगे. कोडी ने भी एंट्री की. दोनों के बीच ब्रॉल हुआ. कोडी का दबदबा देखने को मिला. अचानक पीछे से पैट मैकफी

आ गए. उन्होंने कोडी को लो-ब्लो लगा दिया. रैंडी ने इसके बाद चेयर से रोड्स को पीटा. मैकफी ने कहा कि कोडी खराब चैंपियन हैं. ऑर्टन के मिस्ट्री कॉलर भी मैकफी निकले.

पैट मैकफी ने एक बड़ी डील कर दी है. उनका कहना है कि अगर रेसलमेनिया 42 में रैंडी ऑर्टन नहीं जीतेंगे, तो वो रेसलिंग से रिटायरमेंट ले लेंगे. सोशल मीडिया पर मैकफी ने कहा, "मै अभी इंटरनेट रेसलिंग कम्यूनिटी से एक समझौता करूंगा. अगर रैंडी ऑर्टन रेसलमेनिया 42 में नहीं जीतते हैं...तो मैं रेसलिंग टीवी पर फिर कभी दिखाई या सुनाई नहीं दूंगा". कोडी रोड्स ने कुछ समय पहले ही डू मैकइंटायर को हराकर टाइटल अपने नाम किया था. अब उनकी मुश्किलें बढ़ चुकी हैं. रैंडी ऑर्टन ने मेंस एलिमिनेशन चैंबर मैच जीतकर मेगा इवेंट में टाइटल मैच हासिल किया था. ऑर्टन का खतरनाक रूप दिख रहा है.

PATANJALI®

पतंजलि के "देश का सबसे बड़ा ब्राण्ड" बनने की कहानी

पतंजलि®

पूजनीय स्वामी रामदेव जी व आचार्य श्री बालकृष्ण जी के तीन दशकों से अधिक के अनवरत पुरुषार्थ, तपस्या और अटल संकल्प के बल पर पतंजलि ने भारत के घर–घर तक अपनी पहुंच बनाई और करोड़ों देशवासियों के हृदय को जीता। योग व आयुर्वेद, जो कभी केवल गुफाओं और गुरुकुलों तक सीमित था, उसे पतंजलि ने जन–जन तक पहुँचाने का ऐतिहासिक कार्य किया। जनमानस की आवश्यकता और आग्रह के अनुरूप औषधियों के साथ–साथ दैनिक जीवन में उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया, और इस प्रकार पतंजलि ने स्वदेशी चेतना को प्रबल किया। लगभग पांच लाख लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ है। एक करोड़ से अधिक दुकानों तक स्वदेशी सेवा का व्यापक विस्तार हुआ है। 100 करोड़ भारतीयों के समर्थन और 1 करोड़ से अधिक कार्यकर्ताओं के निःस्वार्थ सेवा के लिए हम कृतज्ञ हैं।

5000 से अधिक उत्पादों के साथ स्वदेशी संकल्प: लगभग पाँच हजार से अधिक दैनिक उपयोग की वस्तुएँ, पशु आहार, औषधियाँ तथा जीवनोपयोगी उत्पाद देशवासियों के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। रोजगार सृजन के साथ–साथ लगभग एक करोड़ प्रशिक्षित कार्यकर्ता निःशुल्क एवं निःस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों में समर्पित हैं। इन अनवरत प्रयासों और संकल्पों के परिणामस्वरूप आज पतंजलि समूह का वार्षिक टर्नओवर लगभग 50,000 करोड़ रुपये तक पहुँच चुका है।

अर्थ से परमार्थ व राष्ट्रसेवा (Prosperity for Charity): PFL को प्राप्त होने वाला सम्पूर्ण लाभ, पतंजलि गुरुकुलम्, भारतीय शिक्षा बोर्ड, आचार्यकुलम, पतंजलि विश्वविद्यालय, रिसर्च फाउंडेशन, चिकित्सा, शिक्षा, वृक्षारोपण, सनातन धर्म और भारत माता की सेवा में पूर्णतः समर्पित किया जाता है। इस प्रकार लाभ का 100% भाग निःस्वार्थ चैरिटी और राष्ट्रसेवा के कार्यों में लगाया जाता है। पूजनीय स्वामी रामदेव जी का संकल्प है कि अपने अंतिम श्वास तक हम पवित्रता और प्रामाणिकता के साथ भारत माता की सेवा करते रहेंगे तथा एक स्वस्थ, समृद्ध और परम वैभवशाली भारत के निर्माण में अपना योगदान देते रहेंगे। पूजनीय आचार्य बालकृष्ण जी कई वर्षों से विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों और अनुसंधानविदों की श्रेणी में सम्मिलित हैं। उनके दृष्टिकोण से पतंजलि विज्ञान, अनुसंधान और स्वदेशी नवाचार के माध्यम से वैश्विक मानचित्र पर अग्रणी ब्रांड बन रहा है। योग, आयुर्वेद, स्वदेशी, सनातन धर्म की सेवा में आज पतंजलि भारत के श्रेष्ठतम संस्थान के रूप में कार्यरत है।

हाई बी. पी. को प्राकृतिक रूप से निर्मूल करने के लिए।

डायबिटीज को रिवर्स करने में लाभदायक

वात रोग, आर्थराइटिस, RA, CRP, AVN, ANA, HLA-B27 आदि के लिए

ब्रोंकाइटिस, अस्थमा, कफ़, कोल्ड के लिए रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड मेडिसिन

ब्रेन, नर्वस सिस्टम व मेमोरी के लिए सर्वश्रेष्ठ औषधियां

इम्यूनिटी के लिए सर्वश्रेष्ठ औषधियां

किडनी प्रॉब्लम्स को रिवर्स करने के लिए

फैटी लिवर, लिवर सिरोसिस, हेपेटाइटिस आदि को रिवर्स करने के लिए

बहिष्कार करें– केमिकल व एनिमल बेस्ड प्रोडक्ट्स का और न्यूट्रेला नैचुरल ऑर्गेनिक प्रोटीन, विटामिन्स, ओमेगा आदि अपनाएं

ओबेसिटी के लिए अचूक औषधि

कोलेस्ट्रॉल के लिए

थायरॉइड के लिए

चिकित्सा के परामर्श के लिए अपने नज़दीकी पतंजलि चिकित्सालय पर अवश्य विज़िट करें।

5000 पतंजलि के एक्सक्लूसिव स्टोर्स के लोकेशन का पता जानने के लिए गूगल पर सर्च करें।

एक कॉल से सभी समस्याओं को घर बैठे नि:शुल्क सॉल्व करने के लिए कॉल करें– **1800 296 1111**
तथा पतंजलि की समस्त सेवाओं की जानकारी के लिए **8954 555 999** पर कॉल करें

घर बैठे पतंजलि प्रोड्क्ट्स ऑनलाइन आर्डर करने के लिए ऑर्डर मी ऐप डाउनलोड करें।

डाउनलोड करें
ORDER ME

पतंजलि के एक्सक्लूसिव स्टोर पर डिस्काउन्ट पाने और साथ ही 15 लाख के इन्श्योरेंस का लाभ उठाने के लिए पतंजलि स्वदेशी समृद्धि कार्ड बनवाएं। कार्ड का मेम्बर बनने के लिए अपने नज़दीकी पतंजलि स्टोर पर सम्पर्क करें।

PATANJALI wellness
Yoga, Ayurveda & Naturopathy

समस्त असाध्य रोगों से स्थायी मुक्ति पाने के लिए एक बार 7 दिन पतंजलि वेलनेस में रेजिडेंशियल योग, आयुर्वेद एवं पंचकर्म आदि की चिकित्सा के लिए अवश्य आयें।
रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : **8954666222, 8954666333**

लगभग 1 करोड़ स्टोर्स पर पतंजलि के प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं। फिर भी कोई प्रोडक्ट स्टोर पर उपलब्ध नहीं है तो आप दुकानदार से इसकी डिमाण्ड करें, वो इसे उपलब्ध करायेंगे।

भारत एक ऋषि एवं कृषि प्रधान देश है। इसलिए उच्चतम श्रेणी के पशु आहार एवं फूड सप्लीमेंट्स।

पतंजलि पशु आहार

पतंजलि मसाले, पापड़, दलिया, कैंडी, मुरब्बा, नमकीन और पाचक

नोट– पतंजलि के मल्टीग्रेन आटा व कुछ विशिष्ट 1 हजार प्रोडक्ट्स पतंजलि एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर ही उपलब्ध हैं।

पतंजलि के आटा रेंज एवं पतंजलि चावल रेंज

दिल्ली एनसीआर, उत्तराखण्ड, राजस्थान व महाराष्ट्र में पतंजलि के डेयरी प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं।

पतंजलि हेल्दी एवं न्यूट्रिशियस फूड प्रोडक्ट्स, पावर वीटा, केसर व ड्राईफ्रूट्स, अचार, जैम व सॉस, पोहा, सूजी, बेसन, सेवई

स्वीट्स एवं स्नैक्स

माइग्रेन पेन, मस्तिष्क आदि के लिए सर्वश्रेष्ठ पतंजलि बादाम रोगन व बादाम पाक

बादाम रोगन व बादाम पाक, एनर्जी बार एवं इंस्टेंट मिक्स

महाकोश, सनरिच, रुची गोल्ड देश का नं. 1 पाल्म ऑयल ब्राण्ड एवं न्यूट्रेला ऑयल रेंज

धूप–अगरबत्ती के नाम पर बहुत भयंकर मिलावट है तथा 100% पवित्रता बाँस रहित अगरबत्ती, भीमसेनी कपूर, शुद्धतम तिल तेल, हवन सामग्री आदि से अपने इष्ट का पूजन करें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.